फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 179, पृष्ठ 16 | मूल्य 6 रुपये

यूपी बजट 2026-27

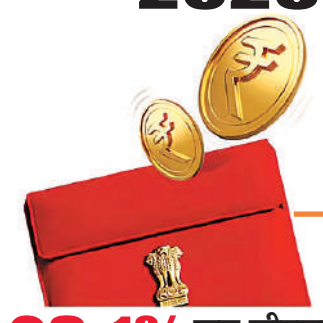

9.12 लाख करोड़ कुल बजट

19.5% पूंजीगत व्यय

12.4% शिक्षा आवंटन

6% स्वास्थ्य आवंटन

9% कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

23.1% ऋण-जीएसडीपी अनुपात लक्ष्य

योगी का बाहुबली बजट

नव निर्माण के 9 वर्ष

अहम बातें

₹18,290 करोड़ से सिंचाई परियोजना

2100 नए राजकीय नलकूप

₹3,04,321 करोड़ से अधिक का गन्ना भुगतान

₹14,997 करोड़ चिकित्सा शिक्षा विभाग

₹37,956 करोड़ चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं। (आयुष्मान टॉप-अप 500 करोड़)

₹5,000 करोड़ से औद्योगिक विस्तार

₹3,822 करोड़ एमएसएमई के लिए

₹27,103 करोड़ अवसंरचना मद में

₹22,676 करोड़ नमामि गंगे/ग्रामीण जल मिशन

200 करोड़ एमओयू रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर के लिए

65,926 करोड़ ऊर्जा क्षेत्र को

सुरेश कुमार खन्ना
वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश

बजटीय सौगात

49.86 लाख टैबलेट/स्मार्टफोन

₹400 करोड़ से मेधावी बेटियों को स्कूटी

10,000 युवाओं को नौकरी

₹1374 करोड़ से पुलिस भवन निर्माण

200 करोड़ फायर स्टेशन हेतु

25 करोड़ से महिला बीट कर्मियों के लिए वाहन

₹34,468 करोड़ सड़क-सेतु

₹225 करोड़ से एआई मिशन की शुरुआत

यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल के साथ बना राजस्व सरप्लस राज्य

9 साल में कोई नया टैक्स नहीं, तीन गुना बढ़ा बजट : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया, फिर भी बजट का आकार तीन गुना से अधिक बढ़कर 9.12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब "अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट" के रूप में उभरा है और यह बजट उसी आत्मविश्वास का दस्तावेज है।

विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत होने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह उनके नेतृत्व में सरकार का दसवां बजट है। उन्होंने बताया कि 43,565 करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए रखी गई है। उनका कहना था कि परिसंपत्तियों के निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से ही रोजगार सृजन को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में प्रदेश में ऋण-जीएसडीपी अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक था, जिसे घटाकर 27 प्रतिशत तक लाया गया। इस वित्तीय वर्ष में इसे 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की 30 प्रतिशत सीमा के भीतर रहते हुए उत्तर प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया है और आज प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है।

स्टेट डेटा अथॉरिटी का होगा गठन

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। एमएसएमई, स्टार्टअप, ओडीओपी और स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के तहत एआई मिशन और डेटा सेंटर क्लस्टर की स्थापना का प्रावधान किया गया है। स्टेट डेटा अथॉरिटी गठित की जाएगी, जो रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग के जरिए नीति निर्माण में मदद करेगी।

निवेश और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रदेश में आए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी दूसरे स्थान पर पहुंचकर 'चीफ अचीवर स्टेट' बना है। डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना को आगे बढ़ाया जाएगा और सिटी इकॉनमिक जोन विकसित किए जाएंगे।

कृषि और ग्रामीण फोकस

बजट में 23 लाख डीजल ट्यूबवेल को सोलर से जोड़ने की घोषणा की गई है। एससी-एसटी, महिला और लघु सीमांत किसानों को 90 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। दो लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य। गन्ना, दलहन-तिलहन, मत्स्य और पशुपालन क्षेत्र में विशेष प्रावधान किए गए हैं। पशुधन बीमा योजना में 85 प्रतिशत तक प्रीमियम सरकार वहन करेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल हब

गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार, पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे और नए औद्योगिक क्लस्टर के लिए बजट में प्रावधान। हर जिले में स्किल डेवलपमेंट हब स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर हाथ को काम इस बजट की मूल भावना है, जो उत्तर प्रदेश को देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

यूपी बजट 2026-27 विधानसभा में पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना।

मेगा बजट

स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में मिलेंगे 16 से 20 हजार रुपये बजट में किया गया प्रावधान

बजट 2026-27 में पूंजीगत व्यय, शिक्षा-स्वास्थ्य और कृषि पर योगी सरकार का विशेष फोकस

नव निर्माण के नौ वर्ष की थीम पर 43,565 करोड़ की नई योजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार : विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए "नव निर्माण के नौ वर्ष" थीम के तहत 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का एलान किया। कुल बजट आकार 9,12,696 .35 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष से लगभग 12 .9 % अधिक। सरकार का कहना है कि यह बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी का संतुलित खाका है। एलान किया कि स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में 16 से 20 हजार रुपये मिलेंगे, इसका बजट में प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन को बताया कि यह बजट राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता, निवेश के अनुकूल माहौल और सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन का परिणाम है। यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। बजट 2026-27 सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। इस बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने बताया कि बजट में 19 .5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी-ग्रामीण अधोसंरचना को नई गति देगा। पूंजीगत निवेश से रोजगार सृजन होगा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। योगी सरकार ने सामाजिक क्षेत्रों को बजट में प्रमुख स्थान दिया है। इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए कुल बजट का 12 .4 प्रतिशत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए 6 प्रतिशत और कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं के लिए 9 प्रतिशत का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार मानव संसाधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने को विकास की धुरी मानकर चल रही है।

19.5
प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान

राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में

उन्होंने बताया कि 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे की सीमा 3 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो वर्ष 2030-31 तक लागू रहेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राजकोषीय अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 1,18,480 .59 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2 .98 प्रतिशत है। यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर है और वित्तीय अनुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समग्र परिप्रेक्ष्य में, बजट 2026-27 में एक ओर जहां विकासोन्मुख नई योजनाओं का विस्तार है, वहीं दूसरी ओर राजस्व बचत और नियंत्रित राजकोषीय घाटे के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बनाए रखने का स्पष्ट प्रयास किया गया है।

शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कार्मिकों तथा पीएम पोषण योजना की रसोइयों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए 357 .84 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 89 .25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्कूल उपस्थिति में सुधार की उम्मीद है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत मेधावी छात्रों के शिक्षा ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी के लिए 30 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।

सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना

वाराणसी रीजन चयनित

केंद्रीय बजट 2026-27 के अंतर्गत सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना में 7 रीजन की पहचान की गई है, जिनमें वाराणसी रीजन भी शामिल है। नीति आयोग की जनवरी 2026 की रिपोर्ट में काशी-विन्ध्य क्षेत्र को 'इकोनॉमिक हब' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसमें 34 प्राथमिकता परियोजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, पर्यटन, विनिर्माण, ऊर्जा और आवास क्षेत्रों में समेकित विकास किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष और एफपीओ को मजबूती

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के मद्देनजर सरकार ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए रिवॉल्विंग फंड योजना के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये का कोष नाबार्ड की सहभागी संस्था 'नैब किसान' के साथ मिलकर स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसमें सरकार 75 करोड़ रुपये का अंशदान देगी। प्रत्येक पात्र एफपीओ को अधिकतम 50 लाख रुपये तक की ऋण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, यूपी एग्रीज के अंतर्गत प्रदेश में एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत 38 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश में 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बजट में स्वच्छताकर्मियों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये भेजने का भी प्राविधान किया गया है। इसके लिए सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही स्कीम का फायदा स्वच्छताकर्मियों को मिलेगा।

ऋण प्रबंधन में योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि

वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016-17 में राज्य को 29 .3 प्रतिशत ऋण-जीएसडीपी की अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, जिसे 2019-20 तक घटाकर 27 .9 प्रतिशत कर दिया गया। हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण यह अनुपात वर्ष 2021-22 में बढ़कर 33 .4 प्रतिशत हो गया था, लेकिन सुनियोजित राजकोषीय प्रबंधन के चलते वर्ष 2024-25 में इसे पुन: 27 प्रतिशत से नीचे लाया गया है। सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में ऋण-जीएसडीपी अनुपात को 23 .1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य तय किया है। इतना ही नहीं, बजट के साथ प्रस्तुत मध्यकालीन राजकोषीय नीति में इसे चरणबद्ध रूप से 20 प्रतिशत से नीचे लाने का संकल्प भी दोहराया गया है। इसका उद्देश्य राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करना है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर

यूपी बजट में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उद्यमी बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से महिलाओं को आसान, ब्याज-मुक्त एवं चरणबद्ध पूंजी उपलब्ध कराकर 'लखपति दीदी' लक्ष्य को गति दी जाएगी। वहीं महिला उद्यमियों द्वारा उत्पादित सामान की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इस योजना के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट और बड़े बाजारों में महिलाओं द्वारा संचालित शोरूम व दुकानों की व्यवस्था की जाएगी, जिनका किराया शुरुआती तीन वर्षों तक राज्य सरकार वहन करेगी।

नई योजनाओं और सुदृढ़ वित्तीय संरचना की दिशा में बड़ा कदम

प्रदेश सरकार ने अपने बजट में 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं को शामिल किया है, जिनका उद्देश्य अधोसंरचना विकास, सामाजिक क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण और उत्पादक निवेश को गति देना है। यह प्रावधान राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य की कुल प्राप्तियां 8,48,233 .18 करोड़ रुपये अनुमानित की गई हैं। इसमें से राजस्व प्राप्तियां 7,28,928 .12 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत प्राप्तियां 1,19,305 .06 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का बड़ा हिस्सा 6,03,401 .76 करोड़ रुपये है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 3,34,491 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय करों में राज्य का अंश 2,68,910 .76 करोड़ रुपये शामिल है। यह वित्तीय संरचना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि राज्य की आय में स्वयं के संसाधनों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है, जिससे राज्य आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर और सशक्त बनता जा रहा है।

विधान सभा में यूपी बजट 2026-27 की प्रस्तुति का दृश्य।

श्रमजीवी महिला छात्रावास के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट

मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना के अंतर्गत गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और लखनऊ में निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य जनपदों (अयोध्या, बरेली, अलीगढ़, मिर्जापुर, सहारनपुर एवं मुरादाबाद) में विस्तार के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एसजीपीजीआई में क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सुविधा प्रारंभ करने के लिए 359 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही कैंसर मिशन के अंतर्गत हब एवं स्पोक मॉडल पर राज्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभागों तथा निजी क्षेत्र के समन्वय से कैंसर उपचार व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

यूपी एआई मिशन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के तहत 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन' (यूपीएआई मिशन) शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत अगले तीन वर्षों में लगभग 2000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे। इसके लिए 225 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। स्टेट डाटा सेंटर 2 .0 के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके साथ नियोजन विभाग के अंतर्गत स्टेट डाटा अथॉरिटी की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 53 विभागों में 'जन विश्वास सिद्धांत' लागू किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

एमएसएमई और रोजगार को बढ़ावा

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के तहत सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉइमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे स्थानीय खाद्य उत्पादों को पहचान और बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अंतर्गत इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फिल्म उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

बजट में पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता

राज्य सरकार ने कुल 9,12,696 .35 करोड़ रुपये के व्यय का प्रस्ताव रखा है, जिसमें पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसमें से 6,64,470 .55 करोड़ रुपये राजस्व लेखा व्यय तथा 2,48,225 .81 करोड़ रुपये पूंजी लेखा व्यय के रूप में निर्धारित किए गए हैं। पूंजीगत व्यय का यह उच्च स्तर राज्य में दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण, आधारभूत संरचना के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने बताया कि समेकित निधि की प्राप्तियों में से कुल व्यय घटाने पर 64,463 .17 करोड़ रुपये का घाटा अनुमानित है। वहीं लोक लेखे से 9,500 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियां अनुमानित की गई हैं। इन दोनों को समायोजित करने पर समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 54,963 .17 करोड़ रुपये ऋणात्मक आंका गया है, जो वित्तीय प्रबंधन के संतुलन की आवश्यकता को इंगित करता है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक शेष 96 .41 करोड़ रुपये ऋणात्मक को जोड़ने पर अंतिम शेष 55,059 .58 करोड़ रुपये ऋणात्मक अनुमानित है। एक सकारात्मक संकेत यह भी है कि राजस्व बचत 64,457 .57 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है, जो दर्शाता है कि राज्य की नियमित आय उसके नियमित व्यय से अधिक है और राजकोषीय संतुलन को बनाए रखने में सहायता कर रही है।

डीजल से सोलर की ओर बड़ा कदम

बजट में विशेष रूप से कृषि विभाग के अंतर्गत डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना के लिए 637 .84 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की डीजल पर निर्भरता कम होगी, लागत घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम कृषि क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपी बजट 2026-27 : चुनावी वर्ष में विकास का संतुलित संदेश

विशेष टिप्पणी

● राजेश श्रीनेत

उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले 9.12 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश कर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह चुनावी माहौल में भी विकास के एजेंडे को केंद्र में रखना चाहती है। विधान सभा में पेश यह बजट आकार में पिछले साल से लगभग 12.2 प्रतिशत बड़ा है और पूंजीगत व्यय को 19.5 प्रतिशत तक बनाए रखते हुए दीर्घकालिक आधारभूत संरचना निर्माण पर जोर देता है। राजनीति के नजरिये से देखें तो यह केवल आय व्यय का ब्यौरा नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं और चुनावी रणनीति का संकेत भी है।

चुनावी वर्ष के बजट अक्सर तात्कालिक राहत और लोकलुभावन घोषणाओं के लिए जाने जाते हैं, किंतु इस बजट में राजकोषीय घाटे को तीन प्रतिशत की सीमा में रखने की प्रतिबद्धता वित्तीय अनुशासन का संदेश देती है। इससे लगता है कि सरकार विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहती है। निवेशकों के लिए यह संकेत महत्वपूर्ण है कि राज्य की वित्तीय सेहत नियंत्रित दायरे में है और बड़े बुनियादी प्रकल्पों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में किए गए प्रावधान भी चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। चिकित्सा शिक्षा के लिए उल्लेखनीय आवंटन, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और स्वास्थ्य बजट में वृद्धि ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का प्रयास है। यह उन मतदाताओं के लिए संदेश है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार की अपेक्षा रखते हैं। युवा मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई मिशन के लिए अलग से प्रावधान किए गए हैं। डिजिटल कौशल, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देना यह दर्शाता है कि सरकार नई पीढ़ी को अवसरों से जोड़ना चाहती है। टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण जैसी योजनाएं राजनीतिक दृष्टि से भी संवाद का माध्यम बनती हैं। हालांकि, युवाओं की अपेक्षाएं अब केवल उपकरणों से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और स्थायी रोजगार के अवसरों पर केंद्रित हैं। इस दिशा में घोषित निवेश और संभावित रोजगार के आंकड़ों का धरातल पर क्रियान्वयन ही वास्तविक कसौटी होगा।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एमएसएमई प्रोत्साहन और निवेश नीति के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार राज्य को विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है। बड़े निवेश के समझौते और संभावित रोजगार सृजन के अनुमान चुनावी विमर्श में विकास आधारित राजनीति को बल देते हैं। फिर भी यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन परियोजनाओं का लाभ स्थानीय युवाओं और छोटे उद्यमियों तक कितनी तेजी से पहुंचता है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई विस्तार, फसल सघनता में वृद्धि और उत्पादन में बढ़ोतरी के आंकड़े ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करते हैं। ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन क्षमता में वृद्धि और सौर परियोजनाओं का विस्तार राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संकेत है।

हालांकि आलोचनात्मक दृष्टि से यह भी कहा जा सकता है कि चुनावी वर्ष में घोषित योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देना होगा। बड़े बजट का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब योजनाएं समयबद्ध ढंग से पूरी हों और लाभ लक्षित वर्गों तक पहुंचे। समग्र रूप से देखें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकास, निवेश और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का प्रयास है। इसमें चुनावी संदर्भ की झलक अवश्य है, परंतु अत्यधिक लोकलुभावन रुख से बचते हुए दीर्घकालिक दृष्टि को सामने रखा गया है। मतदाता इस बात का मूल्यांकन करेंगे कि घोषित योजनाएं जमीन पर कितनी प्रभावी सिद्ध होती हैं। फिलहाल यह बजट विकास और विश्वास के संदेश के साथ चुनावी वर्ष की राजनीतिक पृष्ठभूमि को आकार देता हुआ दिखाई देता है।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण
-12

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव
-12

चीन ने कहा- आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत
-13

दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर दूसरे सुपर ओवर में रोमांचक जीत
-14

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.48

सूर्यास्त 05.58

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 179, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

उज्ज्वल निकम को नामित किए जाने पर याचिका दायर की

नई दिल्ली। कई हत्याओं के आरोपी गैंगस्टर विजय पलांडे ने बुधवार को अपने मामले में वकील उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नामित किए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। अपनी याचिका में पलांडे ने दलील दी कि राज्यसभा सदस्य के रूप में नामित होने के कारण निकम इस मामले में एसपीपी नहीं रह सकते, क्योंकि यह लाभ के पद पर आसीन होने के बराबर होगा। निकम ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्हें कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से 16,000 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय सेना से मिजोरम की साझेदारी, स्थानीय स्तर पर बढ़ेगी भर्ती

आइजोल। मिजोरम युवा आयोग (एमवाईसी) ने भारतीय सशस्त्र बलों में राज्य के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि यहां एआरओ मुख्यालय में 'यंग मिजो एसोसिएशन' के अध्यक्ष मालसॉमजुआला राल्ते और एआरओ निदेशक कर्नल प्रकाश कुमार सिंह के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद इस सहयोग को अंतिम रूप दिया गया।

26 मामलों के आरोपी को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद हिरासत में लिया

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अमेरिका से प्रत्यर्पित कर लाये गये सोमबीर मोटा को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि सोमबीर के संबंध लॉरेंस बिश्नोई-काला जठेड़ी गिरोह से हैं और उसके खिलाफ 26 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, सोमबीर मोटा कुख्यात गैंगस्टर अनिल छुप्पी का भाई है और मुख्य रूप से हरियाणा के रोहतक, सोनीपत, झज्जर, बहादुरगढ़ और गुरुग्राम के अलावा दिल्ली एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों में सक्रिय था।

योगी ने 10वीं बार बजट पेश करने वाले इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड अपने नाम किया

प्रदेश का बजट-2026 पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

महाबजट @9.12 लाख करोड़

- विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन निवेश, रोजगार और कल्याण पर फोकस
- उच्च शिक्षा की मेधावी बेटियों को मिलेगी स्कूटी सिंचाई, बीमा एवं मुफ्त बिजली पर भी जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकलुभावन घोषणाओं के महाबजट के साथ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने लगातार 10वीं बार बजट पेश कर इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिए। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का कुल आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। इसमें विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन दिखा। 10 लाख युवाओं को रोजगार, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये समेत मेधावी बेटियों को स्कूटी के एलान से युवा मतदाताओं और सिंचाई, बीमा व मुफ्त बिजली से किसानों को साधने की कोशिश हुई है।

योगी सरकार ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अब तक का सबसे बड़ा 912696 करोड़ का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय 19.5 प्रतिशत रखा गया है, जिससे साफ है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर और दीर्घकालिक विकास पर बड़ा दांव खेल रही है। राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में रखने और ऋण-जीएसडीपी अनुपात 23.1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य वित्तीय अनुशासन का संकेत देता है। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश भाषण में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की गई है। बजट में नौकरीपेशा, कामगार, व्यापारी-उद्यमी समेत सबके लिए राहत और तरक्की का पिटारा है। यह बजट चुनावी वर्ष से पहले सरकार का विकास और रोजगार केंद्रित रोडमैप माना जा रहा है, जिसमें निवेश और सामाजिक योजनाओं के संतुलन के जरिए व्यापक मतदाता वर्ग को साधने की कोशिश दिखती है। फोकस सेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई, मेडिकल शिक्षा, एमएसएमई, ऊर्जा, डिजिटल एवं एआई मिशन है। इसका विकसित यूपी @-2047 से तालमेल है।

महिलाओं के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र

बजट भाषण में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए मिशन मोड में कौशल संवर्धन अभियान चलाने की घोषणा की है। पीपीपी मोड में कौशल संवर्धन और जॉब प्लेसमेंट केंद्र विभिन्न जनपदों में स्थापित किए जाएंगे। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाई जाएगी और नए केंद्र खोले जाएंगे। निजी क्षेत्र की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि जिस व्यक्ति के पास कौशल है, वह कभी बेरोजगार नहीं रह सकता। इसलिए युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एग्री-एक्सपोर्ट हब किए जाएंगे स्थापित

बजट में डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना लागू करने की घोषणा की गई है। खन्ना कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अगले चरण में जनविश्वास सिद्धांत के आधार पर पंजीकरण और लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को और सरल बनाया जाएगा। विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीज परियोजना के अंतर्गत एग्री-एक्सपोर्ट हब स्थापित किए जाएंगे। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग 29वें स्थान से सुधरकर 18वें स्थान पर पहुंच चुकी है। फरवरी 2024 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए, जिनसे 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह हो चुके हैं।

कनाडा में स्कूल में गोलीबारी, 10 की गई जान

वैंकूवर, एजेंसी

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एक मकान में हुई गोलीबारी की घटना में हमलावर सहित 10 लोगों की मौत हो गई। कनाडाई प्राधिकारियों ने बताया कि 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। लगभग 2,400 लोगों की आबादी वाला टंबलर रिज शहर वैंकूवर से 1,000 किलोमीटर उत्तर में अल्बर्टा की सीमा के पास स्थित है।

प्रांतीय सरकार की वेबसाइट के अनुसार, टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में सातवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के 175 छात्र पढ़ते हैं। अधीक्षक केन फ्लॉयड ने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावर की पहचान कर ली है, लेकिन उसका नाम जारी नहीं किया। न ही यह स्पष्ट है कि आरोपी ने इस घटना को अंजाम क्यों दिया। फ्लॉयड ने कहा, हम अभी इस बात को समझने की स्थिति में नहीं हैं कि इस त्रासदी का कारण क्या था। उन्होंने ने कहा कि पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि पीड़ितों व आरोपी के बीच क्या संबंध थे। तलाशी के दौरान अधिकारियों को कई पीड़ित मिले।

- ब्रिटिश कोलंबिया में वारदात, 25 से अधिक लोग घायल, दो गंभीर

संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया

संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया, जिसके शरीर पर खुद को चोट पहुंचाने के निशान दिखायी दे रहे थे। बयान में कहा गया है, संदिग्ध को छोड़कर छह अन्य व्यक्तियों को स्कूल के भीतर मृत पाया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया है। तीसरे व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गयी। पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने मंगलवार को कहा कि सेकेंडरी स्कूल और टंबलर रिज एलिमेंटरी स्कूल दोनों में 'लॉकडाउन' लागू किया गया है यानी किसी को अंदर जाने या बाहर निकलने की अनुमति नहीं है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में एक मंत्री के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए हैं इसलिए सरकार ने उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। रीजीजू ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी का भाषण झूठ से भरा था और सत्तारूढ़ गठबंधन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा किये गए झूठे दावों को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने का अनुरोध करेगा।

केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल के भाषण के तुरंत बाद, रीजीजू ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य आसन को एक नोटिस देंगे, जिसमें नेता प्रतिपक्ष द्वारा बोले गए किसी भी कथन के प्रमाणीकरण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने जो भी झूठ बोला है, हम उसे रिकॉर्ड से हटाए जाने की मांग करेंगे। हालांकि, राहुल गांधी ने अपने बयानों को प्रमाणित करने का वादा किया है, लेकिन मंत्री ने कहा, मुझे पता है कि वह उन्हें प्रमाणित नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने सदन में झूठ बोला है। रीजीजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अक्सर जानबूझकर झूठ बोलते हैं और फिर संबंधित मंत्री का जवाब सुनने के बजाय सदन छोड़कर चले जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के पास लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के योग्य गंभीर स्वभाव वाला कोई व्यक्ति नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का रुख यह है कि हम राहुल गांधी के झूठ का जवाब सदन के बाहर देंगे, लेकिन सदन के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा। रीजीजू ने कहा कि राहुल गांधी ने बिना नोटिस दिये पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर एक गंभीर आरोप लगाया है, जो विशेषाधिकार हनन है।

उन्होंने कहा, हम आसन को आवश्यक सूचना देंगे। नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर चर्चा में कोई उपयोगी और ठोस योगदान नहीं दिया, बल्कि केवल कुछ बेबुनियाद आरोप लगाए। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को उस समय सदन में उपस्थित रहने के लिए कहा है, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। उन्होंने कहा, भाषण देने के बाद वह (राहुल) तुरंत सदन से बाहर चले गए, जबकि नियम यह है कि एक बार कोई सदस्य अपना भाषण दे दे, तो वह तुरंत सदन नहीं छोड़ सकता।

- राहुल गांधी के झूठे बयानों को सदन की कार्यवाही से हटाने का अनुरोध करेंगे : रीजीजू

विपक्ष के नोटिस में कमियां पाई गईं

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस में कमियां पाई गईं थी, जिसके बाद खुद बिरला ने इसमें सुधार करवा के कार्यवाही करने का निर्देश अपने सचिवालय को दिया। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि नोटिस में कुछ घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए चार जगहों पर वर्ष 2026 के बजाय 2025 लिखा गया था और इस आधार पर नोटिस को खारिज भी किया जा सकता था। सूत्रों ने बताया, विपक्षी सांसदों द्वारा मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के लिए दिए गए नोटिस में कमियां पाई गईं। घटनाओं का उल्लेख करते हुए चार बार फरवरी, 2025 लिखा गया है जिसके आधार पर नियमानुसार नोटिस को खारिज किया जा सकता था।

रामपुर सीआरपीएफ शिविर पर आतंकी हमला मामले में सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें 2007 के रामपुर सीआरपीएफ शिविर आतंकी हमले के मामले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा और एक अन्य को दी गई आजीवन कारावास की सजा निरस्त कर दी गई थी। रामपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर 31 दिसंबर 2007 की रात को हुए हमले में सीआरपीएफ के आठ जवान मारे गए थे और पांच घायल हो गए थे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर आरोपियों को नोटिस जारी किये और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की। पांचों आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एम एस खान पेश हुए। राज्य सरकार ने पिछले साल 29 अक्टूबर को उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें इस मामले में चार लोगों को मृत्युदंड और एक अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने मोहम्मद शरीफ, सबाउद्दीन, इमरान शहजाद, मोहम्मद फारूक और जंग बहादुर खान को हत्या एवं अन्य गंभीर आरोपों से यह कहकर बरी कर दिया था कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मुख्य अपराध के मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हालांकि, इसने जंग बहादुर खान समेत पांचों को शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (1-ए) के तहत दोषी पाया और उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जंग बहादुर खान को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा था, मामले का निस्तारण करने से पहले, हम निश्चित रूप से यह उल्लेख करना चाहेंगे कि यदि जांच और अभियोजन अधिक प्रशिक्षित पुलिस द्वारा किया गया होता तो इस मामले का परिणाम अलग होता।

- उत्तर प्रदेश सरकार की हाईकोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को हुई सहमत
- 2007 के आतंकी हमले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा कर दी गई थी निरस्त

कृषि वैज्ञानिक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह बने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के कुलपति पद पर छह साल से तैनात डॉ. बिजेन्द्र सिंह आखिरकार पद से हटा दिये गये। नए कुलपति के रूप में प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय पादप संसाधन ब्यूरो के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को नियुक्त किया गया है। राज्यपाल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इसका आदेश 10 फरवरी को जारी किया है। नए कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह शनिवार या फिर सोमवार को पदभार ग्रहण कर सकते हैं। मंडलायुक्त राजेश कुमार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय की जांच शुरू किए जाने के बाद से ही कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह की रवानगी तय हो गई थी। कई विवादों से घिरे रहने के कारण ही उन्हें दो कार्यकाल पूरा करने के बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रभारी कुलपति बना दिया गया था। तत्कालीन कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल द्वारा पारिवारिक परिस्थितियों के कारण इस्तीफा देने के बाद डॉ. बिजेन्द्र सिंह को अवध विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक कुलपति बनाया गया था। तबसे वह आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार देख रहे थे। माह जनवरी में हुईं शिकायतों व जांच शुरू होने के बाद कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने अवध विश्वविद्यालय में आवास के लिए तैयारी शुरू कर दी थी।

नरवणे की किताब पर जांच में शामिल होने के लिए पेंगुइन को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया को नोटिस जारी कर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। यह नोटिस ऐसे समय में जारी किया गया जब पुस्तक की स्थिति और अनधिकृत संस्करणों के कथित अवैध प्रसार के विरोध में दावे किए जा रहे हैं जिससे प्रकाशक, पूर्व सेना प्रमुख और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां एक व्यापक सार्वजनिक विवाद में शामिल हो गई हैं। पुलिस के अनुसार, विशेष प्रकोष्ठ ने नोटिस के माध्यम से प्रकाशक से औपचारिक रूप से संपर्क कर कई सवाल पूछे हैं।

निर्देश

गृह मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए

राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत के सभी छह छंद गाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि जब भी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' एक साथ गाए या बजाए जाएं तो बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए राष्ट्रगीत के सभी छह छंद पहले गाए जाएं। आदेश में मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए हैं।

जिसके तहत राष्ट्रपति के आगमन, तिरंगा फहराए जाने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के सभी छह छंद (कुल अवधि तीन मिनट 10 सेकंड) गाए जाएंगे। यह आदेश 28 जनवरी को जारी किया गया। आदेश में कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान गाए या बजाए जाएं, तो राष्ट्रगीत पहले गाया या बजाया जाएगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जहां राष्ट्रगीत गाया जाएगा, वहां उपस्थित सभी लोगों को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना होगा। इसमें कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण गाया या बजाया जाए, तो वहां मौजूद सभी लोगों को सावधान मुद्रा में खड़ा होना होगा लेकिन अगर किसी समाचार रील या वृत्तचित्र के दौरान राष्ट्रगीत फिल्म के हिस्से के रूप में बजाया जाए, तो दर्शकों से खड़े होने की अपेक्षा नहीं है क्योंकि इससे फिल्म दिखाने में रुकावट आएगी और सम्मान के बजाय अव्यवस्था एवं भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। मंत्रालय ने कहा कि विद्यालयों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से की जानी चाहिए। केंद्र सरकार 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

- जब भी राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान गाया या बजाया जाएं तो राष्ट्रगीत पहले हो

छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के निर्देश

आदेश के अनुसार, राष्ट्रध्वज फहराने, सांस्कृतिक एवं औपचारिक कार्यक्रमों (परेड को छोड़कर), तथा किसी सरकारी या सार्वजनिक समारोह में राष्ट्रपति के आगमन जैसे अवसरों पर राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण सामूहिक गायन के साथ गाया या बजाया जाएगा। राष्ट्रगीत ऐसे अवसरों पर भी गाया जा सकता है, जो भले ही पूरी तरह औपचारिक समारोह न हों, लेकिन मंत्रियों आदि की मौजूदगी के कारण महत्वपूर्ण हों। ऐसे मौकों पर (वाद्य यंत्रों के साथ या बिना) राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन वांछनीय है। यह भी कहा कि उन सभी अवसरों की पूरी सूची देना संभव नहीं है, जहां राष्ट्रगीत का गायन किया जा सकता है लेकिन यदि मातृभूमि को सम्मान देने और उचित मर्यादा बनाए रखने के साथ राष्ट्रगीत गाया जाता है, तो इस पर कोई आपत्ति नहीं है। आदेश में विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करें।

यूपी बजट 2026-27

दुग्ध विकास को बढ़ावा

- मथुरा में 30 हजार लीटर क्षमता की प्रस्तावित परियोजना को संशोधित कर 1 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता का नया डेयरी प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके लिए 23 करोड़ का प्रावधान है। 220 नई दुग्ध समितियों के गठन और 450 के पुनर्गठन के लिए 107 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

पशुधन संरक्षण

- प्रदेश के 7,497 गो-आश्रय स्थलों में 12 .38 लाख गोवंश संरक्षित हैं। छुट्टा गोवंश के रखरखाव के लिए 2,000 करोड़ तथा वृहद गो-संरक्षण केंद्रों के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं। पशु रोग नियंत्रण हेतु 253 करोड़ और पशु चिकित्सालय सुदृढ़ीकरण के लिए 155 करोड़ रखे गए हैं।

मत्स्य क्षेत्र में विस्तार

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 195 करोड़ (पुरुष घटक) और 115 करोड़ (महिला घटक) का प्रावधान है। एकीकृत एक्वा पार्क हेतु 190 करोड़ तथा अत्याधुनिक मत्स्य थोक बाजार व प्रसंस्करण केंद्र के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं।

खाद्य एवं रसद

- खाद्य एवं रसद विभाग की योजनाओं के लिए 20,124 करोड़ का प्रावधान है। अन्नपूर्ति योजना हेतु 15,480 करोड़, नि:शुल्क एलपीजी रिफिलिंग योजना के लिए 1,500 करोड़ और अन्नपूर्णा भवन निर्माण के लिए 500 करोड़ रखे गए हैं।

उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण

- उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए 2,832 करोड़ का प्रावधान है। राष्ट्रीय औद्यानिक मिशन के लिए 715 करोड़, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना हेतु 478 करोड़ और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2022 के क्रियान्वयन के लिए 300 करोड़ रखे गए हैं।

प्रमुख प्रावधान

2,400 करोड़ रुपये निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली के लिए

2,832 करोड़ रुपये उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण के लिए

100 करोड़ रुपये मत्स्य थोक बाजार/एक्वा पार्क/ प्रसंस्करण के लिए

2,000 छुट्टा गोवंश रखरखाव के लिए || **20,124** करोड़ रुपये खाद्य एवं रसद योजनाओं के लिए

किसानों पर मेहरबानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि कृषि, मत्स्य, उद्यान, दुग्ध विकास, खाद्य-रसद पर खास फोकस है।

बजट में कृषि योजनाओं के लिए 10,888 करोड़ रुपय का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20% अधिक है। सरकार ने 2026-27 में 753.55 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न और 48.18 लाख मीट्रिक टन तिलहन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए 637.84 करोड़ रुपये खर्च करने का एलान किया गया।

637.84 करोड़ रुपये कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए

डीजल पंप से सोलर की ओर

- किसानों के डीजल पंप सेट को सोलर पंप में बदलने के लिए 637 .84 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के लिए 298 करोड़ रखे गए हैं। निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 2,400 करोड़ प्रस्तावित हैं।

एग्री-एक्सपोर्ट और यूपी एग्रीज

- यूपी एग्रीज परियोजना के तहत एग्री-एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए 75 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड प्रस्तावित है। एक्वा कल्चर अवसंरचना के अंतर्गत विश्वस्तरीय हैचरी व प्रशिक्षण केंद्र के लिए 155 करोड़ की बाह्य सहायता परियोजना भी शामिल है।

51.82 लाख परिवारों को 100 दिन काम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : निवर्तमान योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने गांवों में जरूरतमंद श्रमिकों को रोजगार देने के साथ उनका शहर की तरफ पलायन रोका है। प्रतिवर्ष महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। लखनऊ की बात करें तो मनरेगा का दायरा छोटा है। फिर भी इस वर्ष 11 फरवरी तक 16 हजार परिवारों ने काम करके 6.15 लाख मानव दिवस सृजित किए हैं। 370 परिवार ने गारंटी के 100 दिन काम किए हैं।

वहीं, प्रदेश के आंकड़ों पर गौर करें तो वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11 फरवरी तक प्रदेश में 21 करोड़ 92 लाख 17 हजार मानव दिवस सृजित हुए हैं। इनमें 51.82 लाख परिवार ने काम किया है। 1,60,152 परिवार को लगातार 100 दिन तक काम मिला है। इसमें महिलाओं की 41.31 फीसद भागीदारी है। अभी फरवरी और मार्च तक रोजगार का आंकड़ा और बढ़ेगा। पिछले वर्ष 2024-25 में मार्च तक 33 करोड़ 63 लाख 89 हजार मानव दिवस सृजित हुए थे, जबकि 65.26 लाख परिवारों ने काम किया था। उस समय महिलाओं की 41.87 फीसद भागीदारी रही है। जबकि 100 दिन गारंटी के 65.26 लाख परिवार ने काम किया था। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना विकसित भारत - जी राम जी ने नाम से संचालित होकर श्रमिकों को और सशक्त बनाएगी। इसमें पहले से अधिक बजट और 125 दिन काम के साथ कई प्राविधान किए गए हैं।

41.36 फीसद महिला श्रमिकों की रही भागीदारी वित्तीय वर्ष में

21.92 लाख मानव दिवस हुए सृजित प्रदेश में 11 फरवरी तक

यूं बढ़ीं महिला श्रमिक

2021	2022	30 .96
2022	2023	31 .75
2023	2024	42 .46

- गांव में काम मांगने पर मिला है। भुगतान भी समय से खाते में आता है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भरोसा भी बढ़ा है। जी राम जी में अधिक फायदा है।

– **सुरेश चंद्र**, श्रमिक, टिकारी बीकेटी

- मनरेगा में काम मिलने पर गांव के बाहर नहीं गए। इसके साथ खेतीबाड़ी भी करते हैं। सही से भरण-पोषण हो जाता है। आगे और अधिक फायदे मिलेंगे।

– **प्रेमलाल**, श्रमिक, रामपुर देवरई बीकेटी

महिलाओं को सस्ती दर पर ऋण, आवास के साथ सामाजिक सुरक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में 11 प्रतिशत वृद्धि करते हुए कुल 18,620 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सरकार का लक्ष्य महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और वित्तीय भागीदारी को नई ऊंचाई देना है।

सरकार ने महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की है, ताकि वे स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी। बजट में सफाई कर्मियों और निर्माण श्रमिकों को आवास उपलब्ध कराने की पहल भी शामिल है। इससे शहरी क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिक महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास सुविधा मिलेगी। बजट 2026-27 में महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का विस्तार करते हुए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाने की स्पष्ट रणनीति पेश की है। यह बजट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा

- निराश्रित महिला पेंशन योजना के लिए 3,500 करोड़ का प्रावधान।
- 2016-17 में लाभार्थी : 17 .32 लाख
- 2025-26 में लाभार्थी : 38 .58 लाख से अधिक
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 400 करोड़ की व्यवस्था।
- कामकाजी महिलाओं के छात्रावास निर्माण हेतु 100 करोड़।
- मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास निर्माण योजना के लिए 35 करोड़।

बच्चों के संरक्षण और पोषण पर जोर

- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिए 252 करोड़।
- मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के तहत भवन निर्माण हेतु 80 करोड़।
- अनुपूरक पुष्टाहार कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1 .57 करोड़ लाभार्थियों को पोषण सहायता।

तकनीकी महाशक्ति की दिशा में कदम

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में उत्तर प्रदेश सरकार ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को विकास की नई धुरी बनाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इस सेक्टर के लिए 2,059 करोड़ का प्रावधान किया है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक है। बजट में एआई मिशन के लिए 225 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

30,000 करोड़ निवेश का लक्ष्य डाटा सेंटर में

30,000 करोड़ के अनुमानित निवेश से 8 डाटा सेंटर पार्क स्थापित करने और 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं, जिनमें 6 डाटा सेंटर पार्क और 2 डाटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इनसे लगभग 21,342 करोड़ का निवेश और 644 मेगावाट क्षमता अर्जित की जा चुकी है।

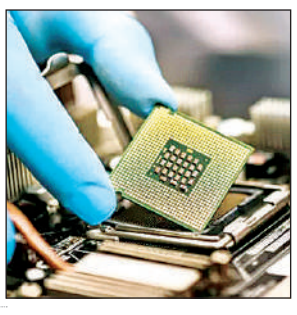

साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता

साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र की स्थापना को 95 .16 करोड़ का दिए गए हैं। पहले से संचालित 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंटेल, आईबीएम और वन एम वन बी जैसी कंपनियों के सहयोग से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों, चिकित्सकों और सरकारी कर्मियो को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अग्रणी

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में होता है। भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी यहीं स्थित हैं। प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़कर 44,744 करोड़ तक पहुंच गया है।

बढ़ेगी शिक्षा की गुणवत्ता

अमृत विचार, लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने शिक्षा को विकास की केंद्रीय धुरी बनाते हुए व्यापक प्रावधान किए हैं।

बेसिक से लेकर उच्च, प्राविधिक और कौशल विकास तक हर स्तर पर उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर प्रदेश को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। शिक्षा, कौशल और तकनीकी प्रशिक्षण पर अभूतपूर्व निवेश कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नया उत्तर प्रदेश ज्ञान, नवाचार और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के मजबूत आधार पर ही निर्मित होगा।

- **बजट 2026-27 में ज्ञान और कौशल पर सबसे बड़ा निवेश**

पढ़ाएंगे और बढ़ाएंगे

बेसिक शिक्षा

- बेसिक शिक्षा के लिए 77,622 करोड़ का प्रावधान किया गया है। कक्षा 1–8 के विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूनिफॉर्म, बैग, जूते, मोजे व स्टेशनरी हेतु 650 करोड़।
- 75 जनपदों में 2–2 मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय। आवासीय बालिका विद्यालय विस्तार के लिए 580 करोड़।
- कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा : 358 करोड़। स्मार्ट स्कूल योजना : 300 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के अनुरक्षण हेतु 300 करोड़।

उच्च शिक्षा

- उच्च शिक्षा के लिए 6,591 करोड़ (7% वृद्धि)।
- रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना : 400 करोड़
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन : 40 करोड़

नए विश्वविद्यालयों हेतु आवंटन

- मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर– 50 करोड़
- गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद– 50 करोड़
- मां पटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर– 50 करोड़
- स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय शाहजहांपुर– 21 करोड़
- काशी नरेश विवि भदोही – 21 करोड़
- मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण : 14 .5 करोड़।
- एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति :10 करोड़
- मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना : 30 करोड़

माध्यमिक शिक्षा

- माध्यमिक शिक्षा के लिए 22,167 करोड़ (15% वृद्धि)।
- राजकीय विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु 520 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 10 करोड़।
- संस्कृत पाठशालाओं की छात्रवृत्ति : 20 करोड़।
- ड्रीम स्किल लैब क्लस्टर : 150 करोड़।
- शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा : 89 .25 करोड़।
- छात्राओं हेतु नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन : 300 करोड़।
- गोरखपुर में दूसरे सैनिक स्कूल का संचालन आरंभ।

व्यावसायिक शिक्षा

- व्यावसायिक शिक्षा बजट में 88% वृद्धि, कुल 3,349 करोड़। शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 286 राजकीय आईटीआई 1 .90 लाख सीटें।
- 2,963 निजी आईटीआई 4 .58 लाख सीटें।
- 47 आईटीआई में महिला शाखाएं 12 महिला आईटीआई स्वतंत्र।
- टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 149 आईटीआई उन्नत 62 और प्रगति पर।
- कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण व्यय : 1,000 करोड़।
- दस्तकार प्रशिक्षण योजना : 836 करोड़
- प्रोजेक्ट प्रवीण : 500 करोड़।
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रशिक्षण : 20 करोड़

हरियाली पर जोर

सामाजिक वानिकी व रोपण

- सामाजिक वानिकी योजना : 800 करोड़
- पौधशाला प्रबंधन योजना : 220 करोड़
- राज्य प्रतिकारात्मक वन रोपण योजना : 189 करोड़

रानीपुर बांध फाउंडेशन

- रानीपुर बांध से जुड़े रानीपुर बांध फाउंडेशन, चित्रकूट के कॉर्पस फंड गठन के लिए 50 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

स्वच्छ वायु

- उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट (2025–26 से 2030–31) : 194 करोड़
- यह विश्व बैंक सहायतित बहु-क्षेत्रीय योजना है।

अपशिष्ट निस्तारण

- सामूहिक जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण सुविधा
- ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एवं उपचार सुविधा की स्थापना की कार्यवाही

प्राविधिक शिक्षा

- प्राविधिक शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 195 डिप्लोमा संस्थान संचालित
- 23 नए पॉलिटेक्निक निर्माणाधीन।
- उत्कृष्टता केंद्र व उन्नयन : 714 करोड़।
- स्मार्ट कक्षाएं (251 स्थापित, 143 प्रक्रियाधीन)।
- अवसंरचना विकास : 254 करोड़।
- नए पॉलिटेक्निक : 50 करोड़।

प्रतिक्रियाएं | विशेषज्ञ बोले- डिजिटल कक्षाएं, आवासीय व्यवस्था और कैशलेस चिकित्सा से प्राथमिक शिक्षा का होगा कायाकल्प

ज्ञान, विज्ञान और नवाचार को मिलेगी उड़ान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के बजट में पिछले वर्षो की तुलना में बढोत्तरी की गई है, जिसका शिक्षाविदों और अर्थशास्त्र के जानकारों ने स्वागत किया है। बजट में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस किया गया है।

बजट प्रस्तावों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा के ढांचे में व्यापक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी के साथ प्राविधिक और औद्योगिक शिक्षा में सरकार के नए प्रयोग, नवाचार और इंडिया एआई मिशन युवाओं को समर्पित है।

अर्थव्यवस्था को गति देगा यह बजट

- बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को गति को देने वाला विकासोन्मुखी बजट है। युवाओं के कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण योजनाओं, एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उनकी सामाजिक आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी, जिससे निसंदेह कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। साथ ही कार्यरत महिलाओं के लिए हॉस्टल सुविधाएं महिला सुरक्षा की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम हैं। पूंजीगत व्यय में वृद्धि से निवेश बढ़ेगा, जो रोजगार सृजन में सहायक होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति की नई योजना एक अच्छी पहल है जिससे ड्राप आउट रेट भी कम होगा।

–**प्रो. पूनम वर्मा**, अर्थशास्त्र विभाग, नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय

'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव

- बजट केवल व्यय का ब्योरा मात्र नहीं है, बल्कि 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक 'मैक्रो-इकोनॉमिक रोडमैप' है। यह बजट स्पष्ट रूप से 'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव दर्शाता है, जहां सरकार का प्राथमिक दर्शन 'इंफ्रास्ट्रक्चर से एम्प्लॉयमेंट' के बहुआयामी प्रभाव पर आधारित है। पूंजीगत व्यय और ढांचागत प्रोत्साहन बजट का लगभग 19 .5% हिस्सा आवंटित करना एक साहसिक आर्थिक निर्णय है। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयों में 55% की राष्ट्रीय हिस्सेदारी एक रणनीतिक कदम है। बजट में कौशल विकास के लिए पीपीपी मॉडल का प्रस्ताव 'ह्यूमन कैपिटल फॉर्मेशन' की आवश्यकता को रेखांकित करता है। औद्योगिक इकाइयों में महिलाओं की भागीदारी प्रगतिशील पहल है।

–**डॉ. अनामिका चौधरी**, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

संतुलित और स्वागत योग्य बजट

- प्रस्तुत बजट आम लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप है। शिक्षा के प्रत्येक मद में वृद्धि की गई है। इससे उत्तरप्रदेश का युवा अधिक ज्ञान और कौशल सम्पन्न होगा जिससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ वह सम्मन्न भी होगा। महिलाओं के कौशल विकास केंद्रों को विकसित करना आगामी चुनाव को देखते हुए घोषणा है। यह बजट सभी क्षेत्र की जरुरतों को पूरा करने वाला संतुलित बजट है।

–**डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी**, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

विकसित उत्तर प्रदेश का बजट है यह

- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में यह लगभग 12 .9 प्रतिशत अधिक है। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए 'विकसित उत्तर प्रदेश' पर फोकस करता है। बजट में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सीएम युवा उद्यमी योजना हेतु 1000 करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित की गई है। साथ ही 40 लाख युवाओं को टैबलेट बांटने का भी प्रावधान है। जिसके लिए 575 करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं। रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओडीओसी (एक जिला एक व्यंजन) योजना लागू की गई है। राजकोषीय-जीएसडीपी अनुपात को अनुकूलतम 3 प्रतिशत पर रखा गया है।

–**प्रो. भारती पाण्डेय**, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, श्रीजयनारायण पीजी कॉलेज

धुआं न शोर, इको फ्रेंडली ई-बसें बढ़ाने पर जोर

पर्यावरण की 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी, बस स्टेशनों पर बनेंगे चार्जिंग प्वाइंट

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: न धुआं होगा और न ही शोर, इको फ्रेंडली ई-बसों के बढ़ाने पर इस बार सरकार का जोर। प्रदेश सरकार ने प्रदूषण पर गंभीर पहल करते हुए पर्यावरण के 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार को और बढ़ाने का अपना विजन साफ कर दिया है। बजट में तात्कालिक लाभ से इतर दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम को 550 करोड़ का बजट आवंटित कर दिया है। इससे न केवल इलेक्ट्रिक बसों का कुनबा बढ़ेगा, बल्कि उनके करंट का भी ठोस इंतजाम करने पर अपनी मुहर लगा दी है। ई-बसों और ई-वाहनों को भविष्य मानते हुए सरकार न केवल गाड़ी के पंजीकरण में छूट बल्कि क्रय सब्सिडी तक में रियायत दे रही है। इसकी समय सीमा तक बढ़ा दी गई है। और तो और प्रदेश में ई-वाहनों की निर्माता कंपनियों के लिए भी विशेष तरह के छूट के पैकेज जारी किए जा चुके हैं।

400 करोड़ से खरीदी जाएंगी ई-बस

परिवहन निगम के बेड़े के सुदृढ़ीकरण के लिए बजट में 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इस आवंटित धनराशि से इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। इसका प्रयोग अन्यत्र नहीं किया जा सकेगा। सिर्फ ई-बसें की कुनबे में शामिल की जाएंगी।

रोडवेज बेड़े में अभी 220 ई-बसें

परिवहन निगम के पास अब तक 220 ई-बसें आ गई हैं। यह बसें करीब 9 स्थानों पर चल रही हैं। इनमें प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, बाराबंकी, गोरखपुर, आगरा, मुरादाबाद, साहिबाबाद, नोएडा आदि शहरों में चल रही हैं। नई मिली धनराशि से ई-बसों की फ्लीट मजबूत और बड़ी होगी।

बस स्टेशनों पर 150 करोड़ से बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

बजटीय प्रावधान में इन बसों के ईंधन यानी ई-करंट की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। बस स्टेशन निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इनसे रोडवेज प्रबंधन बस अड्डों पर ई-चार्जिंग स्टेशन की स्थापना करेगा। यही नहीं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें से 50 करोड़ का आवंटन जीरो फैटलिटी के लिए उपलब्ध कराया गया है। "मुख्यमंत्री सड़क सुरक्षा विजन योजना" के अंतर्गत दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटना के पश्चात त्वरित कार्रवाई के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रदेश बजट में परिवहन विभाग के प्रावधानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार जताया है।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

बजट में नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने, बस अड्डों के निर्माण एवं चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिए दिए गए 600 करोड़ के लिए संगठन राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता है। इलेक्ट्रिक बसें बढ़ने से परिवहन निगम की रफ्तार और तेज होगी। संगठन का कहना है कि परिवहन निगम में दशकों से कार्यरत संविदा चालकों-परिचालकों व आउटसोर्स कर्मियों के चरणबद्ध नियमितीकरण पर भी निर्णय कराने की कृपा करें। **-गिरीश चंद्र मिश्र, महामंत्री रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, उप्र.**

हर मंडल में खेल महाविद्यालय 2032-36 ओलंपिक लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ग्रीनपार्क का पुनर्विकास, मेरठ खेल विश्वविद्यालय को 170 करोड़**
- **403 विधानसभा व 80 संसदीय क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिता के लिए 20 करोड़**

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदेश के खेल ढांचे को नई दिशा देने की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रत्येक मंडल में एक खेल महाविद्यालय स्थापित कर उसे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि वर्ष 2032 और 2036 ओलंपिक को लक्ष्य बनाकर खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। इसके लिए प्रारंभिक तौर पर 80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रति विधानसभा 3 लाख रुपये और 80 संसदीय क्षेत्रों में प्रति क्षेत्र 10 लाख रुपये की दर से सांसद/विधायक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय, मेरठ के नवीन भवन निर्माण एवं विकास कार्य के लिए 80 करोड़ रुपये, पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए 30 करोड़ रुपये तथा शैक्षणिक व खेल गतिविधियों के संचालन के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार कुल 170 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान नई मांग के माध्यम से किया जा रहा है।

कानपुर स्थित ग्रीनपार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के उच्चीकरण और आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है, जिससे स्टेडियम का पुनर्विकास कर उसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराएं और उत्तर प्रदेश खेल प्रतिभा का नया केंद्र बने। वर्तमान में गोरखपुर में वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज हैं।

श्रमिकों की उन्नति पर जोर, रोजगार मिशन के लिए 200 करोड़ का प्रावधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने श्रमिकों और असंगठित कामगारों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के श्रमिकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

बजट 2026-27 में रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से श्रमिक परिवारों को सशक्त बनाने का स्पष्ट रोडमैप दिखाई देता है, जो प्रदेश में श्रम आधारित विकास मॉडल को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक कदम है। सरकार ने घर से दूर शहरों में कार्यरत मजदूरों के लिए लेबर अड्डों के निर्माण की घोषणा की है, ताकि उन्हें सुरक्षित, संगठित और सुविधायुक्त कार्यस्थल मिल सके। इसे प्रवासी श्रमिकों

70 करोड़ रुपये अटल आवासीय विद्यालयों में श्रमिकों के बच्चों के लिए

8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी, लेबर अड्डों का निर्माण

के श्रम प्रबंधन और सुविधा विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य से सशक्तिकरण

श्रमिक परिवारों के सामाजिक उत्थान के लिए अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में इन विद्यालयों में 10,876 श्रमिक बच्चों का नामांकन है। इस योजना के लिए 70 करोड़ की व्यवस्था की गई है। निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए पहली बार मोबाइल हेल्थ वैन पायलट परियोजना के रूप में संचालित की गई है। एक्स-ग्रेशिया अनुदान के तहत पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख तथा आंशिक दिव्यांगता पर 1 लाख की सहायता का प्रावधान जारी रखा गया है।

8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी

वित्त मंत्री ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 8.41 करोड़ कामगारों को फैमिली आईडी से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डिजिटल पहचान के माध्यम से श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड से आधी आबादी को संबल

स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा और दिव्यांगजन कल्याण के साथ विकास का व्यापक खाका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट 2026-27 की प्रमुख उपलब्धियां बताते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और दिव्यांगजन कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से महिलाओं को ब्याज-मुक्त पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे छोटे उद्यम शुरू कर सकें। इसके साथ ही महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना लागू की जाएगी, जो केंद्रीय स्तर की सी-मार्ट अवधारणा की तर्ज पर कार्य करेगी। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है। प्रत्येक जिले में श्रमजीवी महिला छात्रावास के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है, जिससे कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास मिल सके।

दिव्यांग छात्राओं के लिए ई-ट्राइसाइकिल, डीडीआरसी केंद्र, कृत्रिम अंग वितरण केंद्र तथा 3-7 वर्ष के दिव्यांग बच्चों के लिए डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, झांसी, मेरठ और आगरा में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित होंगे।

पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष

प्रदेश में 2024-25 में 122 करोड़ पर्यटकों के आगमन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष और 50,000 होम-स्टे विकसित करने की घोषणा की। महिला गाइडों के लिए लाइसेंस शुल्क माफ किया जाएगा।

एसपीजीआई में खुलेगा देश का पहला क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे, अब 81 मेडिकल कॉलेज और 2 एम्स संचालित हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5.46 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। एसपीजीआई में देश का पहला क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए प्रथम चरण में 250 करोड़ का प्रावधान है। यह विशेष रूप से अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम होगा। मेडिकल कॉलेजों में छात्रावास निर्माण, सड़क सुरक्षा और ट्रॉमा सेंटर सुदृढ़ीकरण के लिए भी बजट में व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडटेक (मेडिकल टेक्नोलॉजी) के अंतर्गत एआई और रोबोटिक तकनीक को जोड़ा जाएगा। वर्तमान में दो उत्कृष्टता केंद्र एक एसजीपीजीआई और दूसरा आईआईटी कानपुर के सहयोग से संचालित को भी बजट में समर्थन दिया गया है।

युवाओं और खेल के लिए ऐतिहासिक पहल

"वन डिस्ट्रिक्ट, वन कमिश्नरी, वन डिविजनल मुख्यालय, वन स्पोर्ट्स कॉलेज" की परिकल्पना के तहत 18 मंडल मुख्यालयों पर स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्पोर्ट्स कालेज मेरठ अप्रैल-मई तक पूर्ण रूप से संचालित होगी। इन कॉलेजों को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक की तैयारी के दृष्टिकोण से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम, मिनी स्टेडियम और खेल मैदान विकसित किए जाएंगे।

दोगुनी आय और घटती बेरोजगारी का किया दावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

वित्त मंत्री का बजट भाषण

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सर्वांगीण विकास को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से लेकर अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली और गरीबी उन्मूलन तक व्यापक बदलाव दर्ज किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है। वर्ष 2024-2025 (त्वरित अनुमान) में राज्य की जीएसडीपी 30.25 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,09,844 रुपये आंकी गई है, जो वर्ष 2016-2017 की 54,564 रुपये प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले दोगुने से अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2025-2026 में प्रति व्यक्ति आय 1,20,000 रुपये होने का अनुमान है। सरकार ने लगभग छह करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है, जबकि बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने दावा किया कि आर्थिक वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार और निवेश-आधारित विकास मॉडल के चलते उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

निवेश, निर्यात और नवाचार

अमृत विचार, लखनऊ: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग वर्ष 2018-2019 में 29वें स्थान पर थी, जो बेहतर होकर वर्ष 2023-2024 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट ने निवेश के नए कीर्तिमान स्थापित किए। अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से करीब 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के चार ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह संपन्न हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश में निर्मित होता है। साथ ही, भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी प्रदेश में स्थित हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि उद्योग और तकनीक में निवेश के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप रैंकिंग में "लीडर श्रेणी" का दर्जा प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि निवेश, विनिर्माण और नवाचार के इस त्रिकोणीय मॉडल ने प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में खड़ा कर दिया है।

भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट है। भाजपा जनता से किये वादों को भूल गयी। भाजपा जनता की भावनाओं से खेलती है। बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं के लिए कुछ नहीं है। बजट का आकार बड़ा है, मगर न तो मंहगाई कम हुई और न ही बेरोजगारी खत्म हुई। सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग अयोग्य है, सरकार बजट खर्च नहीं कर पाती है। अभी तक पिछले बजट का 50 फीसदी भी नहीं खर्च कर पाई है। सरकार वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना दिखाती है। उन्होंने कहा कि ट्रिलियन डालर इकोनामी के लिए जीएसडीपी 90 लाख करोड़ की होनी चाहिए और ग्रोथ रेट 30 फीसदी होनी चाहिए। जब आखिरी बजट पेश कर दिया तो 90 लाख करोड़ की जीएसटडीपी कहां से बनाएंगे।

बजट का आकार और तुलना

- **कुल बजट : 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख रुपये**
- **कुल प्राप्तियां: 8.48 लाख करोड़**
- **राजस्व प्राप्तियां: 7.29 लाख करोड़**
- **कुल व्यय: 9.13 लाख करोड़**
- **राजस्व व्यय: 6.64 लाख करोड़**
- **पूंजीगत व्यय: 2.48 लाख करोड़**

नई योजनाओं की भरमार

- **सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन**
- **बायोप्लास्टिक औद्योगिक नीति-2024**
- **वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति**
- **मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना**
- **महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना**
- **पशुधन बीमा एवं जोखिम प्रबंधन योजना**
- **सहकारी चीनी मिलों का आधुनिकीकरण**
- **ड्रीम स्किल लैब**
- **नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय**
- **छात्राओं के लिए प्रत्येक जनपद में छात्रावास**
- **टेक युवा-समर्थ युवा योजना**
- **चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पीपीपी मोड)**
- **ट्रॉमा सेंटर लेवल-2**
- **चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास**
- **उत्तर प्रदेश एआई मिशन**
- **स्टेट डेटा सेंटर**
- **डेटा सेंटर क्लस्टर**
- **यू-हब की स्थापना**
- **'ग्रीन' और 'पिंक' बजट पर फोकस**

बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश के 2026-27 के बजट प्रावधानों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित बजट है। जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। इसमें नारीशक्ति, किसानों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों का खयाल रखा गया है। उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आवंटित बजट का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाये गये हैं। युवाओं को रोजगार देने, किसानों व आम जनता की खुशहाली के लिये संतुलित बजट है। बजट में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के लिए 25,550 करोड़ रुपये, इनमें मनरेगा तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए क्रमशः 5,544 करोड़ रुपये एवं 4580 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

विशेष टिप्पणी | लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज अग्रवाल ने बजट को बताया संतुलित

प्रदेश के समग्र विकास का प्रगतिगामी बजट

यह बजट चुनावी बजट होते हुए भी प्रगति का बजट है और दीर्घकालीन रणनीति वाला बजट है। सबसे बड़ी बात की इसमें संतुलन रखा गया है। बजट घाटे को सीमित दायरे में रखा गया है, 2.98 प्रतिशत जो 3 प्रतिशत से नीचे है। इसके अलावा राजस्व व्यय को सीमित रखते हुए राजस्व आय बढ़ाने के उपाय किए गए हैं। जिसके कारण हमारा पूंजीगत परिव्यय राज्य आय का 4.5 प्रतिशत हो गया है। यह आज से 9 साल पहले 3 प्रतिशत से काफी कम था। इसका लाभ यह हो रहा है कि जब विधि व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, डिजिटल चीजें अच्छी होने के साथ गर्वनेंस में सुधार हुआ है। इसके अलावा इज ऑफ डूइंग बिजनेस अच्छा हुआ है। सरकारी निवेश और आधारभूत संरचना बढ़ने से विदेशी निवेश के साथ घरेलू निवेश तेजी से बढ़ा है। जो इंवेस्टर समिट में दिखाई भी दिया।

प्रो. मनोज अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

दूसरा, यह बजट युवाओं की संभावना वाला और महिलाओं के विकास वाला है। व्यावसायिक शिक्षा और तकनीकी शिक्षा का बजट काफी बढ़ाया गया है, इसी के साथ आईटी सेक्टर और इलेक्ट्रानिक का बजट बढ़ाया गया है। दोनों का तालमेल करके लैब बनाया जाना है, एआई का लैब, डेटा सेंटर के लिए 30 हजार करोड़ के 6 प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। यह सारी चीजें उत्तर प्रदेश को काफी आगे ले जाएंगी। कृषि में 20 प्रतिशत, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण पर 30 प्रतिशत बजट बढ़ा है, इसी प्रकार पंचायती राज में बहुत ज्यादा बजट बढ़ाया गया है। खेती को आधुनिक करने के लिए डीजल पम्पिंग सेट की जगह सोलर पम्पिंग सेट को बढ़ावा देना, सड़क बनाना, पुलिया आदि के अवस्थापना के लिए पर्याप्त बजट है। केंद्र सरकार के साथ यूरोपियन यूनियन और अमेरिका से जो प्रस्ताव पास हुआ है। जिससे हमारा टैक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री मित्र टैक्सटाइल पार्क योजना के तहत पार्क बनेगा। जिसका लाभ उठाते हुए हथकरघा और वस्त्र उद्योग का बजट 5 गुना कर दिया गया है, जिससे टैक्सटाइल सेक्टर में हमारा निर्यात बढ़ सके। इसी तरह एमएसएमई सेक्टर, अवस्थापना, उद्योग जगत का बजट भी बढ़ाया गया है। माइक्रो यूनिट में एक लाख लोगों को गारंटीमुक्त व ब्याज मुक्त ऋण देने की बात है, जिससे वह अपना व्यवसाय लगा सकें। युवाओं के प्रशिक्षण पर, मेडिकल एजुकेशन पर या मेडिकल सीट में जो बढ़ोत्तरी हुई है। उससे युवाओं के कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उनके रोजगार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही है। यह सारी चीजें प्रगतिगामी हैं।

● अमृत विचार

विभागीय आवंटन में प्राथमिकताएं

सबसे अधिक आवंटन प्राथमिक शिक्षा (80,997 करोड़), ऊर्जा (65,926 करोड़), गृह (44,145 करोड़) और लोक निर्माण विभाग (33,740 करोड़) को मिला है।

बुनियादी ढांचा और निवेश

- सात संचालित एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट शीघ्र शुरू
- 16,000 स्टार्टअप, 8 यूनिकॉर्न
- 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव

पर्यटन और धार्मिक अर्थव्यवस्था

- महाकुंभ 2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु
- 234 गांव पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित
- लखनऊ 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी'

न्यूज ब्रीफ

किशोरी ने निगला जहरीला पदार्थ, गंभीर

बीकापुर, अयोध्या : कोतवाली क्षेत्र के ढेसरा निवासी अंजली (17) पुत्री राम बहादुर ने मंगलवार शाम अज्ञात कारण से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया गया। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर ले गए। जहां डॉ. धर्मेंद्र रंजन ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अस्पताल में पूछताछ की गई। कारण पता नहीं चल सका।

विक्रमादित्य वार्ड में कल भ्रमण करेगी नगर की सरकार

अयोध्या, अमृत विचार : विक्रमादित्य वार्ड में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार नगर निगम की टीम के साथ 13 फरवरी शुक्रवार भ्रमण कर सफाई, पेयजल, पार्क, नालियों एवं गलियों की स्थिति देखेंगे। इस दौरान जनसुनवाई कर समस्याओं का समाधान भी कराएंगे।

कूड़ा कलेक्शन में लापरवाही पर चेतावनी

अयोध्या कार्यालय : नगर निगम ने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन से जुड़ी कंपनियों की लापरवाही पर मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने कंपनी के प्रतिनिधियों को तलब कर 10 दिन के अंदर सुधार न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। ननि ने शहर को तीन जोन में विभाजित कर कूड़ा कलेक्शन के ठेके पृथ्वी, ग्रीनटेक और ओम स्वच्छता को दे रखे हैं। उन्होंने ठेकेदारों को निर्देश दिया है कि वे रोज समय-बद्ध रूप से घर-घर कूड़ा उठाएं और कार्य में 10 दिनों के अंदर सुधार करें।

मेडिकल कॉलेज परिसर में स्ट्रेचर से गिरा गंभीर मरीज, गयी जान

सीटी स्कैन कराने के लिए ले जाया जा रहा था, दो वार्ड बॉय पर कार्रवाई की चर्चा

- परिजनों की ओर से शिकायत न दिए जाने के बाद मामले को दबाने का प्रयास

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज परिसर में एक गंभीर मरीज की स्ट्रेचर से गिरने के बाद मौत हो गई। मरीज को एक्स-रे कराने के बाद सीटी स्कैन के लिए ले जाया जा रहा था। मरीज अचानक छटपटाया और सिर में पहले से लगी गहरी चोट के कारण असंतुलित होकर बरगद के पेड़ के पास गिर पड़ा। ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामला रविवार सुबह 11:30 बजे का बताया जा रहा है। दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में एक मरीज को गंभीर हालत में लाया गया था। सूत्रों की मानें तो उसके दोनों पैरों की हड्डी टूटी थी, सिर पर भी गहरी चोट लगी हुई थी। एक्स-रे कराने के बाद उसे सीटी स्कैन कराने के लिए वार्ड बॉय लेकर जा रहा था। बरगद के पेड़ के निकट मरीज को अचानक झटके लगे। इसी दौरान वह स्ट्रेचर से गिर पड़ा। इसके बाद परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। किसी तरह की कोई शिकायत न किए जाने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन भी आश्वस्त बैठ गया, लेकिन बुधवार को वार्ड बॉय पर की गई कार्रवाई के बाद यह मामला उछल गया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद सिंह ने कहा कि मुझे इस घटना की कोई जानकारी नहीं है। न ही किसी पर कोई कार्रवाई की गई है। इसी तरह मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अरविंद कुमार और कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रतिभा गुप्ता ने भी यही जवाब दिया कि उन्हें ऐसी किसी घटना की सूचना नहीं मिली है और न ही कोई शिकायत दर्ज हुई है।

हालांकि, सूत्रों की मानें तो घटना के बाद प्रशासन ने चुपके से कार्रवाई की है। दो वार्ड बॉय को उनके पद से हटाकर इधर-उधर स्थानांतरित कर दिया गया है। चर्चा यह भी है कि उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई है, लेकिन इस संबंध में वार्ड बॉय की जिम्मेदारी देख रहे अमन यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसी तो कोई घटना मेरी जानकारी में नहीं है।

वृद्धा की मौत मामले में सीएमओ ने सीएमएस से मांगी जांच आख्या

जांच कमेटी गठित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : मेडिकल वार्ड में इलाज के दौरान वृद्धा की मौत के मामले की सूचना मिलते ही सीएमओ डॉ.देवेंद्र कुमार भिटौरिया बुधवार को जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह से वार्ता की और जांच आख्या भी भिजवाने की बात कही। गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के तिरुखा बुजुर्ग निवासी कौशल्या सिंह (60 वर्ष) की मंगलवार को मौत के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश सिंह ने वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. मो. अकरम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। टीम में वरिष्ठ आर्थो सर्जन डॉ. आशीष श्रीवास्तव और वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. शिशिर श्रीवास्तव सदस्य हैं। टीम को तीन दिन के अंदर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें मौत के कारणों, इलाज प्रक्रिया और संभावित लापरवाही की जांच की जाएगी। वहीं बुधवार को सीएमओ डॉ. देवेंद्र भिटौरिया स्वयं जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले इमरजेंसी ओपीडी का निरीक्षण किया, फिर सीएमएस कार्यालय में डॉ. राजेश सिंह से विस्तृत चर्चा की। सूत्रों के अनुसार सीएमओ की मौजूदगी में घटना के समय ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को बुलाया गया और उनसे पूछताछ की गई। दोपहर करीब तीन बजे सीएमओ अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने निरीक्षण के बाद जांच आख्या शीघ्र भिजवाने की बात कही और लौट गए। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि सीएमओ ने केवल निरीक्षण किया है और जांच प्रक्रिया जारी है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या मंडल में 2.81 लाख बेरोजगारों को नौकरी की तलाश

81261 इंटर व 67127 स्नातक करने वाले भी खोज रहे नौकरी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रोजगार सृजन के तमाम अवसरों के बाद अयोध्या मंडल में अभी रोजगार ने रफ्तार नहीं पकड़ी है। पांच वर्षों में बेरोजगारों की संख्या में केवल 10 फिसदी कमी आई है। हालांकि रोजगार सृजन के लिए निरंतर रोजगार मेले लग रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी अयोध्या मंडल में वर्तमान 2024 - 25 में करीब 2.81 लाख बेरोजगार चिह्नित किए गए हैं। गंभीर बात यह है कि बेरोजगारों में प्रोफेशनल भी शामिल हैं जो लाखों खर्च करने के बाद भी अभी अपने पैरों पर नहीं खड़े हो सके हैं। हाल ही में सेवा योजन विभाग के सर्वे के अनुसार बीटेक, बीसीए और एमबीए जैसी प्रोफेशनल डिग्री हासिल करने वाले हजारों युवा भी बेरोजगारों की कतार में खड़े हैं। उदाहरण के तौर पर बीटेक करने के बाद 7455 युवाओं की नौकरी की तलाश पूरी नहीं हो सकी है जबकि 3087 एमसीए, 1359 बीसीए और 1354 बीबीए/एमबीए बेरोजगार हैं। 1185 बीफार्मा, 9027 डिप्लोमा, 10251 आईटीआई, 736 एमएड, 10339 बीएड/बीटीसी (डीएलएड) बेरोजगार भी भटक रहे हैं। प्रतियोगी छात्रों के शहर में बीटेक, एमबीए और एमसीए जैसी प्रोफेशनल डिग्री रखने वाले हजारों बेरोजगारों को नौकरी की तलाश है।

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के पोर्टल पर वर्तमान में अम्बेडकरनगर , सुल्तानपुर , बाराबंकी और अयोध्या के 281475 बेरोजगार पंजीकृत हैं। हालाँकि इनमें अभी अमेठी नहीं जुड़ा है। वहां का संचालन वर्तमान में सुल्तानपुर सेवा योजन कार्यालय से ही हो रहा है। इनमें से एक तिहाई से अधिक 218997 (77.80 प्रतिशत) पुरुष, जबकि 62478 (22.20 फीसदी) महिलाएं हैं। पंजीकरण कराने वालों में सबसे अधिक 81261 बेरोजगारों ने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की है। उसके बाद 67127 स्नातक हैं, जबकि 54615 सिर्फ हाईस्कूल पास हैं। 13904 अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने हाईस्कूल से भी कम पढ़ाई की है। परास्नातक के बाद एक अदद नौकरी की तलाश करने वाले बेरोजगारों की संख्या 19775 है। अधिकारी कहते हैं गत वर्ष 2023-24 में संख्या तीन लाख से अधिक थी जो घट कर 2.81 लाख है। इसमें निरन्तर कमी आ रही है।

तीन दिनी मेले में आएंगी 50 से अधिक कंपनियां

युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के असर उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में 8 से 10 मार्च तक वृहद मेला लगाया जाएगा। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में सहायक निदेशक सेवायोजन राजीव कुमार यादव ने बताया कि आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सिर्फ महिला अभ्यर्थियों के लिए मेला लगाया जाएगा, जबकि नौ व दस मार्च को सभी बेरोजगार मेले में शामिल हो सकेंगे। कार्यालय के वरिष्ठ सहायक एवं मेला पटल प्रभारी मारूफ अहमद के अनुसार विभिन्न क्षेत्र की प्रतिदिन 20-20 कंपनियां मेले में आएंगी। इसकी सूचना पंजीकृत बेरोजगारों के मोबाइल पर भी भेजी जाएगी।

हैलीपैड के लिए जमीन तलाशने में जुटा तहसील प्रशासन

सोहावल, अयोध्या अमृत विचार: तहसील स्तर पर हैलीपैड बनाने की सरकार की योजना है। इसके लिए तहसील क्षेत्र में 60 गुणा 60 मीटर की जमीन की तलाश शुरु की गई है। चौधरी चरण सिंह पंप कैनाल से लेकर नगर पंचायत क्षेत्र के रमणक स्थल पंडितपुर तक जमीन खोजी जा रही है। तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सरकार की तहसील स्तर पर तहसील व ब्लॉक के आसपास एक हैलीपैड बनाने के लिए जमीन तलाशने और चिंहित किए जाने का निर्देश मिला है।इसके लिए राजस्व निरीक्षक, लेखपालों को निर्देश दिया गया है। जल्द ही जमीन चिंहित कर हैलीपैड बनाने के लिए कागजी कार्रवाई कर सौंप दी जाएगी।

अवध विवि में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो अनूप कुमार। अमृत विचार

रोजगार परक शिक्षा से भारत होगा आत्मनिर्भर

अयोध्या, अमृत विचार : अवध विवि के अमर शहीद संत कंवर राम साहब सिंधी अध्ययन केंद्र में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत कार्यशाला आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. अनूप कुमार ने कहा रोजगार परक शिक्षा से भारत आत्मनिर्भर होगा। मुख्य अतिथि प्रो. फर्रुख जमाल ने कहा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बढ़ावा देने को नई शिक्षा नीति में प्रावधान किया गया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा स्किल होना समय की मांग है। कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. संजय पाठक ने कहा कि डिजाइनिंग, कुकिंग के क्षेत्र में असीमित रोजगार के अवसर हैं। प्रशिक्षक सुखराम साधवानी ने कहा कि 11 से 17 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दो दिन से डाकघर में नेटवर्क की समस्या, बढ़ी परेशानी

गोसाईगंज, अयोध्या अमृत विचार: उप डाकघर गोसाईगंज में दो दिनों से इंटरनेट सेवा बाधित है। डाकघर से जुड़े लगभग सभी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। भुगतान जमा-निकासी, आवर्ती जमा खाते, स्पीड पोस्ट, किसान विकास पत्र और राष्ट्रीय बचत पत्र सहित अन्य सेवाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। उपभोक्ता सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 19 फरवरी को है। शादी की तैयारी के लिए पैसे निकालने गए थे, लेकिन नेटवर्क न होने के कारण भुगतान नहीं हो सका। राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि खातों के समापन (क्लोजिंग) का समय चल रहा है, ऐसे में सर्वर समस्या के कारण समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। इससे व्यापारिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। पोस्टमास्टर महेश कुमार ने बताया कि बीएसएनएल के नेटवर्क में खराबी के कारण इंटरनेट सेवा प्रभावित हो रही है। डाकघर में नेटवर्क की समस्या आने से लोगों को काफी कठिनाइयों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। शिकायत विभागीय अधिकारियों से की गई है। जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन मिला है।

सहादतगंज स्थित त्रिपाठी होटल के बाहर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र सिंह व टीम के सदस्य।

आठ बड़े बकायदारों से वसूले 11 लाख, छह को चेतावनी

अयोध्या कार्यालय : नगर निगम के गृहकर एवं जलकर वसूली अभियान के तहत बुधवार को आठ बड़े बकाएदारों से 11 लाख रुपये की वसूली की गई। अपर आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, कर निर्धारण अधिकारी विनय प्रताप सिंह, कर अधीक्षक जयप्रकाश व कर्मियों की टीम ने कौशलपुरी स्थित अवध होटल से एक लाख रुपये, त्रिपाठी होटल सहादतगंज से दो लाख रुपये, आजाद प्रकाशन से 3.28 लाख रुपये, मेगा शॉप से एक लाख, ट्रिपल लाइन होटल से 1.26 लाख रुपये, जयप्रकाश नारायण वार्ड के गोपाल रस्तोगी से एक लाख रुपये, भूपेंद्र कुमार से 67047 रुपये, सेठ लड्डू लाल से 62700 रुपये की वसूली कर मौके पर ही रसीद सौंपी। इसमें गोपाल रस्तोगी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो रोक दी गई। उन्होंने बताया कि एमएस फर्नीचर, मंत्रा होटल, पुष्पक इन होटल समेत छह बड़े बकायेदारों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान करने की चेतावनी दी गई है।

पूर्व सैनिकों को सम्मानित करते अतिथि भगवान बक्स सिंह। अमृत विचार

सैनिक देश के कर्णधार: सिंह

पूराबाजार, अयोध्या, अमृत विचार : दलपतपुर गांव में शिव मूरत सिंह व मोहम्मद मुनीर के तत्वावधान में पूर्व सैनिकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवान बक्स सिंह ने कहा कि सैनिक देश के कर्णधार हैं। विशिष्ट अतिथि व पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक सिंह ने कहा कि पूर्व सैनिकों को समाज में और अधिक महत्व देने की आवश्यकता है जिससे हमारे युवा उससे प्रेरित होकर सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर माता-पिता सहित गांव का नाम रोशन करें। पूर्व ब्लॉक प्रमुख, पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख जगदीश सिंह ने पूर्व सैनिकों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के साथ-साथ काफी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजक शिव मूरत सिंह व मोहम्मद मुनीर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डीएम ने किया तहसील का निरीक्षण

सोहावल, अयोध्या

अमृत विचार: जिलाधिकारी टीकाराम फुण्डे ने बुधवार को सोहावल तहसील और ब्लॉक मुख्यालय का निरीक्षण किया। एसडीएम, नायब तहसीलदार, तहसीलदार कोर्ट के पटलों का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं का जायजा लिया।कार्यालय परिसर की साफ-सफाई,फरियादियों के बैठने की व्यवस्था,पेयजल, शौचालय एवं वाहन पार्किंग की सुविधाओं को भी देखा। अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव पर विशेष जोर देने का निर्देश दिया। कहा कि सभी दस्तावेज क्रमवार सुरक्षित रखे जाएं। फाइलों का संरक्षण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। एसडीएम ने खराब फर्नीचर या नया फर्नीचर की व्यवस्था और परिसर में शौचालय के लिए धन के आवंटन की कमी होने की जानकारी दी। अव्यवस्थित विद्युत तारों को ठीक कराने, खराब विद्युत उपकरणों की मरम्मत के लिए कहा। शौचालय निरीक्षण में डीएम ने महिला एवं दिव्यांग शौचालयों की नियमित साफ-सफाई और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। प्राचीन गौरैया देवी मंदिर बरई खुर्द बड़ागांव, तहसील रुदौली का निरीक्षण किया। निरीक्षण में एसडीएम सविता देवी, जिला विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

सोहावल तहसील परिसर में निरीक्षण करते जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे।

नए कालेजों को अब 24 अप्रैल तक संबद्धता, 25 फरवरी को एनओसी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना और मौजूदा कॉलेजों में नए विषयों/पाठ्यक्रमों को शुरू करने की प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने संशोधित समय-सारिणी जारी की है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी इस नई अनुसूची के अनुसार, विभिन्न विश्वविद्यालय अब 24 अप्रैल तक नए महाविद्यालयों को संबद्धता प्रदान करेंगे या पहले से संचालित कॉलेजों में अतिरिक्त विषय शुरू करने की मंजूरी देंगे। उच्च शिक्षा विभाग का आदेश मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध पहुंच गया है। यहां नई सम्बद्धता के लिए करीब 150 आवेदन लंबित चल रहे हैं। आदेश के अनुसार इससे पहले 25 फरवरी तक संबंधित प्रस्तावों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी किए जाएंगे, जो पूरी प्रक्रिया की शुरुआत का आधार बनेगा। विश्वविद्यालयों द्वारा संबद्धता दिए जाने के फैसले के खिलाफ यदि कोई कॉलेज आपत्ति दर्ज करना चाहता है, तो वह 10 मई तक शासन स्तर पर आपत्तियां दाखिल कर सकता है। इन आपत्तियों की सुनवाई के बाद शासन द्वारा 31 मई तक सभी ऐसे प्रकरणों का अंतिम निस्तारण कर दिया जाएगा। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि यह समय-सारिणी शैक्षिक सत्र 2026-27 को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि नए शैक्षणिक सत्र से पहले सभी संबद्धताएं और आवश्यक स्वीकृतियां समय पर पूरी हो सकें। इससे प्रदेश में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ेगी और छात्रों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। बताया उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों और संबंधित महाविद्यालयों को निर्देश जारी कर दिए हैं, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके।

विधायक ने अग्नि पीड़ितों को बांटी सहायता

रुदौली में अग्नि पीड़ित परिवारों को सहायता देते विधायक रामचंद्र यादव।

मवई, अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम सभा मुतौली और उधरौरा में आग लगने से प्रभावित हुए लोगों को विधायक रामचंद्र यादव ने बुधवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री जैसे कपड़ा, बर्तन और खाद्य सामग्री भी वितरित की।प्रभावित मुतौली और उधरौरा के सोनू यादव, सुंदरपता, लक्ष्मन, लल्लन, राघव राम, राजेश, मैकु लाल, जुग्गी लाल और लल्लू की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर निर्देश दिए।

शिक्षकों के साथ नहीं होने देंगे अन्याय : डॉ. संजय

अयोध्या, अमृत विचार : लोकसभा में शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी द्वारा टीईटी-विहीन शिक्षकों के संबंध में दिए गए हालिया लिखित उत्तर में यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षकों को प्रचलित मानकों के अनुरूप योग्यता पूर्ण करनी होगी। यह बात उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने बुधवार को कही। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल तकनीकी योग्यता का प्रश्न नहीं है, बल्कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के सम्मान, अधिकार और न्याय से जुड़ा हुआ है। कहा कि वह शिक्षकों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने सभी टीईटी-विहीन शिक्षक साथियों से धैर्य बनाए रखने, एकजुट रहने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह से दूर रहने की अपील की।

पाइप और केबल में लगी आग

अयोध्या, अमृत विचार : कोतवाली अयोध्या अंतर्गत साकेतपुरी कॉलोनी के एक खाली प्लाट पर सरकारी कार्य के लिए रखे पाइप व केबल में बुधवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई। पुलिस व दो दमकल वाहनों ने आग को बुझाया। जहां आग लगी वहीं से कुछ ही दूरी पर पेट्रोल पंप भी स्थित है, गनीमत रही कि आग वहां तक नहीं पहुंची नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग की चपेट में आने से एक गुमटी व एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

साकेतपुरी कॉलानी में पाइप व केबल में आग लगने के बाद उठता धुआं। अमृत विचार

जांच का खुलासा

रिश्तेदारों की नियुक्ति ,अवैध कब्जे की भूमि पर निर्माण, एडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी ने की जांच

नपं में बगैर स्वीकृति लाखों के कार्यों पर कर दिया भुगतान

राजेंद्र पांडेय, अयोध्या

> जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। नपं अध्यक्ष रेशमा भारती ने इस पर प्रत्यावेदन दिया है। इसकी जांच की जा रही है। जल्द ही इसे पूरा करके शासन को भेज दिया जाएगा।
> –अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व

अमृत विचार: नवसृजित नगर पंचायत खिरौनी सुचित्तागंज में बगैर प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति लाखों रुपये के काम कराकर भुगतान कर दिया गया। रिश्तेदारों पर मेहरबानी रही। नियुक्तियां और अवैध कब्जे की जमीन पर निर्माण का आरोप रहा। हाईपावर कमेटी की जांच में खुलासा हुआ तो हलचल मच गई। अब अध्यक्ष के नए प्रत्यावेदन पर जांच की जा रही है।

नगर पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर राजेश कुमार सिंह, बबिता वर्मा सहित तीन सभासदों ने शिकायत की। बैठक न होने सहित वित्तीय गड़बड़ी को लेकर नपं अध्यक्ष रेशमा भारती पर आरोप लगाया। बीकापुर विधायक डॉ. अमित कुमार सिंह ने भी कार्य प्रणाली को लेकर पत्र लिखा। शासन के निर्देश पर तत्कालीन डीएम ने 13 जून 2024 को तत्कालीन एडीएम वित्त एवं राजस्व महेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच कराई तो असलियत खुलकर सामने आ गई। कार्य प्रणाली को लेकर ही यहां तत्कालीन ईओ और अध्यक्ष के करीबियों के बीच खासा बवाल भी हुआ था। अध्यक्ष, उनके पति राम सुमेर और भतीजे मनोज के खिलाफ थाना रौनाही में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जांच के समय कार्रवाई आरोप पत्र तक पहुंच गई। अध्यक्ष की ओर से भी ईओ के खिलाफ तहरीर दी गई थी। विवाद खरीद फरोख्त को लेकर हुआ था। कमेटी के सामने नगर पंचायत के कर्मचारी कुलदीप ने बयान दिया अध्यक्ष हस्ताक्षर घर पर करती हैं। जांच में वार्ड नंबर 11 में बनाई गई 6,59,773 रुपये की लागत वाली गौशाला की फाइल ही नहीं मिली। नऊवा पुरवा सड़क से रामावती के घर तक सीसी रोड के कागज पर फर्म और अनुबंधकर्ता के हस्ताक्षर ही नहीं थे,लेकिन 7.38 लाख का भुगतान कर दिया गया। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय से पराग प्रजापति के घर तक रबर मोल्ड इंटरलाकिंग पर 10.31 लाख का भुगतान किया गया। पूरे माफीदार पुरवा से खत्री फार्म, राम राज के घर तक बगैर तकनीकि और वित्तीय स्वीकृति रबरमोल्ड इंटरलॉकिंग सड़क बनाई गई।इसमें 12 सेमी सीएसबी छर्री नहीं मिली। सरकार को जाने वाली रायल्टी नहीं काटी गई, लेकिन 7.32 लाख का भुगतान कर दिया गया। बगैर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के साल 2023 में 10.67 लाख की कंबल आपूर्ति की गई। इसी तरह कई अन्य निर्माण कार्यों में कहीं वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिली।कई निर्माण कार्य अधोमानक रहे। कई की फाइलें नहीं मिलीं। अध्यक्ष के मामा की पुत्र वधू द्वारा अवैध निर्माण कराया जाना भी मिला। एडीएम ने इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी। अध्यक्ष पर भाई मुट्टर के पुत्र जितेंद्र को सफाईकर्मी/चौकीदार, दूसरे पुत्र विपिन की पत्नी अंजू को सफाईकर्मी, चाचा मिश्री लाल के पुत्र दिलीप को भी नियुक्ति का आरोप रहा लेकिन नियुक्ति में इसका उल्लेख नहीं रहा।

प्रधान संघ व ब्लॉक कर्मियों की हुई बैठक

पूराबाजार, अमृत विचार: विकास योजनाओं के सफल क्रियावन्वयन को लेकर प्रधान संघ व कर्मचारियों की बैठक की गई। विभिन्न विकास योजना और पंचायत संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ अनुरादग सिंह ने कहा कि कर्मचारी, ग्राम प्रधानों से बेहतर तालमेल बनाकर विकास की योजनाओं को ग्राम पंचायत में लागू करें, जिससे ग्राम पंचायत का सर्वांगीण विकास हो सके। प्रधान संघ के अध्यक्ष अभिषेक अंकुर सिंह ने ग्राम प्रधानों से अपील की कि कर्मचारियों से मिलकर ग्राम पंचायत में विकास के लिए तत्पर रहे। बैठक में ओम प्रकाश यादव, अनूप वर्मा, राना सिंह, राकेश कुमार सिंह, सहित तमाम अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

फार्मासिस्ट के भरोसे पीएचसी पटरंगा

मवई, अयोध्या : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवई अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटरंगा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि केंद्र पर तैनात डॉ. अखिलेश कुमार और स्टाफ नर्स प्रियंका अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। ऐसे में केंद्र फार्मासिस्ट दिनेश कुमार के भरोसे चल रहा है। सीएचसी मवई अधीक्षक मदन बनरवाल ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसकी व्यवस्था की जा रही है।

शारदा नहर में कूदी युवती का मिला शव

पूराबाजार, अयोध्या : पुलिस चौकी पूरा बाजार अंतर्गत बिल्हार घाट रेलवे स्टेशन के पास छह जनवरी को शारदा सहायक नहर में कूदने वाली युवती ग्राम पंचायत गोविंदपुर मजरे खानपुर निवासी स्व. बजरंगी की पुत्री सविता गौड़ (22) का शव बुधवार को दतौली के पास नहर में मिला। महाराजगंज थाना प्रभारी ने बताया कि शव की सविता के भाई उमेश ने पहचान की।

शोभायात्रा निकाल प्रतिष्ठित कीं मूर्तियां

रानी बाजार, अमृत विचार : रायबरेली-अयोध्या हाईवे पर स्थित अमौना मजरे पूरे चंद्रभान पर बने बाल्दी बाबा मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर शोभा यात्रा निकाल कर क्षेत्र भ्रमण किया गया। मंदिर में भगवान भोलेनाथ, बजरंगबली भगवान गणेश सहित अन्य मूर्तियों की विधिवत सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। शोभायात्रा में हृदय नारायण पाठक, प्रिया शंकर मिश्रा, रवि शंकर मिश्रा, दुर्गा पाठक, संतोष पाठक रहे।

जमीन के विवाद में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

कुमारगंज थाना क्षेत्र के चौधरीपुर गांव की घटना

कुमारगंज/मिल्कीपुर, अयोध्या

जमुना प्रसाद यादव

बुजर्ग की हत्या के बाद कुमारगंज स्थित अस्पताल में जांच पड़ताल करती पुलिस।

अमृत विचार : कुमारगंज थाना क्षेत्र के चौधरीपुर गांव में बुधवार दोपहर को जमीन के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। दरवाजा लगाने को लेकर हुए विवाद में बुजुर्ग की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। चौधरीपुर गांव निवासी जमुना प्रसाद यादव (65) बुधवार को अपने घर पर दरवाजा लगवा रहे थे। इस दौरान पड़ोसी परिवार से विवाद हो गया, देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। मृतक के पुत्र राम अवतार ने आरोप लगाया कि देवनारायण, गीता, राम विशाल सहित अन्य लोगों ने लाठी-डंडों से उनके पिता पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पिता के सिर पर लाठी से गंभीर वार किया, जिससे वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंची मृतक की पत्नी प्रेमा देवी (60), पुत्र राम अवतार, आशाराम, बहू कुसुम और अंजलि भी घायल हो गए। पिता समेत सभी घायलों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय कुमारगंज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने पिता जमुना प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में जमीन विवाद को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक के पुत्र की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है।

चार महिलाओं ने ऑटो सवार महिला का उड़ाया मंगलसूत्र

अयोध्या, अमृत विचार : शहर में एक बार फिर महिला चोरों का गिरोह सक्रिय हो गया। ताजा घटना सोमवार की है, ऑटो पर सवार चार महिलाओं ने एक महिला का करीब 15 ग्राम का मंगलसूत्र पार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली अयोध्या पुलिस ने केस दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वर्ष 2024-25 में अयोध्या पुलिस ने इस तरह की वारदात करने वाले गिरोह की 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया था।

मुमताजनगर थाना कैंट निवासी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि 9 फरवरी को मेरी भांजी छोटी बाजार थाना अलीगंज, अंबेडकरनगर निवासी सोनल गुप्ता पुत्री प्रेम चन्द्र गुप्ता देवकाली बाईपास से एक शेयरिंग ऑटो पर सवार हुई। थोड़ा आगे बढ़ने पर ऑटो में चार महिलाएं बैठ गईं। एक महिला ने भांजी के पैर में अपना पैर रगड़कर पायल निकालने का प्रयास करने लगी तथा पायल का कुंडा फैलाकर ऑटो में ही उसकी पायल गिरा दी। भांजी जब अपनी पायल उठाने लगी तब उसी दौरान उसके गले का मंगल सूत्र काट कर चोरी कर लिया। इसके बाद उनमें से एक महिला उल्टी करने लगी। बहाना बनाकर सभी ऑटो से उतर गईं। कुछ देर बाद भांजी को पता चला उसका 15 ग्राम का मंगलसूत्र गायब हो गया है।

प्रदेशीय बेसिक क्रीड़ा स्पर्धा 19 से

अयोध्या : लगभग 25 वर्षों बाद अयोध्या को प्रदेशीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता की जिम्मेदारी मिली है। सहायक शिक्षा निदेशक कौस्तुभ कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2001 के बाद जिले को प्रदेशीय बेसिक खेल आयोजन की जिम्मेदारी मिलना गौरव की बात है। डाभासेमर स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में 19 फरवरी से आयोजित होने वाली प्रदेशीय प्रतियोगिता की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। प्रतियोगिता बालक बालिका वर्ग में आयोजित होगी। इसमें मंडलीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता से चयनित सभी 18 मंडलों के लगभग पांच हजार खिलाड़ी व टीमें प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक वर्ग में प्रतिभाग करेंगे।

अयोध्या में बढ़ेगी सांस्कृतिक गतिविधियां

अयोध्या कार्यालय

भूमि पूजन करते दयाशंकर मिश्र व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में अरवत के पास भोया ग्राम पंचायत मजरे गोविंद मठिया में सीता हरि श्याम सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना होगी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बुधवार को इसके लिए भूमि पूजन किया गया। इसकी स्थापना से जिले में सांस्कृतिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

गांव के रहने वाले प्रख्यात कलाकार एवं कला दीर्घा अंतर्राष्ट्रीय दृश्य कला पत्रिका के संपादक डॉ. अवधेश मिश्र ने बताया कि यह सांस्कृतिक केंद्र माता स्व. सीता मिश्रा, पिता स्व. हरिप्रसाद मिश्र और ससुर प्रख्यात शिक्षाविद् स्व. श्याम किशोर त्रिवेदी की स्मृति में स्थापित किया जा रहा है। भूमि पूजन उनके बड़े भाई और भाभी दयाशंकर मिश्र एवं चंदा मिश्रा, जितेंद्र मिश्र ने किया।

डॉ. मिश्र ने बताया कि केंद्र की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र को सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समृद्ध बनाना व भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में सार्थक योगदान देना है। कार्यक्रम में शिक्षाविद् राम चंद्र मिश्र, चिकित्सक डॉ. राम कुमार मिश्र, डॉ लीना मिश्र, रविंद्र तिवारी, मनोज कुमार तिवारी, शिक्षिका नीलम तिवारी सहित गांव के लोग मौजूद थे।

पं.दीनदयाल का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय : वीसी

अयोध्या कार्यालय

अवध विवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय श्रीराम शोध पीठ के सेमिनार सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन दीनदयाल शोध पीठ द्वारा हुआ। मुख्य वक्ता पूर्व प्रांत प्रचारक कर्नाटक उत्तर क्षेत्र के गोपाल रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि दीनदयाल जी का मानना था कि किसी भी देश की प्रगति का पैमाना ऊंची इमारतों या जीडीपी से नहीं, बल्कि समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की स्थिति से मापा जाना चाहिए। उनका लक्ष्य था कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय और कल्याण। आज के समय में भारत की कई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं इसी दर्शन पर आधारित हैं। मुख्य अतिथि गोपाल जी ने कहा कि पंडित दीनदयाल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित था। उनके हृदय में सदैव राष्ट्र चिंतन रहा। छात्र जीवन से ही है सामाजिक उत्थान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे। उनकी दृष्टि सभी को साथ लेकर आगे बढ़ाने की रही। काफी विरोध के बावजूद भी पंडित जी का जीवन समाज में सामंजस्य स्थापित करने का रहा। संचालन प्रो. शैलेंद्र कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. मृदुला मिश्रा ने किया।

श्रद्धांजलि सभा में प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ.अवध नारायण, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र शामिल रहे।

उपलब्धियों भरा है डॉ. ज्ञानेंद्र का कार्यकाल

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 से किया है सम्मानित

अयोध्या कार्यालय

राष्ट्रपति से पुरस्कार लेते डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (फाइल फोटो)

अमृत विचार : विश्व विख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्व. महातिम सिंह के हैं पुत्र एवं राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के आई.सी.ए.आर नई दिल्ली के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा हुआ है। गाजीपुर जिले के ग्राम उधरन निवासी डॉ. सिंह भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल में भी निदेशक के पद पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हाथों राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया है। वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां बटोर कर देश का नाम रोशन कर चुके हैं। उन्होंने गेहूं की 60 प्रजातियां विकसित की हैं। जिसमें 10 जैव किस्म शामिल हैं। जौ की तीन एवं आलू की एक प्रजाति विकसित करने में सफलता हासिल की है। वे देशभर में वैज्ञानिक एवं शिक्षण कर्मियों की भर्ती के लिए कई चयन समितियों और राज्य चयन बोर्डों में शामिल रहे हैं। उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. ओपी राव ने उन्हें कुलपति नियुक्त किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह सिंह ने 27 सितंबर 2019 को कृषि विवि में कुलपति का पदभार संभाला था। अवध विवि में नियुक्ति के बाद से कृषि विवि में कुलपति का पद रिक्त था। कृषि विवि के मीडिया प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि नवनियुक्त कुलपति संभवतः मंगलवार तक कृषि विवि में पदभार ग्रहण कर सकते हैं। नव नियुक्त कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह अभी भारत के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए इंग्लैंड के दौरे पर हैं।

नकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी बन ठगा

गोसाईगंज, अमृत विचार : नकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनकर दुकानदारों और दुग्ध कारोबारियों से लाइसेंस बनवाने व नवीनीकरण के नाम पर अवैध वसूली की। आरोप है कि एक व्यक्ति अलग-अलग नामों से परिचय देकर कार्रवाई का भय दिखाता है। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय सोनी ने कहा कि विभाग ने किसी निजी व्यक्ति को अधिकृत नहीं किया है। लाइसेंस संबंधी कार्य केवल ऑनलाइन पोर्टल या विभागीय कार्यालय के माध्यम से ही कराए जाएं। खाद्य सुरक्षा आयुक्त मानिकचंद ने बताया कि आरोपी पूर्व में भी अलग-अलग नामों से वसूली कर चुका है। विभाग ने व्यापारियों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस व विभाग को देने की अपील की है।

आतंकी को किया गया सुपुर्द-ए-खाक

मिल्कीपुर, अयोध्या

शव पहुंचने पर रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार : हरियाणा के फरीदाबाद स्थित नीमका जिला जेल में बंद अयोध्या निवासी संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की जेल में हुई हत्या के बाद बुधवार सुबह उसके परिवारीजन शव लेकर मिल्कीपुर तहसील स्थित पैतृक गांव मंजनाई पहुंचे।

जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार एकत्र हो गए। मृतक की मां और तीनों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। गांव से लगभग 500 मीटर दूर स्थित कब्रिस्तान में शव को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए गांव और कब्रिस्तान क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर अजय सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। ध्यान रहे कि संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान को दो मार्च 2025 को गुजरात एटीएस व हरियाणा एसटीएफ की टीम ने फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि वह राम मंदिर पर हमले की साजिश रच रहा था। गिरफ्तारी के समय उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद हुये थे। वहहरियाणा जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में निरुद्ध था। जहां 8 फरवरी की रात सह-बंदी अरुण चौधरी ने नुकीली पत्थरनुमा वस्तु से उस पर हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। मृतक के पिता अबू बकर ने बताया कि सोमवार सुबह जेल से फोन कर बेटे की हत्या की सूचना दी गई। वह परिजनों के साथ फरीदाबाद पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद उन्हें बेटे का शव मिला। कहा कि बेटे की जल्द जमानत की उम्मीद थी और हालिया मुलाकात में उसने किसी तरह की परेशानी की बात नहीं कही थी।

कैशलेस सुविधा सराहनीय कार्य

यूपी सरकार के बजट में कैशलेस सुविधा की घोषणा करके योगी सरकार ने सराहनीय कार्य किया। हालांकि महंगाई कम करने के लिए बजट में कोई प्रावधान न होने से हमें निराशा है। उम्मीद है कि भविष्य में सरकार इस विषय को और गंभीरता से लगी। **-विजयलक्ष्मी सिंह, गृहिणी।**

झूठे वादों का पुलिंदा है बजट

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किया गया बजट चुनावी व झूठे वादों का पुलिंदा है। बजट में किसानों के आय बढ़ाने की कोई ठोस योजना नहीं है। रोजगार सृजन के दावे के बावजूद जमीनी हकीकत निराशाजनक है। **-राजेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष, कांग्रेस।**

लोक लुभावन बजट, लोगों में क्लेश

लोक लुभावन बजट, लोगों में क्लेश, जैसे दिल्ली वैसे उत्तर प्रदेश। सरकार का बजट गरीबों के लिए नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी और गिरती आमदनी पर इस बजट में कोई ठोस समाधान नहीं है। यह बजट खोखले वादों का पुलिंदा है। **-पारसनाथ यादव, निवर्तमान जिला अध्यक्ष, सपा**

महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विषेश प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे। जहां बाजार की मांग के अनुसार उनको कौशल सिखाया जाएगा। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यह सरकार सराहीनय कदम है। **-ज्योति मिश्रा**

बजट की खूब हुई सराहना तो किसी ने बताया दिशाहीन

बजट पर प्रतिक्रिया

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बुधवार को पेश किये गये बजट पर लोगों ने मिलीजुली प्रतिक्रिया दी है। किसी ने बजट को सराहा है तो किसी ने इसे दिशाहीन बताया। कुल मिलाकर बजट को लेकर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया ही सामने आयी।

गोंवंश के लिए प्रावधान सराहनीय: बजट को लेकर रवि मिश्रा का कहना है कि छुट्टा गोवंश सड़क पर इधर-उधर बैठे रहते हैं इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। साथ-साथ यह किसानों को फसलों को चटकर रहे हैं। इससे भी किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

गोंवंश के रखरखाव के लिए बजट में 2000 करोड़ों को प्रावधान सरकार ने किया है। जो सराहनीय है।

मानदेय वृद्धि की घोषणा न होने से निराशा

यूपी सरकार के बजट से शिक्षामित्रों को उम्मीद थी कि मानदेय वृद्धि को घोषणा होगी, लेकिन निराशा हाथ लगी। सरकार ने एक बार फिर अयोध्या के लिए अपना खजाना खोलकर साबित किया है कि रामनगरी का विकास उनकी प्राथमिकता में है। **-किरन श्रीवास्तव, शिक्षामित्र।**

व्यापारियों को किया नजरअंदाज

बजट में वास्तविक समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया। व्यापारियों को राहत देने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। महंगाई, बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं को भी नजर अंदाज किया गया। यह प्रदेश सरकार का दिशाहीन बजट है। **-कवींद्र साहनी, जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल।**

अयोध्या वासियों को मिली सौगात

राज्य सरकार का बजट अयोध्या वासियों के लिए सौगात है। योगी सरकार ने अयोध्या के विकास के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ की व्यवस्था की है, जिससे अयोध्या और बेहतर बन सकेगी। सोलर सिटी बनने से लोगों को भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा। **-ओंकारनाथ त्रिपाठी, व्यवसायी।**

पुरानी पेंशन पर निर्णय न लेना निराशाजनक

राज्य सरकार के बजट में कैशलेस सुविधा का प्रावधान किया गया है। जिससे शिक्षकों की वर्षों पुरानी लंबित मांग पूरी हुई, लेकिन शिक्षकों के हित में पुरानी पेंशन पर निर्णय न लेना निराशाजनक है। सरकार को इस दिशा में भी सोचना चाहिये था। **-अनूप द्विवेदी, शिक्षक।**

बजट 150 करोड़ तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद व सर्वांगीण विकास के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित, अयोध्या के पर्यटन को लगेंगे पंख

सरकार ने खोला खजाना, रामनगरी को मिले 250 करोड़

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी के लिए योगी सरकार ने अपना खजाना खोल दिया है। उत्तर प्रदेश के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में रामनगरी के पर्यटन और सर्वांगीण विकास के लिए कुल 250 करोड़ रुपये की विशेष व्यवस्था की गई है। यह घोषणा राम मंदिर के बाद अयोध्या को वैश्विक तीर्थ और पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बजट में उत्तर प्रदेश श्री अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के लिए 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इस राशि से अयोध्या क्षेत्र में पर्यटन अवस्थापना का विकास होगा। इसमें श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं, सड़कें, यात्री विश्राम गृह, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार शामिल है। अयोध्या के सर्वांगीण विकास के लिए अलग से 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि शहर की समग्र प्रगति पर केंद्रित होगी।

रामनगरी के विकास का रोडमैप : वेद प्रकाश

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। बजट में रामनगरी के लिए पर्यटन, यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। यह बजट अयोध्या को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से देश की अग्रणी नगरी बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

बुनियादी सुविधाओं को मजबूती : रोली

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के विकास को महत्व दिया है। अयोध्या जिले में सड़कों, पेयजल, स्वास्थ्य केंद्रों और पंचायत स्तर पर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए किए गए प्रावधान स्वागत योग्य हैं। इससे गांवों में भी विकास की गति तेज होगी और लोगों को लाभ मिलेगा। यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना साकार करता है।

सरकार का ऐतिहासिक बजट : महापौर

मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने यूपी सरकार के बजट को ऐतिहासिक करार दिया है। कहा सरकार ने अयोध्या के चहुंमुखी विकास के लिए खजाना खोल दिया है। तीर्थ विकास परिषद को 150 करोड़ रुपये एवं सर्वांगीण विकास के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित कर योगी सरकार ने साबित कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता अयोध्या की तरक्की है। इस धनराशि से नागरिक सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

धार्मिक पर्यटन से बढ़ेगी आर्थिक समृद्धि : लल्लू

पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा रामनगरी को जो प्राथमिकता दी गई है, वह सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। धार्मिक पर्यटन के विकास से व्यापार, होटल उद्योग, हस्तशिल्प और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह बजट 'सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और विकास के संतुलन' का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो अयोध्या को वैश्विक पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा।

विकास पर केंद्रित बजट: संजीव

जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह बजट सर्वस्पर्शी और जनकल्याणकारी है। अयोध्या के विकास के लिए पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, सड़क कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अयोध्या को मिली सौगातें जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी लोगों को लाभ मिलेगा।

बजट से पर्यटन के क्षेत्र को किया प्रोत्साहित : प्रो.मृदुला

उत्तर प्रदेश सरकार के बजट में कृषि, उद्योग और आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। हर वर्ग के विकास को ध्यान में रखते हुए बजट की रूपरेखा प्रस्तुत की है। सरकार के बजट से पर्यटन के क्षेत्र को प्रोत्साहित किया गया है। किसानों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, सभी राज्यों के बीच कर प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी देश में सबसे अधिक है। सरकार हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग, उच्च शिक्षा, ग्रामीण और सामाजिक विकास, जन कल्याण और तकनीकी विकास के लिए कटिबद्ध है। यह बजट प्रदेश के लिए कल्याणकारी साबित होगा। -प्रो. मृदुला मिश्रा, अवध विश्वविद्यालय।

सबसे बड़ा बजट : प्रो. आशुतोष

अवध विवि के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का बजट 9.12 लाख करोड़ रुपये का है, जो राज्य के इतिहास में सबसे बड़ा और पिछले बजट से लगभग 12-13% अधिक है। इसमें शिक्षा (12.4%), स्वास्थ्य (6%), कृषि (9%) और स्किल डेवलपमेंट पर उचित आवंटन है। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि (लगभग 1.20 लाख रुपये अनुमानित), बहुआयामी गरीबी से 6 करोड़ लोगों की मुक्ति और बेरोजगारी दर 2.24% तक गिरना सकारात्मक संकेत हैं। 10 लाख रोजगार सृजन, नई योजनाओं पर 43 हजार करोड़ और आईटी/एआई सेक्टर में 76% बढ़ोतरी जैसे कदम राज्य को $1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर ले जा सकते हैं।

आधुनिक आधारभूत संरचना को समर्पित बजट: कमलेश

भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह बजट विकास, आस्था और आधारभूत संरचना को समर्पित है। अयोध्या को पर्यटन, सड़कों, यातायात व्यवस्था, नगर विकास और रामनगरी के सौंदर्यीकरण के लिए विशेष प्रावधान किया जाना प्रदेश सरकार की दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह बजट शहर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

अमृत विचार अयोध्या, गुरुवार, 12 फरवरी 2026 सुलतानपुर-अंबेडकरनगर

न्यूज ब्रीफ

विनोद हत्याकांड में आरोपी पत्नी की जमानत खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार : अमेठी जिले के पीपरपुर थानाक्षेत्र के टिकावर निवासी विनोद की हत्या के मामले में जेल में निरुद्ध उसकी पत्नी रामरती की जमानत अर्जी सेशन जज सुनील कुमार की अदालत ने आरोपों को गंभीर पाते हुए खारिज कर दी। डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र के मुताबिक आरोप है कि प्रेम संबंध के चलते सोनू नट बीते साल 16 सितंबर की रात विनोद को घर से बुलाकर ले गया था, जिसके बाद अगले दिन विनोद की लाश धम्मौर थानाक्षेत्र के जैतापुर नहर पुल के पास मिली थी। मृतक के भाई सूरज ने केस दर्ज कराया था।

कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता: एसपी

सुलतानपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने का भरोसा दिलाया। एसपी ने पत्रकारों से जनपद की प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली और कहा कि जो भी मुद्दे सामने आएंगे, उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय और प्रतिबद्ध है। वार्ता के दौरान संवादात्मक माहौल रहा तथा एसपी ने लागों से सहयोग की अपील भी की।

विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का रोडमैप है बजट

गरीब, किसान, महिला व युवा सशक्तिकरण पर फोकस, विभिन्न वर्गों ने दी सकारात्मक प्रतिक्रिया

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का वर्ष 2026-27 का 10वां बजट बुधवार को पेश किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने यूपी सरकार का 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये का बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया। राज्य के पेश हुए बजट पर विभिन्न वर्ग के लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा जिलामंत्री प्रदीप शुक्ला ने इसे विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, अन्नदाता, किसान, युवा और महिला उत्थान को समर्पित है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक और ग्रामीण विकास पर विशेष फोकस किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए शिक्षिका गरिमा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मातृ सुरक्षा योजना, मिशन शक्ति सहित विभिन्न योजनाओं को आगे बढ़ाने का निर्णय महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बजट में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रावधान सकारात्मक संकेत देते हैं, शिक्षिका अर्चना मिश्रा ने कहा कि

प्रदीप शुक्ल। गरिमा सिंह। अर्चना मिश्रा। राजेश तिवारी। अजय शुक्ल। प्रताप नारायण शुक्ल। डा. मनीष। डा. अविनाशचंद्र।

बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और औद्योगिक विकास पर विशेष जोर देना प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि यदि योजनाओं को सही ढंग से जमीन पर उतारा गया तो इससे युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार आए।

किसानों ने भी सराहा

बल्दीराय क्षेत्र के गन्ना किसान अजय शुक्ला ने प्रदेश सरकार के बजट को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि इस बार का बजट सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में खुशहाल किसान और हर हाथ को काम देने की बात कही गई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद किसान प्रताप नारायण शुक्ल ने कहा कि यह बजट किसानों के हित में ठोस और दूरगामी कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सिंचाई व्यवस्था, उन्नत बीज और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया है।

कांग्रेस ने बताया जुमलों का दस्तावेज

कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे बेहद निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर केवल घोषणाओं तक सीमित रहने का आरोप लगता रहा है, उसी तरह प्रदेश सरकार भी जनता को "झुनझुना" पकड़ाने का काम कर रही है। बजट में युवाओं के रोजगार के लिए कोई ठोस कार्ययोजना दिखाई नहीं देती, जिससे प्रदेश के बेरोजगारों में निराशा बढ़ेगी। किसानों तथा गांवों के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने वास्तविक समस्याओं के समाधान की बजाय कोरे वादों का दस्तावेज़ पेश किया है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को देगा मजबूती: डॉ. अविनाश

मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. अविनाश चंद्र गुप्ता ने बजट को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अच्छी दिशा में उठाया गया कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में इमरजेंसी एवं ट्रामा सेंटर की स्थापना की बात सराहनीय पहल है, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। कुड़वार सीएचसी पर तैनात वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. मनीष यादव ने बजट को स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से एक सकारात्मक पहल बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा डायबिटीज और कैंसर की दवाओं की कीमतें कम करने की घोषणा आम लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी, जिससे जरूरतमंद मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

मंडलीय प्रतियोगिता के पहले दिन सुलतानपुर का दबदबा

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: शहर के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को दो दिवसीय मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। अयोध्या मंडल बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता की मेजबानी इस वर्ष बेसिक शिक्षा विभाग सुलतानपुर कर रहा है। प्रतियोगिता में मंडल के पांच जिलों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में जोर-आजमाइश करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

मुख्य अतिथि एसपी पीटीएस माया राम वर्मा, विशिष्ट अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) कौस्तुभ कुमार सिंह एवं क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर ने सरस्वती पूजन, ध्वजारोहण, कबूतर उड़ाकर तथा मार्चपास्ट की सलामी लेकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते

● मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ मंडल के पांच जिलों के खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। उन्होंने बच्चों से मोबाइल से दूरी बनाकर खेल मैदान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।मंडल व्यायाम शिक्षक राहुल तिवारी ने बताया कि 11 व 12 फरवरी को आयोजित इस प्रतियोगिता में अंबेडकरनगर, बाराबंकी, अयोध्या, सुलतानपुर व अमेठी के प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। खो-खो, कबड्डी, दौड़, जूडो, कुश्ती, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में सुलतानपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। उच्च प्राथमिक बालिका वर्ग 600 मीटर दौड़ में अनुश्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक बालक वर्ग 100 मीटर में शाहबाज, 200 मीटर में जावेद और 400 मीटर में जोहिद ने बाजी मारी। पीटी, शतरंज और सुलेख प्रतियोगिताओं में भी सुलतानपुर के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक, शिक्षक संघ पदाधिकारी, खेल प्रभारी, प्रशिक्षक एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रधान के घर सुतली बम फेंकने से हड़कंप

भदैंया, सुलतानपुर

अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र के जुराड़ा ग्राम पंचायत के प्रधान अनिल मिश्र के लोहरामऊ स्थित आवास पर मंगलवार देर रात सुतली बम फेंके जाने से हड़कंप मच गया। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सुतली बम जैसी वस्तु फटने के संकेत मिले हैं। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में तीन युवक मुंह पर कपड़ा बांधे घर के बाहर संदिग्ध वस्तु फेंकते दिखाई दे रहे हैं। एक युवक काली जैकेट में वस्तु फेंकता नजर

घटना की जांच करने पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

● सीसीटीवी में तीन युवक कैद पुलिस हर पहलू की कर रही जांच

आ रहा है, जबकि उसके पीछे सफेद व काली शर्ट पहने दो अन्य युवक खड़े दिख रहे हैं। प्रधान अनिल मिश्र ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को सीओ लंभुआ रितिक कपूर व कोतवाल धर्मवीर ने मौके पर पहुंचकर जांच की। सीओ ने बताया कि मामला संदिग्ध है, साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

कार्यों में खामी पर डीपीआरओ ने सचिव को दिया नोटिस

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकासखंड धनपतगंज के ग्राम पंचायत रामनगर प्रथम में कराए गए विकास कार्यों में अनियमितता की लगातार शिकायतों के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ला ने स्थलीय निरीक्षण किया था। निरीक्षण में कई अनियमितताएं पाए जाने पर डीपीआरओ ने पंचायत सचिव रवि सिंह को नोटिस जारी करते हुए ग्राम प्रधान को स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ ने बताया कि निरीक्षण से पहले राज्य/केंद्रीय वित्त व स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2021 से 2026 तक कराए गए सभी विकास कार्यों के मूल अभिलेख व पत्रावलियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निरीक्षण

● निरीक्षण में मिली थी गंदगी व अभिलेख थे गायब

के समय कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में गंदगी मिली, फर्नीचर व आलमारी नहीं पाई गई और भवन के अंदर ठेलिया रखा मिला। इससे पंचायत भवन का सचिवालय के रूप में संचालन न होने की स्थिति सामने आई। प्रिया सॉफ्ट रिपोर्ट के परीक्षण में हैंडपंप मरम्मत स्थलों का उल्लेख न होने की बात भी सामने आई। डीपीआरओ ने निर्देशित किया है कि 3 दिवस के भीतर वर्षवार/कार्यवार/मदवार सूची सहित समस्त अभिलेख डीपीआरओ कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

'एक बार घटना, दो बार संयोग तीन बार दुश्मन की कार्रवाई'

विधि संवाददाता, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज मांगे जाने पर अलग-अलग मामलों में एक ही जैसे जवाब कि 'कैमरे काम नहीं कर रहे थे' पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पहले तो जेम्स बॉन्ड फिल्म का एक डॉयलॉग दोहराते हुए कहा कि 'एक बार कुछ होता है तो वह घटना है, दो बार वही घटना संयोग होती है लेकिन तीसरी बार वही घटना दोहराई जाए तो यह दुश्मन की कार्रवाई है।

कोर्ट ने कहा कि कैमरों में तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि ये फिक्शनल

● थाने के सीसीटीवी कैमरों पर एक जैसे जवाब पर हाईकोर्ट का कटाक्ष मुख्य सचिव को जांच के आदेश

स्टोरी ज्यादा प्रतीत होती है। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने थानों में सीसीटीवी के फेल हो जाने के मामलों की जांच मुख्य सचिव को करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तिथि नियत करते हुए, स्पष्ट किया है कि यदि अगली सुनवाई तक जांच रिपोर्ट न दाखिल हुयी तो मुख्य सचिव को हाजिर होना होगा। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ श्याम सुंदर अग्रहरी की याचिका अपर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब भी थानों से सीसीटीवी फुटेज मांगी जाती है तो एक ही जवाब मिलता है कि कैमरे बंद थे या खराब थे। इससे यह प्रतीत होता है कि अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी फुटेज को समय पर प्रस्तुत नहीं करने का प्रयास किया जा रहा है। कोर्ट ने यूपी पुलिस के इस व्यवहार को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का भी उल्लंघन करार दिया। इस मामले में याची जो एक विकलांग है, उसे हत्या के प्रयास के कथित मामले में फर्जी तरीके से फंसाने तथा सुल्तानपुर के मोतीगरपुर थाने में उसे टॉर्चर किए जाने का आरोप याचिका में लगाया गया है।

सिलाई की दुकान का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के केशव नगर मोहल्ले में अज्ञात चोरों ने सिलाई की दुकान का ताला तोड़कर हजारों रुपये की नगदी और नए कपड़े पार कर दिए। घटना की जानकारी बुधवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार को हुई। सैतापुर सराय निवासी प्रमोद यादव 'यादव टेलर्स' नाम से वीर बहादुर सिंह के मकान में दुकान संचालित करते हैं। उनके अनुसार मंगलवार रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह पहुंचने पर देखा कि पीछे लगे चौनल का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे थे और अलमारी तोड़कर करीब 20 हजार रुपये नकद व सिलाई के लिए आए लगभग 50 सेट नए कपड़े उठा ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

अकबरपुर पालिका में बनेगा 50 करोड़ का सीवर प्लांट

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद के अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र में जलस्रोतों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए एक सीवर ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। तमसा नदी के किनारे अहरिया वार्ड में सात बीघा भूमि पर बनने वाले इस प्लांट पर 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका जिम्मा जल निगम की नगरीय इकाई अयोध्या को सौंपा गया है। बता दें कि यह योजना लंबे समय से सडक़ किनारे जमा नालों की बदबू और कीचड़ से परेशान नगरवासियों को राहत देगी। वर्तमान में घरों, दुकानों और अन्य संस्थानों से प्रतिदिन भारी मात्रा में गंदा पानी और ठोस कचरा निकलता है। यह गंदगी 40 छोटी नालियों और आठ बड़े नालों से होकर सीधे तमसा नदी में गिरती है, जिससे जलस्रोत प्रदूषित होते हैं और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पंडाटोला, जौहरडीह, शहजादपुर, मुरादाबाद, इंद्रलोक कॉलोनी, शाहजहांपुर, मीरानपुर गायत्री मंदिर, कोडराबाद बरातघर, अमरौला, नासिरपुर बरवां और सिझौलिया जैसे मुहल्लों में लगभग 50 हजार आबादी तमसा नदी के तट पर बसी है, जो इस प्रदूषण से सीधे प्रभावित होती है। प्लांट शुरू होने से क्षेत्र के 27 हजार से अधिक परिवारों को लाभ मिलने लगेगा। 62 वर्ग किलोमीटर में फैले इस नगरपालिका क्षेत्र को 25 वार्डों में विभाजित किया गया है, जहां 27 हजार गृहस्वामी दर्ज हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार पालिका की आबादी 1 लाख 11 हजार 500 थी, जो वर्तमान में 1 लाख 60 हजार से अधिक हो गई है। इस प्लांट के शुरू होने से नगर में खुले नालों से निकलने वाली गंदगी पूरी तरह बंद हो जाएगी।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें

● अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ने कटका थाने का किया निरीक्षण, मातहतों को दिए दिशा निर्देश

न्यौरी, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: थाना कटका का बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की विभिन्न शाखाओं अभिलेख कक्ष, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, रिकॉर्ड रूम, महिला हेल्प डेस्क तथा कंप्यूटर कक्ष का विस्तार से निरीक्षण किया।

एएसपी ने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव और लंबित विवेचनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और जनता से संवेदनशील व्यवहार अपनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि थाना पुलिस की कार्यशैली से विभाग की छवि बनती है। अतः प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति सजग

थाना कटका का निरीक्षण करते एएसपी पूर्वी श्यामदेव।

रहते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होंने महिला सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और जनता के बीच विश्वास कायम करने पर विशेष बल दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों, शस्त्रागार की सुरक्षा व्यवस्था और थाना परिसर में खड़े वाहनों की भी जांच की। साथ ही उन्होंने आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर थानाध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव सहित सभी उपनिरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

छात्राएं देश और समाज की हैं मजबूत नींव : अजय प्रताप

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: मौलाना आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज में बुधवार को कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए आयोजित विदाई समारोह भावनाओं, स्नेह और अपनत्व से ओत-प्रोत रहा। यह आयोजन केवल एक औपचारिक विदाई नहीं, बल्कि छात्राओं के शैक्षिक सफर, उनके संघर्ष, उपलब्धियों और सुनहरी यादों को सहेजने का एक अविस्मरणीय अवसर बन गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली जलालपुर अजय प्रताप ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी छात्राएं देश और समाज की मजबूत

विदाई समारोह में मौजूद छात्राएं व विद्यालय प्रबंधक व शिक्षक-शिक्षकाएं।

● 12वीं की छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित

नींव हैं। जहां भी जाएं अपने संस्कार, शिक्षा, अनुशासन और चरित्र से न केवल अपने परिवार बल्कि अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करें। वहीं विद्यालय प्रबंधक मौलाना मोहम्मद खालिद कासमी ने छात्राओं को विद्यालय परिवार की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि विद्यालय की असली पहचान इसकी छात्राओं की उपलब्धियों से होती है। आप जहां भी जाएं आगे बढ़ें, आपकी सफलता ही इस संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी और गौरव बनेगी।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक मौलाना मोहम्मद खालिद कासमी, प्रधानाचार्या गुलिस्तां अंजुम, पैगाम फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद जमाल, आशुतोष शर्मा, विद्यालय प्रभारी जमशेद इकबाल, आमिना खातून, तज्यींन आएशा, हमना, मरियम, फरहीन फातमा, हेरा फातमा, सानिया सिराज, सदफ नूरी, मोहम्मद अहमद, रमजान अली, मुश्ताक हुसैन, कुमार गौरव, आबिदा खातून, हलीमा सादिया, उमैजा मरियम सहित अन्य शिक्षक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना जगत पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

टांडा : शिक्षा क्षेत्र टांडा के आलमपुर शेखपुर स्थित जगत पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव बुधवार को विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ.जेके वर्मा रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नृत्य समूहगान एवं नाट्य मंचन कर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन को सही दिशा देने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासनए नैतिक मूल्यों और परिश्रम को अपनाकर आगे बढऩे का संदेश दिया। वहीं प्रबंधक अभिषेक वर्मा ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है तथा ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

प्रतिक्रिया

सपा के जिला पंचायत सदस्य ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- सरकार की कथनी और करनी में है बड़ा अंतर

भाजपा ने बजट को सराहा और विपक्षियों ने की कड़ी आलोचना

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: बुधवार को प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। सरकार की ओर से इस बजट को किसानों, युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों के सशक्तिकरण तथा रोजगार सृजन पर केंद्रित बताया गया है। वहीं विपक्षी दलों ने इसे जनता को गुमराह करने वाला करार देते हुए कड़ी आलोचना की है।

बजट पेश होते ही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। भाजपा नेताओं ने बजट को सर्वसमावेशी और जनहितकारी बताया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न सोनी ने कहा कि सरकार ने महिलाओं, किसानों और बेरोजगार युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शिता के साथ बजट तैयार किया है। उन्होंने दावा किया कि इस बजट से सभी वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

वहीं कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा ने बजट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कोई ठोस प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने केवल घोषणाएं की हैं, लेकिन महिलाओं, बेरोजगार युवाओं और

आलोक सिंह यादव (सपा) शत्रुघ्न सोनी (भाजपा) सुनील मिश्रा (कांग्रेस)

किसानों के लिए ऐसी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे उन्हें वास्तविक लाभ मिल सके। उन्होंने इसे 'झुनझुना बजट' बताते हुए कहा कि इससे आम जनता को निराशा ही हाथ लगेगी। सपा के जिला पंचायत सदस्य आलोक सिंह यादव ने भी बजट को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। विकास के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका असर दिखाई नहीं देता। उनके अनुसार यह बजट किसानोंए महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए निराशाजनक है और इसमें ठोस योजनाओं का अभाव है। कुल मिलाकर प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 को लेकर राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। जहां सत्ता पक्ष इसे विकास और सशक्तिकरण का रोडमैप बता रहा है, वहीं विपक्ष इसे खोखला और आधारहीन करार दे रहा है।

गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों को मिलेगा लाभ : डॉ. मिथिलेश

डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर : अयोध्या जिला प्रभारी डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि यह बजट गरीब, युवा, महिला और किसान इन चारों स्तंभों के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया विकास की एक समग्र, दूरदर्शी और मजबूत रूपरेखा है। जो प्रदेश के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ते हुए समावेशी और संतुलित विकास को सुनिश्चित करेगा। उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाते हुए यह बजट एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से अग्रसर करेगा। जनता के कल्याण, सामाजिक संतुलन और आर्थिक उन्नति को समर्पित इस दूरदर्शी बजट के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार।

केंद्रों पर व्यवस्थापक व स्टेटिक मजिस्ट्रेट नहीं ले जा सकेंगे फोन

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इन परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए विभाग तथा परिषद ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत परीक्षा केंद्रों के अंदर कैमरा युक्त मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहित सभी संबंधित अधिकारियों पर लागू होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि शासन और बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए किसी भी स्थिति में कैमरा युक्त मोबाइल फोन परीक्षा कक्ष या केंद्र परिसर के अंदर नहीं ले जाया जाएगा।

● नकलविहीन परीक्षा कराने को विभाग तथा परिषद ने दिए निर्देश

उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा इस आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक समन्वय के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी, ताकि परीक्षा संचालन में कोई बाधा न आए। सभी केंद्र व्यवस्थापकों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को इन नियमों की जानकारी देने और उनका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का मानना है कि इन सख्त कदमों से परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और नकलमुक्त बनेगी, जिससे छात्रों का विश्वास मजबूत होगा।

न्यूज ब्रीफ

शुक्रवार को दिन में ठप रहेगी बिजली आपूर्ति

करनैलगंज, अमृत विचार : 132 केवी विद्युत उपकेंद्र करनैलगंज के अंतर्गत आने वाले सभी फीडरों पर शुक्रवार को दिन में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता, विद्युत पारेषण खण्ड गोंडा, मनोज कुमार ने बताया कि अनुरक्षण संबंधी कार्य किया जाएगा, इसलिए बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोकी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य 13 फरवरी को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। इस अवधि में 132 केवी उपकेंद्र से निर्गत सभी 33 केवी पोषक तथा 33 केवी करनैलगंज रूरल, करनैलगंज तहसील, बालपुर, परसपुर, कटरा, भभुआ, दुबहा बाजार और मैजापुर चीनी मिल की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

पेड़ों की अवैध कटान

करनैलगंज, अमृत विचार : दनापुर में प्रतिबंधित वृक्षों के अवैध कटान का मामला प्रकाश में आया है। रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जिसमें कहा गया है कि 5 फरवरी को प्राप्त सूचना के आधार पर बीट प्रभारी सुकदेव यादव मौके पर पहुंचे तो पाया कि लगभग तीन माह पूर्व एक गूलर व चार सागौन के पेड़ों को काटा गया था। निरीक्षण में जड़ें मौजूद थीं। ग्रामीणों ने कटान का आरोप अशोक कुमार शुक्ला निवासी दनापुर पर लगाया। मामले में बीट प्रभारी की तरफ से आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

ईसीसीई एजुकेटरों को आज मिलेगा स्कूल

गोंडा, अमृत विचार : 28 जनवरी को जिला पंचायत सभागार में हुई ईसीसीई एजुकेटरों की विद्यालय आवंटन प्रक्रिया में अनुपस्थित रहे 11 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर दिया गया है। उन्हे गुरुवार को स्कूल आवंटन के लिए अंतिम अवसर दिया गया है। जिला समन्वयक सामुदायिक शिक्षा प्रेमशंकर मिश्र ने बताया कि 210 चयनित अभ्यर्थियों में से पिछले आवंटन में 199 अभ्यर्थी उपस्थित हुए थे, जबकि 11 अनुपस्थित थे। अपर जिलाधिकारी एवं चयन समिति अध्यक्ष के निर्देश पर अब इन अभ्यर्थियों का विद्यालय आवंटन 12 फरवरी को किया जाना है। सभी को जिला पंचायत सभागार में बुलाया गया है।

गोंडा को बस अड्डा मिला और न ही सीवर लाइन

यूपी बजट : भाजपा ने सराहा तो विपक्ष ने बताया निराशाजनक

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : केंद्रीय बजट के बाद बुधवार को पेश उत्तर प्रदेश का बजट पेश हुआ। बजट में आधी आबादी को साधने की पूरी कोशिश हुई। गरीब बेटियों की शादी के लिए अब 51 हजार से एक लाख एक हजार धनराशि हो गई तो मेधावी बेटियों को स्कूटी मिलेगी। किसानों को बिजली मोटर की जगह सोलर पंप लगाने की सहूलियत मिलेगी। लेकिन शहरी विकास के लिए आस लगाए तीन लाख आबादी को फिर झुनझुना पकड़ा दिया गया है। प्रदेश के बजट की भाजपा ने सराहना की है तो विपक्ष ने इसे निराशाजनक बताया है।

बीते दो दशक से जाम से निजात दिलाने के लिए बस स्टेशन निर्माण की मांग चल रही है। बजट में बस का बेड़ा बढ़ाने पर फोकस किया गया है लेकिन उसके पड़ाव स्थल के विकास पर कुछ नहीं मिला। जल निकासी की समस्या से जूझ रही करीब तीन लाख की आबादी को फिर उसी तरह रहना होगा। नगरीय विकास में केवल निकाय क्षेत्रों में शौचालय निर्माण का लाभ मिलेगा।

सपा नेता सूरज सिंह ने कहा कि बजट में गोंडा जिले की उपेक्षा की गई है। बीते दस वर्षों में गोंडा वासियों को केवल उपेक्षा झेलनी पड़ रही है। गोंडा में जितनी भी सड़कें बनी हैं वह सपा कार्यकाल की हैं। बजट केवल धोखा है। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कौशलेंद्र पांडेय ने कहा कि बजट में किसान, कामगार, श्रमिक, युवाओं के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किया गया है। कौशल विकास का प्रशिक्षण देने से बेरोजगारी दूर नहीं हो सकती है।

वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता सूर्य नरायन तिवारी ने कहा कि बजट समावेशी और हर वर्ग को सहूलियत देने वाला है। यूपी का बजट एक ट्रिलियन इकोनामी का मार्ग प्रशस्त करने वाला है। शिक्षकों, शिक्षामित्रों को कैशलेस चिकित्सा का निर्णय सराहनीय है। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है। चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, स्वरोजगार के लिए सरकार ने बजट में खूब प्रावधान किया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत

खरगूपुर, गोंडा, अमृत विचार: आर्यनगर-महाराजगंज मार्ग पर मंगलवार देर रात सड़क हादसे में एक बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है और अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कौड़िया थाना क्षेत्र के शुक्ल कौड़िया निवासी आदेश कुमार शुक्ल उर्फ गिरीश कुमार शुक्ल (50) पुत्र केसरी प्रसाद शुक्ल मंगलवार शाम करीब छह बजे उमाशंकर शुक्ल के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए श्रावस्ती जा रहे थे। वह आर्यनगर-महाराजगंज मार्ग पर भोलाजोत गांव स्थित प्राणनाथ मंदिर के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और वाहन का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक के तीन पुत्र—रजनीश शुक्ल (28), सतीश शुक्ल (25) और सर्वेश शुक्ल (20) हैं। पत्नी पूनम शुक्ल सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि मृतक दो भाइयों में छोटे थे। प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय ने बताया कि मृतक के पुत्र रजनीश कुमार शुक्ल की तहरीर पर अज्ञात वाहन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

सगा छोटा भाई ही निकला बड़े भाई का हत्यारा

गोंडा, अमृत विचार: करनैलगंज के नरायनपुर माझा के मजरा दुल्हिनपुर में 3 फरवरी की रात हुई हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस का दावा है कि सगे छोटे भाई ने ही चाकू मारकर बड़े भाई की हत्या की थी और विरोधियों को हत्या में फंसाने की साजिश रची थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी विनीत जायसवाल ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में घटना का खुलासा किया। एसपी ने पुलिस टीम को 25 हजार का पुरस्कार भी देने की घोषणा की।

बीती 3 फरवरी की रात नरायनपुर माझा गांव के दुल्हिनपुर मे शिव शंकर दूबे की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी थी। वारदात में उसका छोटा भाई अमरनाथ दूबे भी घायल हुआ था। अमरनाथ ने पुलिस को बताया था कि वह बड़े भाई शिव शंकर दूबे के साथ खेत की सिंचाई करने गया था इसी दौरान पांच लोगों ने हमला कर उसके बड़े भाई का गला चाकू से रेत दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी ने बताया कि वारदात के खुलासे के लिए आईपीएस अभिषेक दवाच्या के नेतृत्व में पांच टीमें लगाई थीं। पुलिस को छोटे भाई अमरनाथ पर शक हुआ तो पूछताछ की गयी। उसने हत्या का जुर्म स्वीकार कर लिया। अमरनाथ ने पुलिस को बताया कि वह यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। उसने दिल्ली में कोचिंग भी की थी लेकिन उसकी पढाई में बड़े भाई शिवशंकर बाधा बन रहे थे। वह अमरनाथ को पढ़ाई छोड़ घर के काम में हाथ बंटाने का दबाव बना रहे थे। उसे कोचिंग के लिए एक लाख रुपये की जरूरत थी। बड़े भाई ने पैसे देने से मना किया तो उसने उनकी हत्या की साजिश रची। 3 फरवरी को वह बड़े भाई के साथ खेत की सिंचाई गया। वहां उसने चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। विरोधियों को फंसाने के लिए उसने खुद को लहूलुहान किया। आरोप लगाया कि गांव के पांच लोगों ने मिलकर उसके भाई को मार डाला। एसपी ने बताया कि आरोपी अमरनाथ को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वारदात का खुलासा करते एसपी, साथ में ट्रेनी आईपीएस व एएसपी। ● अमृत विचार

बननें निकला था अफसर, बन गया भाई का हत्यारा

गोंडा, अमृत विचार : एसपी विनीत जायसवाल वे बताया कि आरोपी अमरनाथ का लक्ष्य अफसर बनने का था। वह यूपीएससी की तैयारी करने दिल्ली चला गया। वहां उसने कुछ दिनों तक कोचिंग की लेकिन पैसे के अभाव में लौट आया। अमरनाथ ने बताया कि बड़े भाई शिव शंकर दूबे के हाथ घर की बागडोर थी। जब अमरनाथ उनसे पैसे मांगता तो वह इंकार कर देते। इससे अमरनाथ को लगा कि वह पैसे के अभाव में नहीं पढ़ पायेगा। बड़ा भाई उसे अपनी राह का कांटा नजर लगा और उसने इस कांटे को हटाने के लिए अपने ही सगे बड़े भाई को मार डाला।

प्रेमिका का खर्च भी बना हत्याकांड की वजह

गोंडा, अमृत विचार : बताया जा रहा है कि आरोपी अमरनाथ का एक युवती से प्रेम प्रसंग भी चल रहा था। वह जैसे तैसे उसका खर्च उठा रहा था लेकिन इस बीच खर्चे बढ़ गए थे। प्रेमिका का खर्च पूरा करने के लिए उसे पैसे की जरूरत थी। जब घर से पैसे नहीं मिले तो उसने बड़े भाई की हत्या का प्लान तैयार किया। अमरनाथ ने पुलिस को बताया कि उसे पता था कि उसके बड़े भाई हर वक्त अपने साथ नकदी रखते हैं। जिस दिन वह सिंचाई करने गए उस दिन भी शिवशंकर की जेब में 31500 रुपये थे। हत्या के बाद आरोपी अमरनाथ ने रुपये निकालकर खेत में ही दबा दिया था। लेकिन इसके पहले ही वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

रसोइयों ने किया पाक कला का प्रदर्शन

गोंडा, अमृत विचार : रसोइयों के लिए बुधवार को पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। उन्होंने अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। इसके लिए ब्लॉकवार स्टॉल लगाये गये जहां उन्होंने भोजन बनाकर उसकी प्रदर्शनी लगाई। सीडीओ ने निरीक्षण कर उनकी हौसला आफजाई की।

प्रतियोगिता में 30 रसोइयों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक समिति में राजकीय बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या गीता त्रिपाठी, नारी ज्ञानस्थली महाविद्यालय की एसोसिएट प्रो. सुनीता मिश्रा, मेल्टिंग मोमेन्ट रेस्टोरेन्ट के चीफ कुक प्रभात सिंह मौजूद रहे। निर्णायक समिति के सदस्यों ने प्रतिभागी रसोइयों को अंक प्रदान किया। वजीरगंज की रसोइया सीतापति को पहला, हलधरमऊ के प्रावि विक्रमपुर के रसोइया रमाशंकर को दूसरा व मनकापुर के प्रावि रामापुर के रसोइया गयालाल को तीसरा स्थान मिला। प्रथम स्थान पाने वाली रसोइया को 3500, दूसरे स्थान को 2500 तथा तीसरे स्थान रसोइया को 1500 रुपये का नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिया गया। अन्य प्रतिभागी रसोइयों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 650 रुपये का पुरस्कार दिया गया। इस दौरान बीएसए अमित सिंह, डीआईओएस डा रामचंद्र, सहायक वित्त लेखाधिकारी सुजीत पांडेय, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा राजेश सिंह, जिला समन्वयक सामुदायिक शिक्षा प्रेमशंकर मिश्र, डीसी एमडीएम गणेश गुप्ता, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आजाद बेग, प्राथमिक शिक्षक संघ के महामंत्री उमा शंकर सिंह, जिला मंत्री कुलदीप पाठक, अनिल श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र वर्मा, विवेक पाठक, मनोज चतुर्वेदी आदि थे।

प्रतियोगिता का निरीक्षण करतीं सीडीओ। साथ में बीएसए, डीआईओएस व अन्य।

छात्रा के अपहरण का आरोप, मुकदमा दर्ज

करनैलगंज, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीया पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अपहरण की आशंका जताई है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी बेटी 7 फरवरी की सुबह लगभग 8 बजे करनैलगंज के एक इंटर कालेज में पढ़ने गई थीं, लेकिन घर वापस नहीं लौटीं। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम रतासी, थाना कप्तानगंज, बस्ती निवासी आदित्य पाण्डेय बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया है। परिजनों का यह भी कहना है कि आरोपी की बहन और भाभी को घटना की जानकारी है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने आदित्य पाण्डेय आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय का कहना है कि मामले की जांच और लड़की की तलाश की जा रही है।

रंजिश में दो पक्षों में मारपीट, 10 नामजद सहित 13 पर मुकदमा

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : झिलाही बाजार में रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर 10 नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

प्रथम पक्ष के राम आशीष ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे पुरानी रंजिश को लेकर अमरेंद्र पांडेय, पिंटू पांडेय, विजय कुमार पांडेय व आदर्श पांडेय ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। वही दूसरे पक्ष से विपिन कुमार ने दी गयी तहरीर में कहा कि मंगलवार सुबह वह अपने खेत में गन्ना लाद रहा था उसी समय विपक्षी राम आशीष ने आकर बिना किसी कारण के गाली-गलौज की व गन्ना लदाई को लेकर विवाद करने लगे। मना करने पर विपक्षी के घर से अखिलेश, केशवराम वर्मा, बलराम, अभिषेक, आकाश व अन्य दो तीन लोग लाठी व धारदार हथियारों से उसे पीटने लगे। भाई व चाचा अमरेन्द्र व विजय बीच बचाब करने लगे तो उनके साथ भी मारपीट की जिसमे अमरेन्द्र व विजय घायल हो गये।

ट्रैक्टर से रौंदी लाही की फसल

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : तुलसीपुर माझा के डाली पुरवा में एक किसान की खड़ी लाही की फसल ट्रैक्टर-ट्रॉली से रौंदे जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। राजपाल सिंह ने नवाबगंज थाने में दी गई शिकायत में बताया कि उनके खेत में लाही की फसल लहलहा रही थी। आरोप है कि गांव का ही एक व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली में मिट्टी लादकर उनके खेत के बीच से रास्ता बनाते हुए निकल गया। खेत की मेड़ टूट गई और फसल का बड़ा हिस्सा दबकर नष्ट हो गया।

अल्ट्रासाउंड की सुविधा फिर शुरू

जिला महिला अस्पताल

गोंडा, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा बंद होने से परेशान गर्भवती महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। करीब डेढ़ महीने से बंद यह जांच अब दोबारा शुरू कर दी गई है। इससे अब महिलाओं को निजी केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और न ही 600 रुपये खर्च करने की मजबूरी होगी।

दरअसल, अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में 13 दिसंबर से अल्ट्रासाउंड जांच बंद हो गई थी । गर्भवती महिलाएं जांच न होने के कारण असुविधा का सामना कर रही थीं। कई महिलाओं को मजबूरन निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का सहारा लेना पड़ रहा था, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा था। डीएम प्रियंका निरंजन ने सीएमओ को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉ. संतलाल पटेल ने बताया कि निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में तैनात रेडियोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ और अल्ट्रासाउंड प्रशिक्षित चिकित्सकों की ड्यूटी 25 फरवरी तक जिला महिला अस्पताल में तिथिवार लगा दी गई है।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार दो फरवरी से डॉ. आलोक श्रीवास्तव, तीन को डॉ. सैयद रुखसार, चार को डॉ. जुवेरिया मेराज, पांच को डॉ. रागिनी श्रीवास्तव, छह को डॉ. जीएस त्रिपाठी, सात को डॉ. सीलिया, नौ को डॉ. कुसुम सिंह, 10 को डॉ. अरविंद मिश्रा, 11 को डॉ. ज्योत्स्ना शुक्ला ने दी है। 12 को डॉ. प्रतीत प्रताप गायकवाड़, 13 को डॉ. रंजना मोर, 14 को डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, 16 को डॉ. बीना मिश्रा, 17 को डॉ. अंकिता दयाल, 18 को डॉ. अनीता मिश्रा, 19 को डॉ. गुंजन भटनागर, 20 को डॉ. गौरी मलिक, 21 को डॉ. पल्लवी पांडेय, 23 को डॉ. किरन राव, 24 को डॉ. उदय प्रताप सिंह और 25 फरवरी को डॉ. शिवाली त्रिपाठी को सेवाएं देनी है।

पर्यावरणीय संकट

उपरहर क्षेत्र में टिकरी जंगल और कुंआनो नदी के किनारे फैला घना वन क्षेत्र कभी जैव विविधता का रहा है केंद्र

नदियों की गोद में बसा गोंडा : समृद्ध भूगोल से संकटग्रस्त विरासत तक

अभिषेक दूबे, नेचर क्लब, गोंडा

अमृत विचार : गोंडा अपनी विशिष्ट भौगोलिक बनावट और प्राकृतिक संपदा के लिए जाना जाता रहा है। उत्तर में कुंआनो नदी और दक्षिण में घाघरा (सरयू) के बीच बसा यह जिला मानो नदियों की गोद में पला-बढ़ा हरा-भरा स्वर्ग हो। यहां की धरती, जलस्रोत, जंगल और झीलें सदियों से जीवन और समृद्धि का आधार रहे हैं।

दो भौगोलिक हिस्सों में गोंडा बंटा है। भौगोलिक दृष्टि से गोण्डा को दो भागों- उपरहर और तरहर में विभाजित किया जाता है। उपरहर कुंआनो व टेढ़ी नदी के बीच स्थित ऊंचा पठारी क्षेत्र है और तरहर टेढ़ी नदी से घाघरा तक फैला मैदान, जो दक्षिण की ओर ढलान लिए हुए है। जनपद में उत्तर से दक्षिण की ओर लगभग 18 मी. की ढाल है। कौड़िया बाजार (उत्तर) की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 112 मी.है, जबकि लोलपुर (दक्षिण) में टेढ़ी-घाघरा संगम पर यह घटकर 94 मीटर रह जाती है।

तरहर की उर्वरता का ऐतिहासिक उल्लेख : 1905 के अवध गजेटियर में ब्रिटिश अधिकारी एचआर नेविल ने तरहर क्षेत्र की उर्वरता की प्रशंसा की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि 1896 के अकाल के दौरान कई हिस्सों में भुखमरी थी, तब टेढ़ी, सरयू और घाघरा के बाढ़ क्षेत्रों में मक्का की रिकॉर्ड पैदावार हुई थी। यह क्षेत्र बाढ़ की उर्वर मिट्टी से समृद्ध रहा है।

गोंडा को दो हिस्सों में बांटने वाली टेढ़ी नदी।

जंगल और जैव विविधता के साथ झीलों व तालाबों का जिला

उपरहर क्षेत्र में टिकरी जंगल और कुंआनो नदी के किनारे फैला घना वन क्षेत्र कभी जैव विविधता का केंद्र रहा है। यहां साल, महुआ, कुसुम, जामुन और अर्जुन के विशाल वृक्ष खड़े दिखाई देते थे। बेंत की झाड़ियां और बिशुही नदी के किनारे जामुन के वन इस क्षेत्र की पहचान रहे हैं। मनोरमा और चमनई जैसी नदियां भी उपरहर की प्राकृतिक धरोहर हैं। गोंडा में पार्वती, अरगा, कोंडर, बांके, पथरी, नौखान, सुहेला, भरथौली, बांकी जैसी बड़ी झीलें और सैकड़ों तालाब मौजूद रहे हैं। इन जलस्रोतों ने बाढ़ के पानी को सोखकर नुकसान कम किया और भूजल स्तर को बनाए रखा। तरहर क्षेत्र में कभी भूजल सतह से मात्र 5-10 फुट नीचे उपलब्ध था। किसान खेतों में 'चोड़ा' नामक गड्ढा खोदकर ढेंकुल से पानी निकाल लेते थे, जिससे सिंचाई आसान थी और भुखमरी की नौबत नहीं आई।

वर्तमान चुनौतियां : समृद्ध प्राकृतिक विरासत के बावजूद आज गोण्डा पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है। भूजल स्तर कई क्षेत्रों में दर्जनों फुट नीचे चला गया है। नदियां और झीलें अतिक्रमण और प्रदूषण से प्रभावित हैं। वन क्षेत्र और बाग घट रहे हैं। वन्यजीवों की संख्या में कमी आई है। जनसंख्या 40 लाख से अधिक हो चुकी है। कंक्रीट के विस्तार ने प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते जंगलों, नदियों, तालाबों और घास के मैदानों के संरक्षण की पहल नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध भूगोल को इतिहास की पुस्तकों में पढ़ेंगी। गोण्डा की पहचान उसकी नदियों, झीलों और हरियाली से रही है। अब आवश्यकता है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करते हुए इस प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं।

वैलिडेशन एक्ट निरस्त करने की पेंशनरों की मांग

बैठक करते पेंशनर्स। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में वैलिडेशन एक्ट समाप्त करने, 25 मार्च को काला दिवस मनाने तथा पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर जन-जागरण अभियान के अंतर्गत देवीपाटन मंडल में बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय पदाधिकारियों में इंजीनियर दिवाकर राय, कार्यकारी अध्यक्ष (सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर कल्याण संघ) एवं गुलाबचंद तिवारी, महामंत्री (सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ कल्याण परिषद) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बहराइच से संयोजक सरदार सरजीत सिंह एवं मंत्री रमेश चौधरी तथा गोंडा से संयोजक केवी सिंह एवं अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित देवीपाटन मंडल के सभी जनपदों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पेंशनर्स ने सहभागिता की। अध्यक्षता एन. वी. सिंह ने की। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों में वैलिडेशन एक्ट को लेकर गहरा आक्रोश देखा गया। सभी ने 25 मार्च को काला दिवस मनाने का संकल्प लिया। बैठक में शिक्षक संघ से वीरेंद्र नाथ पांडे, अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं पेंशनर्स की ओर से इंजीनियर दिलीप श्रीवास्तव, पी. पी. द्विवेदी, भोला नाथ पांडे सहित अनेक वरिष्ठ पेंशनर्स ने आंदोलन को मजबूती देने का आह्वान किया।

लालटेन जलाकर जनप्रतिनिधियों को दिखाया बिसुही पुल

दिन में लालटेन जलाकर बैठे युवा। ● अमृत विचार

इटियाथोक, गोंडा, अमृत विचार : राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं द्वारा बिसुही पुल निर्माण को लेकर पांचवें दिन भी हस्ताक्षर अभियान जारी रहा लेकिन आज प्रदर्शन का अनोखा तरीका देखने को मिला। छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं ने पुल के किनारे खड़े होकर लालटेन जलाकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडे ने बताया कि यहां के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को यह पुल दिखाई नहीं दे रहा है इसलिए आज इस दोपहर में ही लालटेन जलाकार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को पुल दिखाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम संयोजक युगांक मिश्रा ने बताया कि आज कार्यक्रम का पांचवा दिन है। अभी तक 5153 लोगों ने हस्ताक्षर कर पुल निर्माण के लिए समर्थन दिया है। इस मौके पर रीता वर्मा, नईम, अम्बरीष, अफजल, रंजीत पांडे, जाहिद आदि थे।

बसंतकालीन गन्ने की बोआई की दी जानकारी

खेत में गन्ने की बुवाई देखते अधिकारी। ● अमृत विचार

कटरा बाजार, गोंडा : मैजापुर चीनी मिल ने बसंत कालीन गन्ने की बुआई का क्षेत्रफल बढ़ाने, बीज उपलब्ध कराने एवं समस्याओं के निराकरण के लिए किसानों के बीच गोष्ठी का आयोजन किया। गन्ना उपायुक्त देवीपाटन मंडल डा .आर .बी .राम, जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह उपस्थित रहे। उप गन्ना आयुक्त ने बीज सुरक्षित रखने, बुआई के समय व तरीके में बदलाव करने, मशीनों के प्रयोग करने का सलाह दी। जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों से उन्नतशील प्रजाति के गन्ने के बीज को बोने को कहा। महाप्रबंधक गन्ना पीके प्रभात ने मिल द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर एपी सिंह, बालेंद्र सिंह, रामदेव शर्मा, कृपा शंकर आदि थे।

बूथों पर सक्रिय हो जाएं सपा कार्यकर्ता

एसआईआर बैठक में मौजूद सपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में बुधवार को विधानसभा मनकापुर क्षेत्र के ग्राम सभा उपाध्याय पुर ग्रांट में एसआईआर को लेकर बैठक हुई। इसे संबोधित करते हुए सयुस की प्रदेश महासचिव सुशीला गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं और वंचित समाज के लोगों का उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है। सपा जिला सचिव जयसेन सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपने बूथों पर मतदाताओं के फार्म भरवाएं। बैठक में शैलेन्द्र सिंह, रोहित यादव, शिव गुप्ता, शुभम यादव, रितेश चौधरी, अखिलेश वर्मा, दीपक पटवा, हंसराज समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर निकली कलश यात्रा

कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : ग्राम चरहुंआ के मजरा गोसाई पुरवा स्थित श्री परमेश्वर नाथ महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई कलश यात्रा चरहुंआ, परसपुर बाजार होते हुए भौरीगंज स्थित मां सरयू के तट पर पहुंची। वहां आचार्य श्यामधर शुक्ला के मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजन-अर्चन हुआ। मुख्य यजमान प्रेमचंद गोस्वामी ने पूजन संपन्न कराया। आयोजक मनोज कुमार गोस्वामी ने बताया कि ग्रामीणों में उत्साह है। कलश यात्रा में आनंद गोस्वामी, जगजीवन उर्फ पप्पू गोस्वामी, अशोक कुमार गोस्वामी, श्रीचंद गोस्वामी, शिव नरायन गोस्वामी, मुंशी लाल गोस्वामी, राजेश गोस्वामी, संदीप गोस्वामी, केतकी देवी, विनीता गोस्वामी, शालू गोस्वामी, मंजू आदि मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन चुनाव : एल्डर कमेटी की बैठक

गोंडा, अमृत विचार : बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव वर्ष 2026 - 27 को लेकर बुधवार को एल्डर कमेटी की बैठक संपन्न हुई, जिसमें 13 फरवरी को होने वाले चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई को लेकर पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों तथा सिटी मजिस्ट्रेट पत्र भेजने का निर्णय लिया गया। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि बार एसोसिएशन के भवन को 12 फरवरी को अधिग्रहीत कर लिया जाएगा, जिसको लेकर संगठन के अध्यक्ष राम बुझारथ द्विवेदी एवं महामंत्री संजय कुमार सिंह को सूचना दे दी गई है। इस दौरान एल्डर कमेटी के सदस्य गंगेश मिश्रा, अनिल देव शुक्ला, सिद्ध देव सिंह, शोएब मुस्तफा उस्मानी, मुख्य चुनाव कमेटी के सदस्य विवेक कुमार सिंह, इंद्र प्रकाश तिवारी, अमर कुमार श्रीवास्तव, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, दुर्गेश कुमार विश्वकर्मा मौजूद रहे।

अमृत विचार

गुरुवार, 12 फरवरी 2026

हम खेलना बंद नहीं करते, क्योंकि हम बूढ़े हो जाते हैं। हम बूढ़े हो जाते हैं, क्योंकि हम खेलना बंद कर देते हैं।

–जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश लेखक

डीपफेक पर शिकंजा

एआई के दौर में डीपफेक लोकतंत्र, निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। आईटी नियमों में हालिया संशोधन, डीपफेक और एआई-जनित सामग्री की नई परिभाषाएं, निर्दिष्ट सामग्री को शीघ्रता से हटाने का अनिवार्य प्रावधान नियामकीय ढांचे को ताकत देंगे। ये इस चुनौती से निबटने का सराहनीय प्रयास है। संशोधित नियमों में 'एआई-जनित या सिंथेटिक मीडिया', 'डीपफेक', 'मॉर्फ्ड या मैनिपुलेटेड कंटेंट' और 'भ्रामक लेबलिंग' जैसी स्पष्ट परिभाषाएं शामिल करने के बाद प्लेटफॉर्म का यह तर्क कि सामग्री 'यूजर-जनरेटेड' है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी सीमित है, कुतर्क में बदल गया है। अब यदि कोई ऑडियो-वीडियो एआई जनित है और उसे वास्तविक बताकर प्रसारित किया गया, तो साफ बताना होगा। गंभीर मामलों में शिकायत होने के तीन घंटे के भीतर सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को इसे हटाना या निष्क्रिय करना होगा। यह प्रावधान महत्वपूर्ण सोशल मीडिया इंटरमीडियरी, मैसेजिंग सेवाओं, वीडियो-शेयरिंग साइट्स और होस्टिंग प्रदाताओं सभी पर लागू होगा।

आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत प्लेटफॉर्म को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा मिलती है, यानी यूजर की पोस्ट के लिए वे स्वतः दोषी नहीं माने जाते। अब नए नियमों के तहत यदि प्लेटफॉर्म समयबद्ध तरीके से डीपफेक हटाने, लेबलिंग और शिकायत-निवारण अपनाएंगी, तभी उनकी सेफ हार्बर सुरक्षा बचेगी। इसका अर्थ है कि अब उनकी जिम्मेदारी अधिक है और बचाव की गुंजाइश थोड़ी कम, हालांकि इन संशोधनों के बाद भी यह चुनौती बाकी है कि नियम मुख्यतः शिकायत-आधारित हैं, कंटेंट हटाने की प्रक्रिया तब सक्रिय होती है, जब कोई यूजर शिकायत करे और सरकार उस संबंधित सामग्री को फ्लैग करे। डीपफेक का शिकार स्थानीय पुलिस के साइबर सेल में एफआईआर दर्ज करा सकता है, साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकता है अथवा ग्रिवेंस ऑफिसर को ईमेल के जरिये औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकता है। पर सवाल यह है कि हर यूजर दिन रात इसकी बात पर निगरानी नहीं रख सकता कि वह कब कहां और किस प्लेटफॉर्म पर डीपफेक का शिकार हो चुका है। इस मामले में आम उपयोगकर्ता विकल्पहीन नजर आता है, इसलिए भले ही एआई टूल्स सुलभ हैं और 'क्राइम-एज़-ए-सर्विस' मॉडल ने इसे संगठित अपराध का रूप दे दिया हो, नये नियमों के सख्त लेबलिंग, त्वरित टेकडाउन और ट्रेसबिलिटी से नुकसान को किंचित कम किया जा सके, लेकिन अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्लेटफॉर्म को प्रोएक्टिव मॉनिटरिंग, एआई-आधारित डिटेक्शन और जोखिम-आधारित फ्लैगिंग अपनानी ही होगी। सर्विस प्रोवाइडर समय सीमा में कार्रवाई नहीं करता, तो सेफ हार्बर तत्काल समाप्त होने, भारी जुर्माने के साथ उसके विरुद्ध आपराधिक मामला बनना चाहिए, लेकिन यहां स्पष्ट आर्थिक दंड और पीड़ित के लिए क्षतिपूर्ति तंत्र का अभाव है, जो नियमों को कमजोर बनाएगा। जब तक अनुपालन न करने पर ठोस दंड, जैसे- राजस्व-आधारित जुर्माना, अस्थायी निलंबन या लाइसेंस शर्तें स्पष्ट न हों, तब तक नियमों की प्रभावशीलता सीमित रहेगी।

प्रसंगवश

स्वराष्ट्र, स्वभाषा के पक्षधर थे महर्षि दयानंद सरस्वती

महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे युग पुरुष थे, जिन्होंने सामाजिक कुरीति उन्मूलन, स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन, सामाजिक समरसता के लिए काम कर समाज सुधार की नई क्रान्ति का सूत्रपात किया। उन्होंने देश में स्वराज्य तथा आजादी की भावना को सुदृढ़ किया। महर्षि दयानंद और उनका आदर्श था- 'कृण्वंतो विश्वमार्यम्' ॥ अर्थात, हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं, हम पूरे विश्व में श्रेष्ठ विचारों का, मानवीय आदर्शों का संचार करें, इसलिए, 21वीं सदी में आज जब विश्व अनेक विवादों में फंसा है, हिंसा और अस्थिरता में घिरा हुआ है, तब महर्षि दयानंद सरस्वती जी का दिखाया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार करता है।

उनका जन्म 12 फरवरी, 1824 को गुजरात के टंकारा में एक पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका नाम मूल शंकर तिवारी था। उनके माता-पिता यशोदाबाई और लालजी तिवारी

सुधांशु टाक

लेखक

समर्पित हिंदू थे। छोटी उम्र में ही उनमें आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो गई और उन्होंने मूर्ति पूजा, अनुष्ठानों और अंधविश्वासों पर प्रश्न उठाए।

19 वर्ष की उम्र में सांसारिक जीवन त्यागकर, वे सत्य की खोज में लगभग 15 वर्षों तक एक तपस्वी के रूप में भ्रमण करते रहे। उन्होंने मथुरा में स्वामी विरजानंद से शिक्षा प्राप्त की, जिन्होंने उन्हें हिंदू धर्म से भ्रष्ट प्रथाओं को समाप्त करने तथा वेदों के सच्चे अर्थ को पुनर्स्थापित करने के लिए काम करने का आग्रह किया। जब महर्षि दयानंद जी का जन्म हुआ, तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़कर अपनी आभा, अपना तेज, अपना आत्मविश्वास, सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रतिपल हमारे संस्कारों को, हमारे आदर्शों को, हमारे मूल्योंर को चूर-चूर करने की लाखों कोशिशें होती रहती थीं। जब किसी समाज में गुलामी की हीन भावना घर कर जाती है, तो आध्यात्म और आस्था की जगह आडंबर आना स्वाभाविक हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में महर्षि दयानंद जी ने आगे आकर वेदों के बोध को समाज जीवन में पुनर्जीवित किया। उन्होंने समाज को दिशा दी, अपने तर्कों से ये सिद्ध किया और उन्होंने ये बार-बार बताया कि खामी भारत के धर्म और परंपराओं में नहीं है। खामी है कि हम उनके वास्तविक स्वरूप को भूल गए हैं और विकृतियों से भर गए हैं।

स्वराष्ट्र, स्वभाषा, स्वभूषा, स्वसंस्कृति और स्वतंत्रता के प्रबलतम पक्षधर महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे दिव्य राष्ट्र पुरुष थे, जिनका संपूर्ण चिंतन और कार्य जहां आध्यात्मिकता से ओतप्रोत था, वहीं राष्ट्र उनके लिए प्रथम था। महर्षि दयानंद मानते थे कि व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति 'स्व' से ही प्रारंभ होती है। किसी भी क्षेत्र की पराधीनता व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के लिए अधोगति का कारण बनती है। पराधीन व्यक्ति चाह कर भी कुछ नहीं कर पाता है।

भारतवर्ष की स्वाधीनता के लिए एकदम साफ और बुलंद शब्दों में आवाज उठाने वाले सर्वप्रथम व्यक्ति महर्षि दयानंद ही थे और इसके लिए कष्ट और अमानवीयता की सीमा तक यातनाएं सहने वाले अधिकांशतः व्यक्ति देव दयानंद के अनुयाई और पथानुगामी ही थे। उसे समय के प्रायः सभी युगपुरुष और महापुरुष जहां कुछ एक क्षेत्र में कार्य करके अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ रहे थे वहां मात्र महर्षि दयानंद ने संपूर्ण क्रांति के लिए कार्य किया। अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश की रचना से भी पहले सन् 1874 में ऋषि दयानंद सरस्वती ने 'आर्याभिविनय' की रचना की थी। उसमें उन्होंने स्पष्ट लिखा था- 'अन्य देशवासी राजा हमारे देश में कभी शासन न करें। हम कभी पराधीन न हों।'

उत्तराखंड के लिए संजीवनी बनेगी होमस्टे की नीति

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नई नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि अकल्पनीय पर्यटन का विस्तार भी किया है।

पर्वतीय और पर्यटन राज्य की बेशुमार खूबियां समेटे उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नयी नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता है। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि अकल्पनीय पर्यटन का विस्तार भी किया है। प्रदेश के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे अलग से पहाड़ की लोक संस्कृति, परंपरा, संस्कार और स्थानीय उत्पादों की पहचान देश-विदेश में करवा रहा है। मात्र 10 वर्षों में होमस्टे का प्रचलन राज्य के कोने-कोने में पैर जमाने में सफल हुआ है।

अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या रोजगार की थी जिस कारण ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं को मजबूरन पलायन करना पड़ रहा था और पलायन रोकना ही प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी चुनौती रहती आई है। रोजगार के अभाव में प्रदेश में गांव के गांव वीरान होने लगे थे। इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कोई युक्ति नहीं थी, लेकिन करीब दस वर्ष पहले होमस्टे का कॉन्सेप्ट वापसी की लौ बनकर सामने आया। यह देखने में बेहद मामूली नजर आ रहा था, लेकिन रोजगार के साथ पर्यटन के विस्तार का बड़ा मार्ग था। कुछ वर्ष यूं ही बीत गए और करीब छह बरस पहले इसके महत्व को समझते हुए प्रदेश सरकार ने होमस्टे को आगे ले जाने के लिए युवाओं को इससे जोड़ने व प्रेरित करने का अभियान शुरू कर दिया।

दरअसल, यह पर्यटन की ऐसी अवधारणा थी, जिसमें खर्च न के बराबर और आकर्षण अनूठा था। अधिक कुछ न कर पुराने घरों को संवारना था और पर्यटक के रूप में आने वाले मेहमानों को घर जैसे प्यार के साथ आवभगत करना था। कुमाऊं और गढ़वाल की संस्कृति सैकड़ों वर्ष पुरानी है, जो देश और दुनिया में अलग पहचान रखती है, लेकिन इसका विस्तार तभी संभव था, जब महानगरों से लोग आएं और यहां की संस्कृति, सौहार्द, खान-पान और रहन-सहन की अनुभूति को अनुभव कर सकें।

प्रदेश के पारंपरिक कुमाऊंनी, गढ़वाली घर मिट्टी-पत्थर और लकड़ी से बने होते हैं। पर्यावरण संरक्षण की झलक और उदाहरण देते प्रतीत होते हैं। पर्यटकों के लिए यह ऐसा आकर्षण और अनुभव है, जो कल्पना से परे होता है। मगर इस अहसास को जगाने के लिए सैलानियों की मौजूदगी बेहद जरूरी थी। इस बीच कोविड महामारी शुरू हो गई। यह महामारी अभिशाप जरूर थी, लेकिन राज्य के होमस्टे का सुहाना सफर यहीं से शुरू हुआ। पलायन कर चुके युवाओं का रिवर्स पलायन शुरू हो गया और उनके लिए उन्हें जब होमस्टे के बारे में पता लगा तो उन्हें अपने सपनों का संसार घर में बसाने का सुनहरा अवसर मिल गया।

एक खास बात यह भी है कि उत्तराखंड की एक विशेष पहचान कुकिंग को लेकर भी रही है। गांव छोड़ महानगरों की शरण लेने वाले लोगों में एक तबका बड़े-नामी होटलों में खाना बनाने में माहिर माने जाते हैं। यह ऐसा हुनर है, जो होमस्टे की सफलता की बुनियाद है। यही वजह है कि वर्तमान में प्रदेशभर में 6545 होमस्टे सफलता के साथ संचालित हो रहे है और 20 हजार से अधिक लोग इन होमस्टे में आजीविका कमाने के साथ अपनी जड़ों से वापस जुड़ रहे हैं।

इसमें जरा भी संदेह नहीं कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता दुनिया में अलग और बेपनाह खूबसूरत है। इधर, होमस्टे ने जहां रोजगार की दिशा में बड़ा कदम उठाया, वहीं प्रदेश की तमाम खूबियों के चलते देश-विदेश के लोगों के प्रति आकर्षण पैदा किया है। देवभूमि की बड़ी विशेषता यहां का भोजन है, जो औषधि का काम करता है। गहत और भट्ट की दाल और राजमा का कोई सानी नहीं। इसके अलावा बिच्छू समेत पहाड़ी सब्जियों का भंडार ग्रामीण अंचलों में उपलब्ध है, जो शहरों की हाईब्रिड सब्जियों से कहीं अधिक उत्तम व ऑर्गेनिक है। भाग दौड़ भरी जिंदगी से पहाड़ों का सुकून व शांति का वातावरण पर्यटकों को बेहद भाने लगा है। आदर सत्कार, स्नेह, प्रेम और संस्कार, जो होटलों में संभव नहीं, वह होमस्टे में मिलता है। कम खर्च और ढेर सारी मौज-मस्ती का आनंद होमस्टे में मिल जाता है। यही वजह है कि वर्तमान में होटलों की जगह होमस्टे की मांग बढ़ने लगी है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट ने बीते माह होमस्टे योजना को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए अहम बदलाव किए। इसके अनुसार, अब केवल उत्तराखंड के स्थायी निवासी ही होमस्टे योजना का लाभ उठा सकते हैं, हालांकि अन्य राज्यों के होम स्टे संचालक बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना में शामिल होंगे, जिन्हें जीएसटी और व्यावसायिक दरों पर बिजली-पानी मिलेगा। नई 'उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026' का स्पष्ट उद्देश्य स्थानीय निवासियों के हितों की रक्षा करना है।

इस योजना के बड़े फायदों में, स्थानीय निवासियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और रिवर्स पलायन में यह योजना संजीवनी का काम करेगी। पहाड़ की जवानी पहाड़ के ही काम आएगी। स्थानीय होने के चलते वे स्वयं पहाड़ व अपने आसपास की संस्कृति, विशेषताओं से मेहमान पर्यटकों को बता सकेंगे। स्थानीय होम स्टे संचालकों को बिजली और पानी की सुविधा घरेलू दरों पर मिलने से उनकी लागत भी कम होगी।

पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी कहते हैं कि होमस्टे दूरदराज के ग्रामीण अंचल के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्रदेश की बड़ी आबादी दूर गांवों में रहती है, जहां रोजगार के रूप में होमस्टे लोगों का जीवन स्तर बदल रहा है। होमस्टे खोलने को लेकर सरकार 50 प्रतिशत की सब्सिडी दे रही है, तो बैंक से मिलने वाले ऋण में बैंक ब्याज में 50 फीसद छूट दे रहा है। होमस्टे ने रिवर्स पलायन में बड़ी भूमिका निभाई है। ग्रामीण विकास और पलायन आयोग की रिपोर्ट 2025 के अनुसार 6000 से अधिक प्रवासी अपने गांवों में लौटकर अधिकांश होमस्टे का स्वरोजगार कर रहे हैं।

आमने

आपने भारत बेच दिया है। क्या आपको भारत बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। आपको पता है उन्होंने भारत क्यों बेचा? क्योंकि वे उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। हम प्रधानमंत्री की आंखों में डर देख सकते हैं।

–राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

सामने

आपने कहा कि इन्होंने देश बेच दिया, पर मैं कहना चाहता हूं कि आज तक कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ, जो देश को बेच सके और न कोई है जो हमारे देश को खरीद सके। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस देश के अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

–किरेन रिजिजू
संसदीय कार्यमंत्री

बजट: चुनावी रेवड़ियों की जगह मजबूत रोडमैप

मनोज त्रिपाठी

कानपुर

यूपी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं से परहेज करता हुआ जनता के विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है।

उत्तर प्रदेश में 2027 के पूर्वार्द्ध में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन इसके बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं, लोक लुभावन योजनाओं और मुफ्त की रेवड़ियों से परहेज करता हुआ जनता के उस विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है, जिसे सरकार ने नौ सालों में पूरी शिद्दत के साथ अर्जित किया है। इसी कारण वित्तीय वर्ष 2026-27 का सरकार का बजट जो कि 9,12,696 करोड़ रुपये के साथ आकार में अब तक का सबसे बड़ा है, वित्तीय लेखा-जोखा से ज्यादा, सरकार की आर्थिक सोच, राजनीतिक प्राथमिकताओं और प्रशासनिक क्षमताओं का बखान करने के साथ स्वाभाविक रूप से महत्वाकांक्षी और रणनीतिक रहते हुए विकसित यूपी का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

यदि समग्र आकार और संरचना पर नजर डालें, तो यह बजट पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विस्तारवादी है। कुल परिव्यय पिछले साल की तुलना में करीब 12.2 फीसदी ज्यादा है। इसके साथ ही वित्तीय अनुशासन और पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर खास फोकस है। पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) में वृद्धि के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि प्रदेश केवल कल्याणकारी योजनाओं पर ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे पर भी निवेश कर रहा है। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो विस्तार, डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक पार्क, एग्री-एक्सपोर्ट हब, नए मेडिकल कॉलेज, एआई मिशन, प्लेसमेंट सेंटर्स आदि, ये सब मिलकर उस नए उत्तम प्रदेश की तस्वीर पेश करते हैं, जिसे सरकार निवेश-हितैषी और आधुनिक बनाना चाहती है, हालांकि पूंजीगत व्यय के साथ राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखना आसान नहीं होता। यदि राज्य का कर्ज अनुपात बढ़ता है, तो भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ बढ़ सकता है। सरकार ने इसे लेकर संतुलन का दावा किया है, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और केंद्र से मिलने वाले अनुदान पर निर्भरता को देखते हुए उसे वित्तीय प्रबंधन की परीक्षा देना अभी बाकी है।

सरकार जब प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 20 हजार होने और छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का आंकड़ा पेश करती है, तो यह बताना नहीं भूलती कि अर्थव्यवस्था का हाल पहले क्या था और किस तरह वह राज्य की अर्थव्यवस्था को एक डॉलर ट्रिलियन बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इसी क्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का यह बताना कि उत्तर प्रदेश देश की तीन टॉप अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में प्रदेश की रैंकिंग 2018-19 में 29वें स्थान से सुधरकर 2023-24 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है।

फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में करीब 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार पैदा होने की संभावना है। अब तक 16 हजार से ज्यादा परियोजनाओं के लिए लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी हैं, तो योगी सरकार के इसी दावे पर मुहर लगती है कि उसके पिछले और वर्तमान कार्यकाल में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है, चाहे कानून व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण हो, अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो, औद्योगिक निवेश या रोजगार सृजन हो, महिलाओं का सशक्तीकरण हो या युवाओं का कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली हो या गरीबी उन्मूलन। इन सारी बातों से सरकार यही संदेश हर किसी तक पहुंचाना चाहती है कि अब तक की बदलाव की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए इस बार का बजट भी प्रदेश के संतुलित विकास, विशेषकर युवाओं और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है, ताकि राज्य को देश की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाया जा सके।

बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित किया गया है। विशेष रूप से सड़कों और फ्लाईओवर के निर्माण पर 34,468 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मुख्य राजमार्ग, बाईपास, ग्रामीण सड़कों और पुलों के विस्तार पर तेजी से काम होगा। फिलहाल प्रदेश में सात एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक दौड़ रहा है, तीन एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। अब चार और नए एक्सप्रेसवे बनने की घोषणा से सरकार का इरादा साफ है कि प्रदेश के हर जिले को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जाए, ताकि परिवहन सुविधाएं मजबूत हों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, क्योंकि यही वह बिंदु है, जिससे लोगों में विकास होने की आम राय बनती है।

निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। बेहतर सड़क नेटवर्क से औद्योगिक क्षेत्रों तक माल की ढुलाई आसान होने से लॉजिस्टिक्स लागत कम होती है और व्यापार-कारोबार बढ़ता है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में सड़कों के विस्तार से किसानों की बाजार तक पहुंच आसान होने से उनकी आय में सुधार आ सकता है। बजट का दूसरा सबसे प्रमुख हिस्सा टेक्नोलॉजी और एआई मिशन है, जिसमें राज्य को आईटी हब बनाने का संकल्प है।

सोशल फोरम

फिर चित्रा ने नहीं गाया

1975-76 के लगभग जगजीत-चित्राजी का पहला LP रिकार्ड Unforgettables आया, उसके बाद ही हिंदुस्तान में ही नहीं, एक हद तक पाकिस्तान में भी गज़ल गायकी का जैसे ट्रेंड ही बदल गया। उस समय ग़ज़ल गायकी में ग्रेट मेंहदी हसन बहुत बड़ा नाम थे और भारत में तलत महमूद थे और भी बड़े-बड़े शास्त्रीय ग़ज़ल गायक थे

रश्मि त्रिपाठी

ब्लॉगर

उस दौर के, किंतु जगजीत सिंह एक ऐसा नाम उभरा जो जीवन का अंत होने के समय तक निरंतर शोहरत की बुलंदियों पर चढ़ता चला गया। बिना इस बात की परवाह किए कि बाकी गायक कितने बड़े और शोहरतमंद हैं?

अपनी सरल गायकी और मखमली आवाज़ के बल पर जगजीत सिंह न केवल खुद जन-जन के प्रिय होते चले गए, अपितु उन्होंने ग़ज़ल को भी अपार लोकप्रियता दिलाई। ग़ज़ल जो कुछ 'एलीट क्लास' की बैठकों के शौकीनों की शोभा मात्र हुआ करती थीं, अब आम लोगों में गुनगुनाने की चीज़ बन गई। बात यहां तक आ गई कि लोकप्रिय फिल्मी गीतों की तुलना में भी जगजीत जी को अधिक शोहरत मिलने लगी।

कुछ वर्षों के इस सफर के बाद जगजीत सिंह को हिंदी सिनेमा में गाने का मौका भी मिल गया। 'तुम इतना जो मुस्करा रहे हो' या फिर 'होठों से छू लो तुम,मेरा गीत अमर कर दो' जैसे अनेक कालजयी फिल्मी गाने जगजीत सिंह की गायकी और उन्हीं की मौसिक़ी से निकले थे। इससे पहले 1967 में जब जगजीत काम ढूंढ रहे थे, तब उनकी मुलाकात चित्रा दत्ता से हुई। चित्रा उस वक्त शादीशुदा थीं। वो मुंबई में जहां रहती थीं। उनके सामने वाले घर में जगजीत का आना-जाना लगा रहता था और यहीं पर दोनों की मुलाकात हुई थी।

धीरे धीरे वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे और अलग सी बात ये थी कि जगजीत ने उनके पति देबू प्रसाद दत्ता से उन्हे मांग लिया था। दिसंबर 1969 में चित्रा ने अपने पति को तलाक देकर जगजीत सिंह से शादी कर ली। कहते हैं कि देबू दत्ता का भी कहीं और अफेयर था, इसलिए उनको भी तलाक में सुविधा हो गई।

चित्रा-जगजीत दोनों एक साथ एक के बाद एक कॉन्सर्ट लगातार करते जा रहे थे। शोहरत-दौलत दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। साल 1980 तक जगजीत सिंह गजल किंग बन चुके थे। इसी समय उनके एक मात्र पुत्र विवेक की 1990 में एक एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई। दोनों ने गाना छोड़ दिया। कुछ दिन बाद जगजीत सिंह तो रोमांटिक न सही, लेकिन थोड़े बदले मिज़ाज़ के गीत-गजल गाने लगे, लेकिन चित्रा ने फिर नहीं गाया। **–फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

ईयू-यूएस से व्यापारिक समझौता सुनहरा मौका

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब भारतीय निर्यातकों को 50 प्रतिशत शुल्क के स्थान पर सिर्फ 18 प्रतिशत शुल्क ही देना होगा, किंतु यह भी सत्य है कि पहले यह शुल्क मात्र 2.9 प्रतिशत ही था। यह दोनों समझौते भारत को विश्व पटल पर मजबूत स्थिति में खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि भारत यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा जा सकता है, तो भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सभी समझौतों का जनक माना जा सकता है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया जाने वाला शुल्क अब 18 प्रतिशत रह जाएगा, हालांकि भारतीय यूरोपीय संघ समझौता अपने आप में महत्वपूर्ण है, किन्तु भारत द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार अमेरिका से निर्यात को विविधतापूर्ण बनाना भी एक कठिन प्रयास था, जिसमें भारत को अंततः सफलता प्राप्त हुई। यह समझौता

प्रो. रिपुदमन सिंह

शिक्षाविद्

न केवल भारत की व्यापार स्थिति को बहाल करेगा, बल्कि दशकों पुराने भारत-अमेरिका राजनयिक संबंधों को भी मजबूत करेगा, जिनमें हाल ही में तनाव के संकेत दिखाई दिए थे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते ने भारतीय उद्योगों को राहत की सांस लेने का मौका प्रदान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह दावा कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा भी चुनौतीपूर्ण है, भारत को इस पर ध्यान देना होगा, क्योंकि रूसी तेल पूरी तरह बंद करने पर भारत को अपने एक तिहाई तेल की आपूर्ति के लिए विकल्प तलाशना होगा तथा रूस के साथ भारत के संबंध पर भी असर पड़ेगा। रूस भारत का लंबे समय से मित्र और रक्षा उपकरणों का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। यह कदम भारत के लिए संबंधों को पुनर्गठन करने जैसा होगा। इसी तरह वेनेजुएला से अधिक कच्चा तेल खरीदना शोधन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न करेगा।

इसके अतिरिक्त यह भी विचारणीय है कि भारत ने अमेरिका को टैरिफ रियायतों निवेशों और खरीद आदेशों के संदर्भ में क्या प्रतिबद्धतायें निर्धारित की हैं, क्योंकि ट्रंप और उनकी टीम, संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी उत्पादों के आदान-प्रदान किए जाने का दावा कर रहे हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्री ने ट्रंप के इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं दी है, लेकिन अमेरिकी व्यापार समझौते ने एक उम्मीद की किरण तो दी है, क्योंकि इससे शेयर बाजारों में तेजी आई है, रुपये को मजबूती मिली है और कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते और इंजीनियरिंग सामान जैसे श्रम प्रधान उद्योगों में उत्साह का माहौल है।

व्यापार के मोर्चे पर भारत के वस्त्र और चमड़ा निर्यातकों को त्वरित लाभ मिलने की संभावना है। वर्तमान में खेल सामग्री, रत्न और आभूषणों के निर्यातकों को उच्च टैरिफ के चलते कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था और यह निर्यातक 10-20 प्रतिशत तक नुकान उठा रहे थे। यह डैडम् क्षेत्र में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत वस्त्र और परिधान का 28 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को करता है, जो भारतीय चमड़े और खेल सामग्री का भी बहुत बड़ा बाजार है। भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता भारत के इतने बड़े निर्यात को इतनी जल्दी समायोजित करने की स्थिति में संभवतः नहीं था, किंतु एक वैकल्पिक व्यवस्था बनने की स्थिति में जरूर आगे आ सकता है। अमेरिकी रणनीतिकार संभवतः इसी संभावना को भांपने में सफल रहे हैं और भारत-अमेरिका समझौते को अति शीघ्र लागू करने के लिए तत्पर हो गए हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता का एक व्यापक रणनीतिक उद्देश्य भी है, यह द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने में भी मदद करेगा, जो नागरिक परमाणु समझौते के बाद से लगातार मजबूत होते गए हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे बना शैंपू शब्द

आज शैंपू हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक सामान्य शब्द बन चुका है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका जन्म भारत में हुआ और यह शब्द हिंदी-उर्दू नहीं, बल्कि संस्कृत मूल से होकर अंग्रेजी तक पहुंचा। 'शैंपू' शब्द की कहानी औपनिवेशिक भारत, आयुर्वेद और पश्चिमी संस्कृति के आपसी संपर्क से जुड़ी है। 'शैंपू' शब्द की जड़ संस्कृत के शब्द 'चम्पू' (Champu) में मिलती है। 'चम्पू' का अर्थ होता है-दबाना, मलना या मालिश करना। प्राचीन भारत में सिर और शरीर की तेल मालिश को 'चम्पू' कहा जाता था। यह केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का भी महत्वपूर्ण हिस्सा था। आयुर्वेद में सिर की मालिश को तनाव दूर करने, रक्तसंचार बढ़ाने और बालों को स्वस्थ रखने का प्रभावी उपाय माना गया है।

17वीं-18वीं शताब्दी में जब ब्रिटिश व्यापारी और अधिकारी भारत आए, तो उन्होंने यहां की मालिश और स्नान पद्धतियों को देखा। बंगाल में 'चम्पू' एक प्रचलित प्रक्रिया थी, जिसमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक तत्वों से सिर की सफाई और मालिश की जाती थी। अंग्रेजों ने इस शब्द को अपने उच्चारण के अनुसार 'Shampoo' कहना शुरू कर दिया। सन 1762 में यह शब्द पहली बार अंग्रेजी शब्दकोश में दर्ज हुआ। शुरुआत में 'शैंपू' का अर्थ केवल सिर की मालिश या शरीर को मलने की क्रिया था, न कि किसी तरल पदार्थ का नाम। बाद में, 19 वीं शताब्दी में जब तरल साबुन और बाल धोने वाले उत्पाद विकसित हुए, तब इस प्रक्रिया से जुड़े उत्पाद को ही 'शैंपू' कहा जाने लगा। इस प्रकार, 'शैंपू' केवल एक कॉस्मेटिक उत्पाद नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की देन है, जो संस्कृत से चलकर औपनिवेशिक रास्तों से होती हुई पूरी दुनिया की भाषाओं में शामिल हो गई। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपराओं का वैश्विक प्रभाव कितना गहरा और स्थायी रहा है।

नोटिस बोर्ड

- बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। उन्हें रोजगार पाने के लिए बहुत जल्द सुनहरा अवसर मिलेगा। जिला सेवा योजन विभाग, अमेठी की ओर से 26 फरवरी को आरआरपीजी कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक नामी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। मेले के माध्यम से 2000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। मेले में कक्षा आठवीं पास से लेकर स्नातक, परास्नातक, बीटेक, आइटीआइ और पॉलिटेक्निक उत्तीर्ण युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर ही साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और बायोडाटा साथ ले जाएं।

- बरेली कॉलेज के ललितकला विभाग ने बीए प्रथम सेमेस्टर चित्रकला विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। विभागीय सूचना के अनुसार बैक और रेगुलर दोनों श्रेणी के विद्यार्थियों की परीक्षा 14 फरवरी को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। परीक्षा ललितकला विभाग में ही संपन्न होगी। विभाग के प्रभारी प्रो. एबीएल. लखटकिया ने छात्रों को निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा के दिन निर्धारित समय से कम से कम आधा घंटा पहले विभाग में उपस्थित रहें, ताकि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय पर पूरी की जा सकें और परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो।

भारत में हर साल लाखों युवा बड़े सपनों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी में दाखिला लेते हैं। परिवार उम्मीद करता है कि चार साल की पढ़ाई के बाद बच्चा अच्छी नौकरी पाएगा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा और समाज में सम्मान पाएगा, लेकिन आज की सच्चाई यह है कि डिग्री मिलने के बाद भी नौकरी मिलना किसी जुए से कम नहीं रह गया है। टीमलीज एडटेक की ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 75 प्रतिशत कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने छात्रों को जॉब-रेडी स्किल्स देने में नाकाम हो रहे हैं। यानी डिग्री तो मिल रही है, लेकिन नौकरी के लायक नहीं है। यह सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

राजेश जैन
लेखक

75% कॉलेज छात्रों को नहीं दे पा रहे जॉब वाली स्किल्स

डिग्री की फैक्ट्रियां बनते जा रहे हैं कॉलेज

आज बड़ी संख्या में संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियों में बदल चुके हैं। क्लासरूम में थ्योरी पढ़ाई जाती है, पुराने सिलेबस रटाए जाते हैं, लेकिन असली दुनिया की जरूरतों से छात्रों का कोई संपर्क नहीं होता। नतीजा यह होता है कि छात्र पास होकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें यह तक नहीं पता होता कि इंडस्ट्री उनसे क्या चाहती है। आज कंपनियों को ऐसे युवा चाहिए जो टेक्नोलॉजी समझते हों, कम्युनिकेशन में मजबूत हों, प्रॉब्लम सॉल्विंग कर सकें, प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस रखते हों, लेकिन ज्यादातर कॉलेज इन स्किल्स पर काम ही नहीं करते।

प्लेसमेंट का कड़वा सच

कागजों में कई संस्थान 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत छात्रों को छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। बाकी छात्रों को या तो बहुत कम सैलरी वाली नौकरी मिलती है या फिर वे बेरोजगार घूमते रहते हैं या किसी दूसरे कोर्स की तैयारी करने लगते हैं। यह स्थिति उन माता-पिता के लिए भी चिंता का विषय है, जो भारी फीस भरकर बच्चों को प्राइवेट कॉलेजों में पढ़ाते हैं। इंडस्ट्री और पढ़ाई के बीच गहरी खाई आज की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष यही है कि पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतों में तालमेल नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों के कोर्स पूरी तरह इंडस्ट्री-फ्रेंडली हैं, 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं। मतलब आधे से ज्यादा कॉलेज ऐसे हैं, जहां पढ़ाया कुछ और जाता है और नौकरी में चाहिए कुछ और।

क्लासरूम में इंडस्ट्री का अनुभव नदारद

अगर कॉलेजों में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स पढ़ाएं, तो छात्रों को असली दुनिया की समझ मिले, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों में ही 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है। बाकी जगह वही पुराने प्रोफेसर, वही पुराने नोट्स, वही पुरानी थ्योरी। छात्रों को यह नहीं बताया जाता कि आज जॉब मार्केट कैसे बदल रहा है, नई भूमिकाएं क्या हैं, कंपनियां किस तरह की स्किल्स ढूंढ रही हैं।

सर्टिफिकेट्स से दूरी

आज कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं देखतीं, वे मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। जैसे-एआई और डेटा साइंस सर्टिफिकेट, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने इन सर्टिफिकेट्स को अपने कोर्स में शामिल करने पर कभी सोचा ही नहीं। नतीजा ये हुआ छात्र ऐसे स्किल्स के बिना ग्रेजुएट होते हैं, जिन्हें कंपनियां तुरंत पहचान सकें।

इंटर्नशिप: नाम की, काम की नहीं

नौकरी से पहले इंटर्नशिप सबसे जरूरी कदम होती है। यहीं से छात्र सीखते हैं-ऑफिस कल्चर, टीमवर्क, असली प्रोजेक्ट पर काम, लेकिन भारत में सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्स के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है और 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। यानी लाखों छात्र बिना किसी प्रैक्टिकल अनुभव के सीधे जॉब मार्केट में उतर जाते हैं। फिर कंपनियां कहती हैं-आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है।

लाइव प्रोजेक्ट्स भी गायब

लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स छात्रों को रियल वर्ल्ड प्रॉब्लम सॉल्विंग सिखाते हैं, लेकिन सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही ऐसे प्रोजेक्ट कराए जाते हैं। बाकी जगह थ्योरी पढ़ाओ, एग्जाम लो, डिग्री दो और मामला खत्म।

एलुमनाई नेटवर्क की कमजोरी

पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की ताकत होते हैं। वे मेंटरशिप दे सकते हैं, रेफरल दिला सकते हैं, जॉब के मौके खोल सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 5.44 प्रतिशत संस्थानों के पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है। यानी कॉलेज अपने ही पुराने छात्रों की ताकत का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे।

इसका असर सिर्फ छात्रों पर नहीं, देश पर भी-जब युवा बेरोजगार रहते हैं, तो इसका असर सिर्फ परिवार पर नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। उत्पादकता घटती है, मानसिक तनाव बढ़ता है, स्किल गैप बढ़ता है, माइग्रेशन बढ़ता है, डिग्रीधारी बेरोजगारी, देश के लिए सबसे खतरनाक संकेतों में से एक है।

यह है समाधान

रिपोर्ट साफ कहती है कि अब बदलाव विकल्प नहीं, मजबूरी है। इसके लिए इंडस्ट्री-अनुकूल सिलेबस, अनिवार्य इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की भागीदारी, सर्टिफिकेट कोर्स, मजबूत एलुमनाई नेटवर्क, कॉलेजों को सिर्फ पढ़ाने की नहीं, रोजगार दिलाने की जिम्मेदारी लेनी होगी।

सरकार की भूमिका भी अहम

नई शिक्षा नीति सही दिशा में कदम है, लेकिन जमीन पर उसका असर अभी सीमित है। सरकार को चाहिए कि कॉलेजों की जवाबदेही तय करे, प्लेसमेंट डेटा पब्लिक करे, स्किल-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा दे, इंडस्ट्री पार्टनरशिप अनिवार्य बनाए, छात्रों को भी जागरूक होना होगा। आज का छात्र सिर्फ डिग्री पर निर्भर नहीं रह सकता। उसे खुद भी ऑनलाइन स्किल्स सीखनी होंगी, इंटर्नशिप ढूंढनी होगी, नेटवर्क बनाना होगा, इंडस्ट्री ट्रेंड समझना होगा। अगर भारत की हायर एजुकेशन सिस्टम आज नहीं सुधरा तो आने वाले सालों में डिग्रियों की भीड़ होगी, लेकिन नौकरियों की कमी। यह संकट सिर्फ शिक्षा का नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकट है। अब वक्त है डिग्री फैक्ट्रियों को रोजगार केंद्रों में बदलने का।

कैंपस में पहला दिन

जीवन को सोचने व समझने की यात्रा

आज भी स्मृतियों में किसी ताजी सुबह की तरह कॉलेज का पहला दिन चमकता है। स्कूल की सुरक्षित और जानी-पहचानी दुनिया से निकलकर बीएससी की छात्रा के रूप में कॉलेज की देहरी पर कदम रखना मेरे लिए उत्साह और संकोच दोनों का मिला-जुला अनुभव था। हाथ में नई फाइल, कंधे पर बैग और मन में अनगिनत सवाल, क्या मैं यहां अपने सपनों के करीब पहुंच पाऊंगी?

कृष्णा चौहान
बीएससी छात्रा, एसएस कॉलेज, शाहजहांपुर

कॉलेज का विशाल परिसर देखते ही मन आश्चर्य से भर उठा। ऊंची इमारतें, हरे-भरे पेड़, भागते हुए छात्र, कहीं हंसी की आवाजें तो कहीं गंभीर चेहरों पर किताबों का बोझ, सब कुछ नया था। विभाग की ओर बढ़ते कदमों के साथ दिल की धड़कनें तेज होती जा रही थीं। बीएससी की छात्रा होने का गर्व तो था, लेकिन साथ ही यह डर भी कि विज्ञान जैसे गंभीर विषय को संभाल पाऊंगी या नहीं। पहली कक्षा का अनुभव कभी नहीं भूल सकती। प्रयोगशाला में रखे चमकते उपकरण, रसायनों की हल्की गंध और दीवारों पर टंगे वैज्ञानिकों के चित्र मुझे एक अलग ही दुनिया में ले गए। जब पहली बार अध्यापक ने अपना परिचय दिया और विषय की महत्ता समझाई, तब महसूस हुआ कि यह सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि जीवन के सोचने और समझने की एक नई यात्रा है। सबसे सुकून देने वाला पल तब आया, जब कुछ अनजान चेहरे

मुस्कान में बदल गए। पास बैठी छात्रा से हुई छोटी-सी बातचीत दोस्ती की शुरुआत बन गई। लगा जैसे डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास में बदल रहा हो। कैंटीन की पहली चाय और हल्की-फुल्की बातचीत ने उस दिन को और यादगार बना दिया।

शाम को कॉलेज से लौटते समय मन में थकान नहीं, बल्कि एक अजीब-सी खुशी थी। लगा, जैसे जीवन का नया अध्याय शुरू हो चुका है। आज जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो समझ में आता है कि वह पहला दिन सिर्फ कॉलेज का नहीं था, बल्कि मेरे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में पहला कदम था, जो आज भी मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया है, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नियम और कड़े हो गए हैं। संशोधित आईटी नियम 2021 के तहत अब एआई-जनित (AI-generated) सामग्री पर "स्पष्ट और प्रमुख" लेबल लगाना अनिवार्य होगा और अवैध सामग्री हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर केवल तीन घंटे कर दी गई है। ये बदलाव 20 फरवरी 2026 से लागू होंगे।
- भारत और सेशेल्स के द्विपक्षीय संबंध एक नए रणनीतिक स्तर पर पहुंचा गए हैं। हाल ही में सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने सततता, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए सुदृढ़ संपर्कों के माध्यम से संयुक्त दृष्टि (SESEL) की घोषणा की। यह पहल हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका और एक करीबी समुद्री साझेदार के रूप में सेशेल्स के महत्व को रेखांकित करती है, जिसमें सुरक्षा, विकास और जन-केंद्रित सहयोग को केंद्र में रखा गया है।
- हाल ही में नीति आयोग ने आंध्र प्रदेश के लिए एक महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा योजना पेश की है। इस नीति ब्लूप्रिंट का उद्देश्य वर्ष 2035 तक आंध्र प्रदेश को भारत के प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा हब में बदलना है। घटती बिजली लागत और बड़े क्षमता विस्तार के साथ आंध्र प्रदेश को भविष्य में देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
- हाल ही में वैश्विक खेल प्रशासन के लिए एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने ईरान से अपनी पहली महिला सदस्य का चुनाव किया है। ईरानी बैडमिंटन खिलाड़ी सोरया अघाई हाजिआगहा को 4 फरवरी इटली के मिलान में आयोजित 145 वें IOC सत्र के दौरान निर्वाचित किया गया। इस चुनाव के साथ ही वे IOC की वर्तमान सबसे कम उम्र की सदस्य भी बन गई हैं।
- भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने नई दिल्ली में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवां स्थान हासिल करने के पांच दिन बाद दर्ज की। डबल शूट-ऑफ के बीच मनु ने मानसिक मजबूती दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह 25 मीटर पिस्टल में उनका पहला व्यक्तिगत सिल्वर मेडल है।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, अधिकारी
- पदों की संख्या- (1763 क्लर्क + 313 अधिकारी) 2076 पद
- सैलरी/पे स्केल क्लर्क : लेवल-4 (Rs. 19,500-62,000) 7 वां पे स्केल / लेवल-7 (Rs. 28,700-91,300) / 6 वां पे स्केल (Rs. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा -18 से 35 वर्ष (40 वर्ष छूट के साथ), कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा) : 18 से 55 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि- 20 फरवरी 2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

- पद का नाम- ग्रुप सी पदों के लिए भर्ती (विभिन्न विभाग / बोर्ड / निगम)
- सीईटी ग्रुप सी पर आधारित- विज्ञापन नंबर 01/2025 क्वॉलिफाइड कैंडिडेट
- पदों कि संख्या -4227
- एप्लीकेशन शुरू होने की तारीख- 9 फरवरी 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23 फरवरी 2026
- ऑफिशियल वेबसाइट www.hssc.gov.in

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

- पद का नाम- डिप्टी जनरल मैनेजर (इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स), डिप्टी जनरल मैनेजर (माइक्रोवेव), दूसरे पोस्ट (डिप्टी इंजीनियर, ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी, वगैरह
- पदों की संख्या- 34
- विज्ञापन नंबर 118/Pers/1/2026
- सैलरी- Rs.17,500 - 2,20,000/- हर महीने
- क्वालिफिकेशन- B.E./B.Tech / MBA / CA/ ICWA / ग्रेजुएट / 10th
- एज लिमिट- पदानुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 3 फरवरी 2026
- वेबसाइट- https://www.celindia.co.in

बोर्ड परीक्षा से पहले सफलता का स्मार्ट स्टडी प्लान

बीते दिनों परीक्षा पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कुशल मनोवैज्ञानिक की भांति विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा की, उन्होंने सीधे परीक्षा तनाव पर चर्चा करने के बजाय छात्रों के जीवन व उनके क्षेत्र से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा की, जिससे छात्र उनसे सीधे जुड़ सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर छात्र अद्वितीय हैं, उनकी अपनी क्षमता, विशेषता, जीवनशैली, सोचने-समझने का ढंग अलग-अलग होता है, इसलिए विद्यार्थियों का परीक्षा की तैयारी का तरीका अलग-अलग हो सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी परीक्षा की तैयारी अपने ढंग से करनी चाहिए, सभी के सुझाव को सुनना चाहिए, किंतु अपनी तैयारी का पैटर्न अपने अनुभव के अनुसार तय करना चाहिए। यूपी बोर्ड एग्जाम के कुछ दिन ही शेष रह गए हैं।

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू

इन दिनों में परीक्षार्थियों को विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। आइए आज आपको बताते हैं, कुछ महत्वपूर्ण परीक्षा उपयोगी सुझाव, जिन्हें अपनाकर आप परीक्षा में अच्छे नंबर ला सकते हैं।

सिलेबस के अनुसार बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले एक सरल और व्यावहारिक टाइम टेबल तैयार करें। यह बहुत जटिल नहीं होना चाहिए। दिन के अलग-अलग समय के अनुसार विषय तय करें। सुबह का समय पढ़ाई के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, इसलिए इस समय कठिन विषयों का अध्ययन करें। दोपहर में हल्के टॉपिक और शाम के समय रिवीजन पर ध्यान दें।

जरूरी टॉपिक पर करें फोकस

जब बोर्ड परीक्षा में कुछ ही दिन शेष हों, तब नया पाठ्यक्रम शुरू करने के बजाय महत्वपूर्ण अध्यायों पर ध्यान देना समझदारी है। सिलेबस में शामिल मुख्य चैप्टर और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करें। जिन टॉपिक से बार-बार प्रश्न पूछे जाते हैं, उन्हें अच्छी तरह तैयार करें। अगर कोई अध्याय पूरा नहीं आता है, तो उसे छोड़ने के बजाय उसके आसान हिस्सों को जरूर पढ़ लें।

प्रश्नों की लिखकर करें प्रैक्टिस

पढ़ी हुई सामग्री को बार-बार दोहराना बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम एक बार रिवीजन करें। साथ ही लिखकर अभ्यास करने से उत्तर लेखन की गति बढ़ती है और परीक्षा के समय समय-प्रबंधन में मदद मिलती है। गणित, विज्ञान और अकाउंट्स जैसे विषयों में यह तरीका विशेष रूप से लाभकारी होता है।

मॉक टेस्ट देना न भूलें

पुराने प्रश्नपत्र और फुल मॉक टेस्ट बोर्ड परीक्षा की तैयारी का सबसे बेहतर साधन हैं। छात्रों को सप्ताह में कम से कम दो से तीन फुल-लेंथ मॉक टेस्ट देने चाहिए। इससे परीक्षा के माहौल की आदत बनती है। टेस्ट के बाद अपनी गलतियों को समझें और उन्हें सुधारने पर काम करें।

तनाव से दूर रहें, बनाए रखें आत्मविश्वास

परीक्षा से पहले घबराहट होना स्वाभाविक है, लेकिन अत्यधिक तनाव पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। छात्रों को खुद पर भरोसा रखना चाहिए। पूरे साल की गई मेहनत अंतिम समय में जरूर रंग लाएगी।

बजट में बलरामपुर को बड़ी सौगात मां पाटेश्वरी विवि को मिले 50 करोड़

शैक्षणिक भवनों के निर्माण व डिजिटल शिक्षा सुविधाओं के निर्माण में की जाएगी खर्च

संवाददाता, बलरामपुर

निर्माणाधीन मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट में बलरामपुर जनपद को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि मिली है। प्रदेश सरकार ने मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के विकास के लिए 50 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया है। इस बजटीय आवंटन से जनपद में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रदेश सरकार के बजट का प्रमुख फोकस शिक्षा, शोध और कौशल विकास पर रहा है। इसी क्रम में मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय को मिली यह राशि विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, नए शैक्षणिक भवनों के निर्माण, आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, पुस्तकालय के विस्तार तथा डिजिटल शिक्षा सुविधाओं के विकास में खर्च की जाएगी। इससे छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

शासन स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय को यह धनराशि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप संस्थान को विकसित करने, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दी गई है। इससे बलरामपुर सहित आसपास के जिलों के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अन्य शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय शिक्षाविदों का मानना है कि इस बजट प्रावधान से न केवल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमता बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। वहीं जनप्रतिनिधियों ने इसे बलरामपुर के लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए प्रदेश सरकार का आभार जताया है।

कुल मिलाकर बजट 2026-27 में मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय को मिला यह प्रावधान बलरामपुर को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश के बजट में इसके अलावा थारू जनजाति विकास को भी महत्व दिया गया है। इसके साथ-साथ महिला सशक्तिकरण, कृषि तथा युवाओं के रोजगार सृजन की दिशा में भी बलरामपुर को प्रदेश के बजट से काफी फायदा मिलेगा।

हत्या के दोषी को उम्रकैद दो लाख का जुर्माना

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : बहन की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय, बलरामपुर ने अभियुक्त धरमपाल चौहान को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा 2 लाख अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अभियोजन साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर यह निर्णय दिया।

मामला थाना कोतवाली देहात क्षेत्र का है। वादी हरीश चौहान निवासी समदा ने 14 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन को स्कूल जाते समय धरमपाल चौहान ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। यही नहीं आरोपी ने मृतका का शव कंधे पर लाद कर गांव में घुमाया था।इस घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई थी। परिजनों तथा ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग भी की थी।इस संबंध में थाना कोतवाली देहात पर मामला दर्ज किया गया था।

विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य संकलन कर समयबद्ध तरीके से आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायालय ने अभियुक्त को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा के साथ 2,00,000 का अर्थदंड भी लगाया। न्यायालय के इस फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, वहीं अपराध के प्रति सख्त संदेश भी गया है।

नई रेल लाइन परियोजना में तेजी लाने के लिए रेल मंत्री से मिले पूर्व सांसद दद्दन मिश्र

रेल मंत्री से मुलाकात करते पूर्व सांसद दद्दन मिश्र।

बलरामपुर अमृत विचार : बहराइच-खलीलाबाद नई रेल लाइन परियोजना में तेजी लाने को लेकर बुधवार को पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रेल मंत्री को एक पत्र सौंपते हुए परियोजना की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया और बलरामपुर, श्रावस्ती व बहराइच जनपदों में चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग की। रेल मंत्री को सौंपे गए पत्र में पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने बताया कि श्रावस्ती जनपद और बलरामपुर के उतरौला तहसील क्षेत्र में अभी तक रेल लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। बहराइच–खलीलाबाद रेल लाइन परियोजना को भिनगा, श्रावस्ती, बलरामपुर, उतरौला और डुमरियागंज होते हुए स्वीकृति दी गई थी। लगभग 4090 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का शिलान्यास 2 मार्च 2019 को तत्कालीन रेल मंत्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि परियोजना का कार्य प्रारंभ तो हुआ, लेकिन निर्माण की गति अत्यंत धीमी होने के कारण बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच जनपद के लोगों में निराशा व्याप्त है। यह रेल लाइन क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्व सांसद ने रेल मंत्री से आग्रह किया कि बहराइच-खलीलाबाद रेल लाइन के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि यह बहुप्रतीक्षित परियोजना निर्धारित समय सीमा में पूरी हो सके और क्षेत्रवासियों को शीघ्र रेल सुविधा का लाभ मिल सके।

सीएमओ ने जिग्निहवा में पोषण दिवस का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण करते सीएमओ। ● अमृत विचार

बलरामपुर अमृत विचार : विकास खंड गैंसड़ी के ग्राम जिग्निहवा स्थित पंचायत भवन में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति और व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। कार्यक्रम में एएनएम रुखसाना द्वारा चार गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) की गई, जबकि छह बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया। साथ ही तीन किशोरियों को पोषण, एनीमिया की रोकथाम एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में परामर्श दिया गया। सीएमओ ने निर्देश दिया कि सभी पात्र गर्भवती महिलाओं और बच्चों को समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किशोरियों में पोषण व स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि वीएचएनडी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम है। इस दौरान आशा कार्यकर्ता सावित्री देवी, गीता देवी, सीएचसी अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सत्संग भवन निर्माण का शिलान्यास करते नगर पालिका अध्यक्ष व अन्य।

गेल्हापुर मंदिर में सत्संग सभागार, संत आवास व भंडारा हाल निर्माण का हुआ शिलान्यास

बलरामपुर, अमृत विचार : गेल्हापुर स्थित श्री उदासीन संगत मंदिर परिसर में सत्संग सभागार, संत आवास एवं भंडारा हाल के निर्माण कार्य का शिलान्यास संपन्न हुआ। यह निर्माण कार्य चेयरमैन डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू के सौजन्य से एचआरएन सेवा फाउंडेशन द्वारा कराया जा रहा है। कार्यक्रम में महंत बृजानंद जी महाराज तथा पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल सत्संग सभागार एवं भंडारा हाल के निर्माण से दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। एचआरएन सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समाजसेवा और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। श्रद्धालुओं को महंत बृजानंद जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह 'गुड्डू', डीपी सिंह बैस, रमेश पाहवा, संजय शर्मा, डॉ. अजय सिंह पिंकू, संजय मिश्र, विनोद गिरी, राघवेंद्र कान्त सिंह मंटू, ज्ञान सागर पाठक, गौरव मिश्र, सहित अनेक गणमान्य नागरिक, साधु-संत और क्षेत्रीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीसी मनरेगा ने किया निरीक्षण

कटरा बाजार, गोंडा, अमृत विचार: बुधवार को कटरा बाजार ब्लाक में डीसी मनरेगा जनार्दन प्रसाद ने बीडीओ कार्यालय, एडीओ पंचायत कार्यालय, एनआरएलएम कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण व टीए के कार्यालय में नेम प्लेट नहीं था जिस पर डीसी ने नेम प्लेट व अभिलेखों में नाम लिखकर रखने का निर्देश दिया। बरामदे में रखी अलमारी टूटी पाई गई जिसको ठीक कराने का निर्देश दिया। एनआरएलएम कार्यालय में पत्रावलियां अव्यवस्थित पाई गई। निरीक्षण के दौरान एडीओ पंचायत कार्यालय में स्वच्छ भारत मिशन, ओडीएफ, आरसीसी भवन के बारे में जानकारी ली वहीं कम्प्यूटर ऑपरेटर से उनके कार्यों के बारे में पूछताछ की। इस दौरान बीडीओ विनीत कुमार, एडीओ पंचायत प्रीतम श्रीवास्तव, एडीओ आईएसबी सुनीता रानी, राजेश पाण्डेय, बब्लू गौड़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

66 केंद्रों पर परीक्षा देंगे छात्र

यूपी बोर्ड

संवाददाता, बलरामपुर

यूपी बोर्ड परीक्षा तैयारी बैठक में मौजूद डीएम और अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को एमएलके पीजी कॉलेज में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़े प्रशासनिक, पुलिस एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जनपद में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होंगी। इसके लिए कुल 66 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर लगभग 36 हजार 150 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा संचालन को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रधानाचार्य एवं नोडल अधिकारी बोर्ड परीक्षा चंदन पांडे ने सभी अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों को बोर्ड की गाइडलाइन एवं एसओपी की जानकारी दी। एएसपी ने बताया कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। परीक्षा अवधि में केंद्रों के आसपास कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

डीएम ने सभी जोनल, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि वे परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, वॉइस रिकॉर्डर, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति और जनरेटर बैकअप जैसी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद, विशेष पर्यवेक्षक एडी बेसिक गोंडा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षार्थियों को दी विदाई, सफलता का दिया संदेश

फेयरवेल पार्टी में मौजूद विद्यार्थी व अन्य। ● अमृत विचार

श्रीदत्तगंज, गोंडा, अमृत विचार : कृषक राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खरदौरी में बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने जा रहे हाईस्कूल एवं इंटर के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य विकास चंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ किया गया प्रयास ही सफलता की कुंजी होता है। छात्रों से परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि अपने ज्ञान और क्षमता को साबित करने का अवसर मानने का आह्वान किया। विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने भी विद्यार्थियों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके सफल भविष्य की कामना की। इस दौरान छात्रों ने अपने विद्यालयी जीवन की स्मृतियों को साझा किया। विदाई कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, आत्मबल और आत्मविश्वास के साथ बोर्ड परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया गया।

एकात्म मानववाद जीवन दर्शन का सार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करते भाजपा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राजनीति को सेवा और नैतिकता की दिशा दी। क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता ने उनके जीवन को सादगी और समर्पण का प्रतीक बताया। जेएनयू के प्रवक्ता डॉ. विशाल मिश्र ने एकात्म मानववाद को भारतीय जीवन दर्शन का सार बताया। जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता ने कहा कि सत्ता समाज सेवा का माध्यम है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. आरती तिवारी ने अंत्योदय को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्र ने कार्यकर्ताओं से विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रदीप सिंह, डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पंकज सिंह, डीपी सिंह बैंस,मनोज तिवारी, महिपाल चौधरी, राकेश तिवारी, अनूप चन्द्र गुप्ता और रामकरन मिश्र सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जमीन पर कब्जा करने का आरोप

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के कोल्हमपुर चौकी अंतर्गत नरायनपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर तनाव का मामला सामने आया है। गांव निवासी गीता पत्नी चंद्र प्रकाश ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह अपनी पैतृक जमीन पर मकान का निर्माण करा रही हैं, लेकिन गांव के ही राम लला, शोभावती और माधुरी उनकी जमीन पर कब्जा किए हुए हैं और निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, विपक्षियों ने उनकी जमीन पर जबरन पानी का पाइप भी लगा लिया है। मंगलवार को जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की कोशिश की और छप्पर फूंक देने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है और जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षकों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का पुतला दहन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : टेट से छूट के मुद्दे को लेकर शिक्षकों में आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार को आक्रोशित शिक्षकों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री जयंत चौधरी का पुतला दहन कर विरोध जताया। शिक्षकों का आरोप है कि आरटीई अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट से छूट दिए जाने के संबंध में मंत्री स्तर पर समर्थन की बात कही जाती है, लेकिन संसद में इस मुद्दे पर अलग रुख अपनाया जाता है। उनका कहना है कि जब नियम बाद में लागू हुआ तो पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर उसे लागू करना न्यायसंगत नहीं है। ज्ञान सागर पाठक, शिवकुमार सोनी, बुद्धीसागर शुक्ला, मनीष पांडे, आलोक कुमार पांडे, अशोक मिश्रा, सत्य प्रकाश पाठक, विनोद, प्रदीप पासवान और धर्मेंद्र शर्मा सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने मांग की कि पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट से पूर्ण छूट प्रदान की जाए।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पोस्ट आफिस के खाता में आरती देवी लिखा जोकि मेरे आधार कार्ड में विमला देवी लिखा है जोकि दोनो नाम एक व्यक्ति के है। **विमला देवी पत्नी आलोक कुमार निवासी ग्राम पूरे भवन शाह मजरे ताला गोपालपुर जिला रायबरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राममिलन पुत्र लक्ष्मी प्रसाद निवासी भटरी तहसील राजापुर जनपद चित्रकूट द्वारा अपने पुत्र दौलत राम का चाल चलन व चरित्र ठीक न होने के कारण मैं अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करने की घोषणा करता हूं आज दिनांक 11/02/26 से मेरी संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा । **प्रार्थी - राममिलन पुत्र लक्ष्मी प्रसाद, निवासी भटरी तहसील राजापुर जनपद चित्रकूट**

सूचना

मैं **राजू पुत्र सुखनन्दन निवासी पूरे सुबेदार पो. रोखा जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा की पालिसी संख्या 214974086 में नाम राजूलाल पुत्र औसान यादव दर्ज है, जबकि आधार कार्ड व अन्य कागजात में नाम राजू पुत्र सुखनन्दन अंकित है। उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। मुझे और मेरे पिता को उक्त नामों से जाना और पहचाना जाता है।

सूचना

मैने अपना नाम JAHEEN HAYDAR से बदलकर ZAHEEN HAIDER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MAZHAR HAYDAR ADD-22/435 SECTOR -12 HAIDER HOUSE INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P.)

सूचना

सूचित् किया जाता है कि मैंने अपना नाम NEERAJ से बदल कर NEERAJ KUMAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए पुत्र RAM BAHADUR ग्राम किशनपुर कौड़िया बंथरा लखनऊ का रहने वाला हूं।

सूचना

मैं RAJESH KUMAR पुत्र श्री SUMER SINGH निवासी– म0नं0–462, एल्डिको सिटी, आईआईएम रोड, भिटौली खुर्द डुगरिया, लखनऊ, कहना चाहता हूँ कि मेरी पुत्री के हाई स्कूल के प्रमाण पत्र पर त्रुटिवश मेरा नाम RAJESH KUMAR SINGH अंकित हो गया है, अतः सबसे अनुरोध है कि मेरी पुत्री को आकांक्षा सिंह पुत्री RAJESH KUMAR के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

पहले मेरा नाम अली खान (ALI KHAN) था अब मैंने अपना नाम बदलकर अली मुहम्मद (ALI MUHAMMAD) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे अली मुहम्मद (ALI MUHAMMAD) के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O DLLDAR HUSAIN KHAN R/O VILL & POST-GORABARIK Thana KOTWALI NAGAR DIST-SULTANPUR, U.P.- 228001

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम दीपाली (DEEPALI) पुत्री राम धीरज है जोकि उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0 3277 5755 2279 में उसका नाम देपिले (depile) अंकित हो गया है, जोकि गलत है। अतरू भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम दीपाली (DEEPALI) पुत्री रामधीरज के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के संबंध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं। **राम धीरज पुत्र राम औतार, निवासी-रसूलपुर, थाना-सतरिख, ब्लॉक हरख, जनपद बाराबंकी, उ0प्र0।**

कार्यक्रम

राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत आयोजित हुई प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी में दिखी बच्चों की प्रतिभा की झलक

संवाददाता, गोंडा

विज्ञान प्रदर्शनी में अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन करतीं बेलसर ब्लॉक की छात्राएं व मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में परिषदीय स्कूलों में पड़ने वाले छात्र छात्राओं के प्रतिभा की झलक देखने को मिली। बच्चों ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ग्लोबल वार्मिंग सोलर बिजली आदि विषयों से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार कर उनका प्रदर्शन किया।

मुजेहना के उच्च प्राथमिक विद्यालय की आठवीं की छात्रा अंशिका वर्मा ने वाटर फिल्टर सिस्टम का प्रोजेक्ट तैयार किया। अंशिका के मुताबिक यह सिस्टम घर के गंदे या मटमैले पानी को साफ करने में सहायक हो सकता है। बेलसर ब्लॉक की छात्रा ने ग्लोबल वार्मिंग जैसे विषय पर प्रोजेक्ट तैयार किया और इससे बचाव के उपाय भी सुझाए। परसपुर ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर के छात्रों ने लोगों को आत्महत्या जैसे विषय पर जागरूक करने के लिए अलार्म तैयार किया। शहर के एक निजी मैरेज लॉन में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने किया। प्रदर्शनी के लिए आवंटित ब्लाकवार स्टाल पर बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया। सीडीओ ने प्रत्येक स्टाल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और बच्चों ने उनके प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली और बच्चों के प्रतिभा की सराहना की। प्रदर्शनी के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डा रामचंद्र, सहायक वित्त लेखाधिकारी सुजीत पांडेय, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा राजेश सिंह, जिला समन्वयक सामुदायिक शिक्षा प्रेमशंकर मिश्र, डीसी एमडीएम गणेश गुप्ता, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आजाद बेग, प्राथमिक शिक्षक संघ के महामंत्री उमा शंकर सिंह, जिला मंत्री कुलदीप पाठक, अनिल श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र वर्मा, विवेक पाठक, मनोज चतुर्वेदी, रघुनाथ पांडेय, कमलेश पांडेय, कृष्ण बिहारी लाल, विनीता कुशवाहा, संदीप शुक्ला समेत शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे।

भक्ति रस में डूबा कथा पंडाल

कथा सुनाते आचार्य।

नवाबगंज, गोण्डा, अमृत विचार : मनकापुर रोड स्थित सिरसा कॉलोनी में आयोजित श्री मद्भागवत कथा के छठे दिन मंगलवार सायंकाल कथा पंडाल भक्ति रस में डूबा नजर आया। कथा व्यास पंडित अवधेन्द्र प्रपन्नाचार्य ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन किया।कथावाचक ने कहा कि कंस वध केवल एक अत्याचारी का अंत नहीं, बल्कि अधर्म और अहंकार पर धर्म की विजय का प्रतीक है। कंस के वध के बाद उसकी पुत्रियों के आग्रह पर मगध नरेश जरासंध ने मथुरा पर 17 बार आक्रमण किया, किंतु हर बार उसे भगवान श्रीकृष्ण के पराक्रम के सामने पराजित होना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैनात किए गए मजिस्ट्रेट

बहराइच : महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर 15 फरवरी को नगर क्षेत्र में निकाले जाने वाले जुलूसों, शोभायात्रा व शिव बारात को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट अक्षय त्रिपाठी द्वारा विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में लगायी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार उप कृषि निदेशक विनय वर्मा, डीसी मनरेगा रविशंकर पाण्डेय व तहसीलदार सदर अनिरूद्ध यादव को सिद्ध नाथ मन्दिर के अन्दर व अगल-बगल एवं सड़क मार्ग पर व मन्दिर की ओर प्रवेश मार्ग एवं बाहर जाने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियन्त्रित रखते हुए शान्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। उपायुक्त उद्योग केशवराम वर्मा, नायब तहसीलदार सदर सुरेन्द्र प्रसाद यादव, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी को श्री मरी माता मन्दिर, सरयू तट से लेकर गोलवाघाट पुल, केडीसी तिराहा, डीएम आवास तिराहा, पानी टंकी चौराहापर कड़ी निगरानी रखने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

मार्ग दुर्घटना में दंपति घायल, भर्ती

इकौना (श्रावस्ती) : इकौना क्षेत्र के सौरुपुर दीपुवा निवासी राजकुमार (48) पुत्र कृपाराम यादव अपनी पत्नी राजकुमारी (45) के साथ मंगलवार बाइक से भिनगा पेशी पर गए थे। वहां से देर शाम को वापस लौटते समय गोविन्दपुर–सेमगढ़ा मार्ग पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दंपति को गंभीर चोट आईं। मौके पर पहुंचे परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को निजी वाहन से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया, जहां दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

अलग-अलग हादसे में दो घायल, रेफर

श्रावस्ती : नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के वीरपुर निवासी गोलू पुत्र शेष राम मंगलवार को अपने मामा के यहां बरईपुर आए हुए थे। शाम को वापस लौटते समय बौद्ध परिपथ स्थित हाजी बाबा के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में गोलू गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने एंबुलेंस द्वारा उन्हें सीएचसी इकौना में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया। वहीं एक अन्य घटना में थाना क्षेत्र के ही गोपालपुर चौराहे पर बुधवार को बाइक ने इकौना थाना क्षेत्र के बढ़ई पुरवा पड़ाव निवासी नानमुन (60) पुत्र राम प्रसाद की साइकिल को टक्कर मार दी। इससे बुजुर्ग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी इकौना पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया।

डीएम ने विशेश्वरगंज का किया निरीक्षण

बहराइच : कार्यालयों की साफ-सफाई, अभिलेखों के समुचित रख-रखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सोमवार को देर शाम खण्ड विकास अधिकारी विशेश्वरगंज के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। ब्लाक कार्यालय परिसर के निरीक्षण डीएम ने साफ-सफाई पर संतोष जताया। डीएम ने परिसर में निर्मित बैठक सभागार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत कक्ष (रिर्सोस सेण्टर) तथा आवासीय कालोनी का निरीक्षण करते हुए खण्ड विकास अधिकारी दीपेन्द्र पाण्डेय से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान पटलों से सम्बन्धित अभिलेख व गार्ड फाईल इत्यादि कागज़ात व्यवस्थित पाये गये। इस अवसर पर सहायक खण्ड विकास अधिकारी व अवर अभियन्ता मौजूद रहे।

प्लेटफार्म निर्माण बना यात्रियों के लिए मुसीबत

जरवलरोड रेलवे स्टेशन पर बिना वैकल्पिक व्यवस्था के खोदाई करवा दिए जाने से बढ़ा हादसे का खतरा

जरवलरोड (बहराइच)

प्लेटफार्म पर हुई खोदाई के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी। अमृत विचार

अमृत विचार। जरवलरोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक को ऊंचा किए जाने का कार्य आज चालू हो गया है, लेकिन निर्माण कार्य की अव्यवस्थित प्रक्रिया यात्रियों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गई है। प्लेटफार्म नंबर एक लाइन किनारे पर जेसीबी मशीन से की जा रही खोदाई के चलते जगह-जगह गहरे गड्ढे और ऊबड़-खाबड़ स्थिति बन गई है, जिससे ट्रेनों में चढ़ने-उतरने में यात्रियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

निर्माण कार्य के दौरान रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। न तो प्लेटफार्म पर चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं और न ही बैरिकेडिंग या अस्थायी सीढ़ियों की व्यवस्था की गई है। ऐसे में यात्रियों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दिन व रात में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे इस अव्यवस्था से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

यात्रियों का कहना है कि प्लेटफार्म पर अचानक की गई खोदाई के कारण किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य के दौरान अस्थायी वैकल्पिक प्लेटफार्म अथवा सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए, ताकि दुर्घटना की संभावना को टाला जा सके।

इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक शिवपाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि बिना पूर्व सूचना के प्लेटफार्म संख्या एक लाइन किनारे पर जेसीबी मशीन से खोदाई कर दी गई है, जिससे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने-उतरने में काफी दिक्कत हो रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उच्च अधिकारी व कंट्रोलर को अवगत करा दिया गया है। ठेकेदार ने अपनी मनमानी से बिना पूर्व सूचना के खोदाई चालू करवा दी है, जिसे स्टेशन के कर्मचारियों में काफी रोष है। वहीं स्टेशन आने वाले यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। हालांकि जल्द इसके निराकरण के प्रयास किए जाएंगे।

तीन साल बाद भी पानी की टंकी का नहीं पूरा हुआ निर्माण, लोगों की बढ़ी परेशानी

संवाददाता, इकौना(श्रावस्ती), अमृत विचार। इकौना विकास क्षेत्र के ग्राम टंडवा महंत में जीवन मिशन के तहत बनवाया जा जहां ओवरहेड टैंक का निर्माण तीन साल बाद भी अधूरा है। इससे ग्रामीण स्केच पेयजल की लिए तरस रहे हैं। टंडवा महंत में ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मुहैया करने के लिए तीन वर्ष पूर्व पानी टंकी निर्माण का काम प्रारंभ हुआ था, जो आज भी अधूरा है। इससे ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अब जब जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिए हैं कि 30 दिनों के भीतर सभी घरों में जलापूर्ति का काम पूरा किया जाए, तो ग्रामीणों में पेयजल मिलने की उम्मीद जगी है। देखा जाए तो विकास क्षेत्र के कई स्थानों पर टंकी का निर्माण पूरा होने के बाद भी जलापूर्ति नहीं हो रही है। कई गांवों में अभी भी पानी की टंकियों का निर्माण अधूरा है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। ऐसे में जलशक्ति मंत्री ने चेतावनी दी है कि यदि 30 दिनों के भीतर काम पूरा नहीं होता है, तो कंपनियों के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और जेल भेजा जाएगा। तब लोगों में समस्या के समाधान की आश जगी है।

अधूरा पानी का टंकी निर्माण।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी

संवाददाता, रूपईडीहा (बहराइच)

- मौजा मनवरिया, ग्राम पंचायत सहजना का मामला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

अमृत विचार। थाना रूपईडीहा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजना के मौजा मनवरिया में बुधवार को एक युवक का शव गेहूं के खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बहराइच भेज दिया।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान जमीन अली पुत्र रहीम (उम्र लगभग 38 वर्ष), निवासी मौजा मनवरिया, ग्राम पंचायत सहजना के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि जमीन अली सुबह करीब 7 बजे शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान दोपहर करीब दो बजे गांव के दक्षिण दिशा में तालाब के पास स्थित गेहूं के खेत में उसका शव पड़ा मिला। वहीं परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक के पीठ के निचले हिस्से में चोट के निशान पाए गए हैं, जबकि हाथ और पैरों पर रस्सी से बांधने के निशान भी देखे गए हैं, जिससे घटना को संदिग्ध माना जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी रूपईडीहा रमेश सिंह रावत मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

घटना स्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ व मौजूद पुलिस। अमृत विचार

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से जनपद का होगा विकासः डीएम

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन करते हुए जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि योजना के अन्तर्गत फल, शाकभाजी, पुष्प, मसाला क्षेत्र विस्तार का कार्यक्रम कराया जाना है। डीएम ने उद्यान विभाग को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से जोड़ करके आकांक्षी जनपद में अधिक से अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करायी जाय।

डीएम ने निर्देश दिया कि योजना को कार्यान्वित करते हुए जिले के दूर-दराज क्षेत्रों के छोटे व मंझोले कृषकों को प्राथमिकता के आधार पर आच्छादित कराया जाय तथा यह भी सुनिश्चित करें कि जिले के समस्त विकास खण्डों में समानुपातिक आधार पर योजना का क्रियान्वयन हो। डीएम ने कहा कि जनपद में औद्यानिक खेती में अच्छा कार्य हुआ है और जनपद के कृषक विष रहित औद्यानिक खेती को तेजी के साथ अपना रहे है। ऐसे में यह योजना कृषकों के बहुत उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना से जिले के किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य प्राप्त होगा जिससे उनके आर्थिक स्तर में सुधार आयेगा। इस दौरान सीडीओ मुकेश चन्द्र, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा, जिला प्रबन्धक अग्रणी बैंक जीतेन्द्र मसन्द, सचिव मण्डी समिति धनंजय कुमार सिंह, अध्यक्ष/वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ शैलेन्द्र सिंह, ईओ नगर पालिका परिषद बहराइच प्रमिता सिंह, पंकज वर्मा आदि मौजूद रहे।

38 ग्रामों की विकास योजना को मिली स्वीकृत

संवाददाता, बहराइच

- प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत कराए जाएंगे कार्य

अमृत विचार। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय अभिसरण समिति की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत जनपद में चयनित 38 ग्रामों में अवसंरचनात्मक कार्य कराए जाने हेतु ग्राम विकास योजना को अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित किये गये प्रस्तावों को अग्रिम कार्यवाही हेतु भारत सरकार द्वारा विकसित किये गये पीएम-अजय पोर्टल के माध्यम से मुख्यालय प्रेषित किये जाने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों तथा सम्बन्धित ग्राम पंचायतों जिन्हें प्रस्तावित कार्यों हेतु कार्यदायी संस्था नामित किया गया है को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना का टर्मिनल वर्ष है। इसलिए चयनित कार्यों को इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि प्रत्येक चयनित ग्रामों में रू. 20-20 लाख की धनराशि से नाली निर्माण, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर हाई मास्ट लाइट, सोंक पिट, कम्पोस्ट पिट, इंडिया मार्का हैंडपंप, आंगनबाड़ी निर्माण, आरसीसी निर्मित छोटी पुलिया इत्यादि का निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ कराया जाय।

डीएम श्री त्रिपाठी ने एडीओ समाज कल्याण को निर्देश दिया कि प्रस्तावित कार्यों का प्रभावी पर्यवेक्षण करते रहें। डीएम ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य से अनुसूचित जातियों की 40 प्रतिशत् से अधिक आबादी वाले गांवों का सर्वांगीण विकास करना, जिससे सभी मूलभूत सुविधाओं का विकास कर लक्षित वर्ग के जीवन स्तर में परिवर्तन लाया जा सके।

बैठक का संचालन करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय ने बताया कि चयनित ग्रामों में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही लाभार्थीपरक योजनाओं से पात्र असंतृप्त निवासरत् परिवार के सदस्यों को आच्छादित किया जाना है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, जिला कार्याक्रम अधिकारी निहारिका विश्वकर्मा, लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र मंसद सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी तथा एडीओ समाज कल्याण मौजूद रहे।

सोनालिका लकी ड्रॉ में बृजेश ने जीती बुलेट

कैसरगंज (बहराइच)। सोनालिका कम्पनी द्वारा ट्रैक्टरों के ग्राहकों हेतु उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड में डीलरशिप स्तर पर लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया। एसबीएस आनन्द ट्रैक्टर, कैसरगंज में आयोजित कार्यक्रम में ग्राहक बृजेश कुमार निवासी कहरई को प्रथम पुरस्कार स्वरूप रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल मिली।अन्य विजेताओं में बाबूराम मंझारा तौकली को एसी, प्रदीप कुमार मंझारा तौकली को डिनर सेट तथा सुमई सिदरखा को मोबाइल फोन प्रदान किया गया।इस अवसर पर डिप्टी एरिया मैनेजर संदीप सिंह, डीलर दिपान्शु सोनी , रितेश श्रीवास्तव , नीरज श्रीवास्तव सहित कम्पनी की सेल्स टीम एवं क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

लकी ड्रॉ के विजेता के साथ अधिकारी।

चौथी बार फिर बने कुं. दिवाकर सिंह अध्यक्ष

बहराइच। जिले के वरिष्ठ पत्रकार कुंवर दिवाकर सिंह को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश नेतृत्व ने संगठन की उच्चस्तरीय बैठक में निर्णय लेते हुये चौथी बार फिर बहराइच जिले में पत्रकारों के हक और हुकूक की आवाज़ उठाने के लिये कुँवर दिवाकर सिंह को जिलाध्यक्ष नामित/नियुक्त किया है।कुँवर दिवाकर सिंह के चौथी बार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर एसोसिएशन के कर्मठ और निर्भीक पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त किया है। एफ़एम टीवी के पत्रकार एसोसिएशन के जिला महामंत्री मोहित सोनी ने भी चौथी बार अध्यक्ष नियुक्त होने पर खुशी जाहिर की है। कोषाध्यक्ष हनुमान गुप्ता, राजीव शर्मा आदि ने बधाई दी।

जिलाध्यक्ष का स्वागत करते साथी।

क्रिकेट में लखनऊ की टीम ने जालौन को हराया

बहराइच। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रथम देवी पाटन मंडल वुमेंस सीनियर स्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान में दूसरे दिन का मैच खेला गया।मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी रहीं ।मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया । बुधवार के दिन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन जालौन और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के बीच खेला गया जिसमें टॉस जीतकर जालौन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया बल्लेबाजी करने उतरी जालौन ने निर्धारित 30 ओवरों में 7 विकेट पर 165 रन बनाई जिसमें अंशी ने सर्वाधिक 52 रनों का योगदान दिया ,लखनऊ की ओर से आरिशा फातिमा ने 3 विकेट लिया वहीं जवाब में उतरी लखनऊ की टीम ने मात्र 28 .2 ओवर में 5 विकेट खोकर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। लखनऊ की ओर से देवयानी शर्मा ने सर्वाधिक नाबाद 36 रनों का योगदान दिया तथा जालौन की और से अक्षिता पाठक ने 2 विकेट लिया । सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आरिशा फातिमा को वूमेन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया ।निर्णायक की भूमिका में मान्या मिश्रा और शताक्षी अवस्थी रहीं ।मैदान पर टूर्नामेंट के निदेशक इशरत मोहम्मद खान , राशिद अली खान चांद,अभिषेक शुक्ला, अमित ठाकुर, हरेंद्र ,यश चौरसिया और तमाम क्रिकेट समर्थक मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी एवं टीएलएम मेला आयोजित

जरवलरोड (बहराइच)। ब्लॉक संसाधन केंद्र, जरवल में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण-सामग्री के उपयोग के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख विपेन्द्र प्रताप सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में आईपीएल चीनी मिल, जरवल रोड के महाप्रबंधक टी .एस . राणा, गन्ना प्रबंधक संजीव चौधरी तथा भाजपा नेता श्री ओम प्रकाश अवस्थी शामिल रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रदर्शनी में लगाए गए विज्ञान मॉडलों व टी .एल .एम . सामग्री का अवलोकन कर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। खण्ड शिक्षाधिकारी ने बुके भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ इकाई जरवल के अध्यक्ष आसिफ अली एवं जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष उबैदुर्रहमान, विनय कुमार शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

पयागपुर में सजेगा बाबा श्याम का दरबार

पयागपुर (बहराइच)। 'हारे के सहारे' बाबा श्याम के भक्तों के लिए फाल्गुन मास खुशियों की सौगात लेकर आ रहा है। श्री श्याम प्रभु रानी सती मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में भूपगंज बाजार स्थित त्रिदेव मंदिर प्रांगण में 'मनभावन सतरंगी फाल्गुन मेला' का भव्य आयोजन किया जाएगा। समिति ने बैठक में बताया कि आयोजन को लेकर नगर में भक्ति की लहर है और तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं महोत्सव का आगाज 27 फरवरी (गुरुवार) को होगा। आयोजन समिति के अनुसार, शाम को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गायक बाबा श्याम के चरणों में भजनों की हाजिरी लगाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 28 फरवरी (शनिवार) को निकलने वाली 'निशान शोभा यात्रा' होगी। जो सुबह 9 बजे त्रिदेव मंदिर से शुरू होने वाली यह यात्रा पूरे नगर का भ्रमण करेगी। रंग-बिरंगे निशानों और बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान होगा। इसी दिन विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है आयोजन समिति के राम प्रसाद शर्मा ने बताया कि निशान उठाने के इच्छुक श्रद्धालु 151 रुपये की रसीद कटवाकर टोकन प्राप्त कर सकते हैं आयोजन की सफलता को लेकर मंदिर परिसर में श्याम सुंदर नैसरिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से मनोज अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, दानेंद्र शर्मा, ऐश्वर्य रस्तोगी, राधेश्याम अग्रवाल, श्याम बिहारी शर्मा, संतोष अग्रवाल और अनुपम शुक्ला सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। समिति ने प्रशासन से सहयोग की अपील करते हुए सभी श्याम प्रेमियों को सपरिवार आमंत्रित किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

संवाददाता, इकौना (श्रावस्ती)

सीएचसी में महिला की मौत पर बिलखते परिजन। अमृत विचार

- इकौना नगर के मोहल्ले का मामला, जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार। इकौना नगर के मोहल्ला आम्बेडकर नगर निवासी एक महिला मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटक रही थी। परिजनों ने उसे फंदे से उतार कर सीएचसी पहुंचाया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची इकौना पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है।

इकौना नगर के मोहल्ला आम्बेडकर नगर डेरा निवासी सितारा देवी (45) पत्नी रामकिशोर का शव मंगलवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में उसी के कमरे में छत के कुंडे के सहारे फंदे में लटक रहा था। इस दौरान कमरा अंदर से बंद था। संदेह पर परिजनों ने दरवाजा खोलकर देखा तो उनके होश उड़ गए। आनन फानन में परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर सीएचसी इकौना पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने सितारा देवी को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर पहुंचे वरिष्ठ उप निरीक्षक इकौना विपिन सिंह ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। मृतका के पति राम किशोर ने बताया कि घर में नाती का जन्मदिन व भतीजे की शादी की तैयारी को लेकर परिवार के सभी लोग बाजार में कपड़ा खरीदने आए हुए थे। जब घर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई।

सरसों के खेत से बरामद हुआ पशु अवशेष, सिरसिया(श्रावस्ती): सिरसिया थाना क्षेत्र के संतलिया गांव निवासी मनीराम पुत्र अमिरिका की बछिया आठ फरवरी सोमवार को चोरी हो गई थी। काफी खोज बीन के बाद भी बछिया का सुराग नहीं लगा। तलाश के दौरान अगले दिन मंगलवार शाम गांव के बाहर सरसों के खेत से पशु अवशेष बरामद हुआ। जिसे बछिया का अवशेष बताया जा रहा है। पीड़ित मनीराम ने बुधवार को सिरसिया थाने में तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बहराइच में पंजीकृत बोगस फर्म के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जरवलरोड (बहराइच)

अमृत विचार। जनपद बहराइच में पंजीकृत बोगस फर्मों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। जरवल रोड थाना क्षेत्र में और फर्जी फर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। राज्य कर विभाग, डिवीजन-01 बहराइच की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है।

उपायुक्त, राज्य कर डिवीजन-01 बहराइच द्वारा प्रेषित पत्र संख्या 157/बोगस फर्म/2025-26, दिनांक 31 जनवरी के अनुसार मि. राम ट्रेडर्स नामक फर्म ने कूटरचित एवं जाली दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी पंजीकरण प्राप्त किया था। जांच में यह फर्म पूर्णतः अस्तित्वहीन (बोगस) पाई गई। जिसकी प्रोपराइटर बृजरानी पुत्री त्रिवेणी पाल, निवासी आम्बेडकर नगर, अनवावा खास, उत्तर प्रदेश थीं। राज्य कर विभाग के अनुसार उक्त फर्म ने केंद्रीय क्षेत्राधिकार से फर्जी पंजीकरण प्राप्त कर सरकारी राजस्व को क्षति पहुंचाने का कार्य किया। जांच के दौरान फर्म को स्थल पर अस्तित्वहीन पाया गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक 07 जून 2025 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक में बोगस फर्मों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री के बैठक मे स्पष्ट कहा गया था कि ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज कराकर विशेष जांच दल (एसआईटी) के माध्यम से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में की गई जांच में मि. राम ट्रेडर्स को बोगस पाए जाने के बाद मामला जन शिकायत प्रकोष्ठ, बहराइच में दर्ज किया गया तथा पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जरवल रोड थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बताया कि विवेचना तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच जारी है।

आयोजन | पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने संबोधित किया

पंडित जी के योगदान की याद दिलाता है समर्पण दिवस

संवाददाता, श्रावस्ती

समर्पण दिवस कार्यक्रम में मौजूद भाजपा के कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान भिनगा के अरविंद उत्सव पैलेस में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मुख्यरूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा व पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहाकि समर्पण दिवस विशेष रूप से भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण दिवस है। इस दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और योगदान को याद किया जाता है। पंडित उपाध्याय अपने विचारों और दूरदृष्टि से आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। वह एक मजबूत राष्ट्र की अवधारणा में विश्वास रखते थे, जो एक मजबूत विश्व के निर्माण में योगदान देता है।

पूर्व मंत्री बोले कि उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पर भी जोर दिया और एक ऐसे भारत की कल्पना की जो न केवल कृषि में बल्कि रक्षा में भी आत्मनिर्भर होगा। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में, सबका साथ, सबका विकास और अंत्योदय के मंत्र पर कार्य करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प पर कार्य कर रहे हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद शुक्ला ने कहाकि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का प्रभाव आज भी देश के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देता है। उनका जीवन बचपन से ही अभावों और संघर्षों से भरा था लेकिन फिर भी उन्होंने परिस्थितियों से हार ना मानते हुए हर चुनौती का सामना किया और देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय का मूल सिद्धांत दिया। देश में विभिन्न राज्यों का गठन दीनदयाल उपाध्याय की दूरदृष्टि का परिणाम था। जिलाध्यक्ष डॉ. मिश्रीलाल वर्मा ने कहाकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय मात्र एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक दार्शनिक और विचारक भी थे।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पुरुषोत्तम कौशल ने किया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैराती पटेल, हरिश्चंद्र गुप्ता, अजय वर्मा, रणबीर सिंह, अवधेश पाण्डेय, पंकज मिश्रा, सुभाष सत्या, प्रकाश चंद, सहित जिले के पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस चौकी स्थापित

जरवल रोड (बहराइच)। लखनऊ–गोंडा रेल मार्ग पर स्थित जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस चौकी की स्थापना कर दी गई है। यह पुलिस चौकी प्लेटफार्म संख्या एक पर बनाई गई है, राजेश पांडे को चौकी प्रभारी बनाया गया है पुलिस चौकी कार्यालय का रंग–रोगन कार्य अंतिम चरण में है। पुलिस अधीक्षक जीआरपी के निर्देश पर जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर यह पुलिस चौकी स्थापित की गई है। चौकी के संचालन के लिए स्टेशन पर कुल पांच जीआरपी कर्मियों की तैनाती की गई है, जिनमें एक पुलिस चौकी प्रभारी भी शामिल हैं। पुलिस चौकी की स्थापना से रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,233.64	25,953.85
गिरावट/बढ़त	40.28	18.70
प्रतिशत में	0.05	0.07

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अकासा एयर के सह-संस्थापक प्रवीण अय्यर का इस्तीफा

नई दिल्ली। अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन कंपनी में चार महीने के भीतर वरिष्ठ स्तर पर यह दूसरा इस्तीफा है। अकासा एयर ने बुधवार को कहा कि पांच वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा के बाद अय्यर ने अपने जीवन के अगले अध्याय की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। वह कामकाज का सुचारू एवं व्यवस्थित हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए 30 अप्रैल, 2026 तक नेतृत्व दल के साथ मिलकर का करेंगे। अय्यर, नीलू खत्री के बाद कंपनी छोड़ने वाले दूसरे सह-संस्थापक हैं।

टोटलएनर्जीज ने एजीईएल में 1.7% हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज ने कहा कि उसने 2025 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में 1.7% हिस्सेदारी बेच दी है। कंपनी ने कहा कि उसने अक्टूबर-दिसंबर, 2025 के दौरान परिसंपत्तियों की बिक्री से 2.08 अरब डॉलर जुटाए। टोटलएनर्जीज के मुताबिक, इन विनिवेश में नाइजीरिया के बोंगा क्षेत्र में गैर-संचालित हिस्सेदारी की बिक्री, मलेशिया के ब्लॉक एसके408 में आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री, अमेरिका और यूनान में अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो में 50% हिस्सेदारी की बिक्री तथा अडाणी ग्रीन एनर्जी में 1.7% की बिक्री शामिल है।

दुबई हवाई अड्डे से 9.52 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

दुबई। दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, 2025 में भी दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा रहा। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 2025 में रिकॉर्ड 9.52 करोड़ यात्रियों ने टर्मिनल से सफर किया, जो अमीरात की जारी आर्थिक तेजी को दर्शाता है। वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में हवाई अड्डे की गतिविधियों में तेज उछाल आया है। इसे वैश्विक यात्रा रुचि के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े शहर दुबई में बढ़ते पर्यटन, व्यापार एवं रियल एस्टेट अवसरों से बल मिला है।

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव

दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर कर रहे काम

- दोनों देश मार्च के अंत तक समझौते के प्रारूप के अंतिम रूप दिए जाने के बाद हस्ताक्षर की उम्मीद

न्यूर्नबर्ग (जर्मनी), एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत ने व्यापार समझौतों में हमेशा उन क्षेत्रों को लेकर स्पष्ट सोच रखी है जो देश के लिए बेहद संवेदनशील हैं और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते में ऐसे सभी प्रमुख क्षेत्रों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर काम कर रहे हैं जिसे मार्च के अंत तक अंतिम रूप देकर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

अग्रवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा सभी समझौतों पर स्पष्ट सोच के साथ बातचीत की है। जो भी क्षेत्र भारत के लिए बेहद संवेदनशील हैं, जहां हमें लगता है कि हमारे किसान, मछुआरे, दुग्ध क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, वहां हमने अपने साझेदार देशों को साफ बता दिया है कि भारत ऐसे मामलों में बाजार नहीं खोल सकता या पहुंच नहीं दे सकता।

उन्होंने कहा कि अगर आप पिछले एक साल में किए गए सभी समझौतों को देखें। हमने पांच व्यापार समझौते किए हैं। सभी में संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की गई है। अमेरिका के साथ भी सभी प्रमुख संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखा गया है। जहां थोड़ी संवेदनशीलता थी, वहां हमने शुल्क दर कोटा व्यवस्था का इस्तेमाल किया ताकि बाजार तक पहुंच सीमित रहे और हमारे किसानों पर असर न पड़े। इस महीने की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं दुग्ध उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित रखा है। इन वस्तुओं पर अमेरिका को कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है। ये उत्पाद संवेदनशील हैं क्योंकि इनका संबंध देश के छोटे एवं सीमांत किसानों की आजीविका से है। अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भी भारत ने संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों पर आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है।

देश का निर्यात सकारात्मक रहने की उम्मीद

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अब तक भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है और जनवरी में भी इसके सकारात्मक रहने का अनुमान है। जनवरी के आंकड़े इस महीने आधिकारिक रूप से जारी किए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा, कुल मिलाकर निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वस्तु निर्यात में हम मजबूती से टिके हुए हैं। सेवाएं हमेशा की तरह बहुत अच्छा कर रही हैं। आप (जनवरी के आंकड़ों) के सकारात्मक रहने की उम्मीद कर सकते हैं। जनवरी के निर्यात आंकड़ों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल यहां बायोफैच 2026 प्रदर्शनी में हिस्सा लेने पहुंचे हैं जहां 100 से अधिक भारतीय प्रदर्शक और करीब 20 राज्य अपने जैविक उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियां जैसे पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनसे 50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में जहां कृषि अत्यधिक मशीनीकृत और कॉरपोरेट आधारित है, वहीं भारत में यह आजीविका का सवाल है। भारतीय कृषि क्षेत्र को वर्तमान में घरेलू किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए मध्यम से उच्च शुल्क एवं नियामकीय उपायों के जरिये संरक्षण दिया गया है। भारत को 2024 में अमेरिका का कृषि निर्यात 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

समझौते पर संशोधित दस्तावेज से व्हाइट हाउस ने कुछ दालों का जिक्र हटाया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने अंतरिम व्यापार समझौते पर जारी संशोधित दस्तावेज में उन अमेरिकी उत्पादों की सूची से दालों का जिक्र हटा दिया है जिन पर भारत के शुल्क समाप्त करने या कम किए जाने की बात कही गई थी। व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत ने की ऐतिहासिक व्यापार समझौते (अंतरिम समझौता) की घोषणा शीर्षक से एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) सोमवार को जारी किया था। भारत और अमेरिका के पारस्परिक एवं लाभकारी व्यापार से संबंधित अंतरिम समझौते के ढांचे की संयुक्त घोषणा के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने इसे जारी किया। इसमें समझौते की प्रमुख शर्तों को उल्लेख किया गया है जैसे कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं एवं अमेरिकी खाद्य व कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या घटाएगा। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। साथ ही यह कहा गया था कि भारत ने अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने तथा ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। व्हाइट हाउस ने हालांकि मंगलवार को जारी संशोधित दस्तावेज (फैक्ट शीट) में दालों का जिक्र हटा दिया और भारत के लिए प्रयुक्त शब्द प्रतिबद्ध को बदलकर इरादा रखता है (इंटेंड्स) कर दिया गया है। संशोधित दस्तावेज में कहा गया है, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा जिनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी), रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन तथा स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है।

एसएमई की पूंजी बाजार में पहुंच सीमित

- सेबी प्रमुख पांडये ने कहा- सूचीबद्धता से कंपनियों का संचालन हो सकता बेहतर

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ समय में हुए विकास के बावजूद, पूंजी बाजार के नजरिये से लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमई) क्षेत्र की पहुंच अभी भी सीमित बनी हुई है। पांडेय ने इंडिया एसएमई वित्तपोषण और निवेश शिखर सम्मेलन में कहा कि सूचीबद्धता से ऐसी छोटी कंपनियों में संचालन व्यवस्था बेहतर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि नियामक संस्था को अतीत में इस मोर्चे पर कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत की क्षमता के मुकाबले एसएमई पूंजी बाजार अभी भी सीमित बना हुआ है। कंपनियां पूंजी बाजारों से अपरिचित होने और मर्चेंट बैंकरों तक सीमित पहुंच के कारण बाजार में आने से हिचकिचाती हैं। कुछ वर्षों में सूचीबद्धता में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए पांडेय ने कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से पूंजी जुटाने की लागत भी एक बाधा हो सकती है। ऐसी कंपनियां खुलासा और अनुपालन को बोझिल मानती हैं और दस्तावेज दाखिल करने संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन अक्सर अस्पष्ट होता है।

सेबी प्रमुख ने बाजार से पूंजी जुटाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा कदम संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाता है, जिससे पूंजी की लागत कम हो सकती है क्योंकि बाजार विश्वसनीयता को पुरस्कृत करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, बाजार से पूंजी प्राप्त करने में एक और बाधा तब उत्पन्न हुई जब कुछ एसएमई ने एसएमई ढांचे के तहत उपलब्ध रियायतों का दुरुपयोग किया। ऐसे मामलों ने एसएमई आईपीओ में निवेशकों के भरोसे को बुरी तरह प्रभावित किया।

1,400 कंपनियां अलग एसएमई एक्सचेंज पर सूचीबद्ध

पांडेय ने कहा कि ऐसे भी मामले सामने आए जहां कुछ एसएमई ने सकारात्मक माहौल बनाने और निवेशकों को अपने शेयर खरीदने के लिए प्रेरित करने को अनुचित व्यापार गतिविधियों का सहारा लिया। सेबी और शेयर बाजार दोनों ने इस पर सुधार किया है। 1,400 कंपनियां अलग से बनाये गये एसएमई स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हैं और उनका कुल बाजार पूंजीकरण 4.1 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से 350 से अधिक कंपनियां मुख्य शेयर बाजार में स्थानांतरित हो चुकी हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनियों ने 98 आईपीओ के माध्यम से 9,800 करोड़ रुपये जुटाए। 2025-26 में जनवरी तक 232 सूचीबद्धता के साथ बढ़कर 10,500 करोड़ रुपये हो गया है।

ईसी बिना खदान संचालन पर एनएलसी को कैग ने फटकारा

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने वैध पर्यावरणीय मंजूरी के बिना अपनी एक खदान का संचालन करने के लिए एनएलसी इंडिया को फटकार लगाई है। कैग ने कहा कि पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) के पुनः सत्यापन को कंपनी के समय पर आवेदन नहीं करने से एनएलसी इंडिया ने माइन-II का संचालन वैध ईसी के बिना किया।

ऑडिट में सामने आया कि अगस्त, 2017 में उच्चतम न्यायालय के आदेश और अप्रैल, 2018 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के बाद ईसी पुनः सत्यापन के लिए आवेदन में देरी से खदान में अनधिकृत संचालन हुआ। एनएलसी इंडिया के परिचालन प्रदर्शन पर 2017-18 से 2022-23 की अवधि को शामिल करने वाली ऑडिट रिपोर्ट राज्यसभा और लोकसभा में रखी गई।

देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

चालू वित्त वर्ष में 10 फरवरी तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह बढ़ोतरी कॉरपोरेट कर की बेहतर वसूली और कर रिफंड की धीमी गति का परिणाम है।

आयकर विभाग से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंच गया। वहीं गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) से मिले कर शामिल हैं, 5.91% बढ़कर 10.03 लाख करोड़ रुपये रहा। शेयरों एवं अन्य प्रतिभूतियों के लेनदेन पर लगाया जाने वाला प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) का संग्रह 1 अप्रैल, 2025 से 10 फरवरी, 2026 के दौरान 50,279 करोड़ रहा। कर रिफंड जारी करने में 18.82% की गिरावट आई और यह घटकर 3.34 लाख करोड़ रहा। रिफंड में कमी से कर संग्रह वृद्धि दर को सहारा मिला।

देश का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.09% बढ़कर 22.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें 10.88 लाख करोड़ का सकल कॉरपोरेट कर और 11.39 लाख करोड़ रुपये का सकल गैर-कॉरपोरेट कर शामिल हैं। सरकार ने संशोधित अनुमान (आरई) में कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.84 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

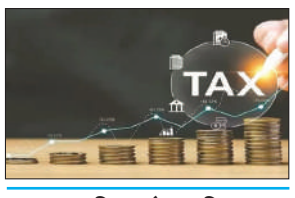

- आयकर विभाग के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंचा

राष्ट्रीय

बजट पर चर्चा : लोस में भाजपा-कांग्रेस में ठनी

जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे कभी भी टिक नहीं पाते : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेने के तुरंत बाद राहुल गांधी के सदन से चले जाने को लेकर उनपर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते हैं।

ठाकुर ने 2026-27 के बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, पहले यह होता था कि हमारे भाषण के बीच में राहुल सदन से चले जाते थे, लेकिन अब तो यह स्थिति है कि वह पहले ही भाग जाते हैं।' क्योंकि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा देर टिक नहीं पाते हैं। ना उनके आरोप कभी टिक पाए, न ये नेता कभी टिक पाए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जो भारत के लिए गर्व की और मुस्कुराने की बात है।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे याद नहीं कि राहुल गांधी पिछली बार कब मुस्कुराये थे। वह 31 जुलाई 2025 को चार बजकर 20 मिनट पर मुस्कुराये थे। जब भारत ने किसी देश के आगे झुकने से मना कर दिया था। किसी ने भारत को तल्खी में डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यव्यवस्था) कहा था। उन्होंने कहा कि भारत डेड इकोनॉमी नहीं, बल्कि डोमिनेटिंग (दबदबा रखने वाली) इकोनॉमी है।

उन्होंने वोट चोरी के आरोपों पर राहुल पर पलटवार करते हुए कहा, मुझे तो लगता है कि इनकी प्रोग्रामिंग अंकल सैम (अमेरिका सरकार) और अंकल सोरोस (जॉर्ज सोरोस) ने की है। इनमें अंकल सैम का सिम कार्ड और अंकल सोरोस का सिम कार्ड है। उधर से टाइप होता है और इधर से टेलीकास्ट होता है। ठाकुर ने भारत में डेटा सेंटर के लिए बजट प्रस्ताव में 20 साल के लिए कर अवकाश का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारत में निवेश आएगा, लेकिन राहुल गांधी इसका विरोध कर रहे हैं।

सरकार ने अमेरिका के सामने समर्पण किया, भारत माता को बेच दिया : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और उसे शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है।

उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी इस तरह का समझौता करने को विवश हुए क्योंकि अमेरिका ने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। कांग्रेस नेता ने टोका-टाकी के बीच यह भी कहा कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचला गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने मोदी और सरकार पर निशाना साधते हुए अमेरिका में एक भारतीय उद्योगपति के खिलाफ दर्ज मामले और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित प्रकरण का उल्लेख किया, जिस पर पीठासीन सभापति ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड में शामिल नहीं होगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो आरोप लगाए हैं उन्हें उन आरोपों को सत्यापित करना चाहिए, जिस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने कहा, मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में क्या हुआ। अगर हम इंडिया गठबंधन (की सरकार में) अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत कर रहे होते, तो हम साफ़ करते कि इस पूरे समीकरण में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी भारतीय डेटा है। अगर डॉलर को सुरक्षित रखना है, तो उसे यह मानना होगा कि भारतीय डेटा रणनीतिक पूंजी है और किसी भी चर्चा को बराबरी पर होना चाहिए, मालिक और नौकर की तरह नहीं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता और अमेरिका अपने किसानों की रक्षा करेगा, वहीं हम अपने किसानों की रक्षा करेंगे।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को केंद्र से उनकी कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं होने संबंधी कुछ विपक्षी सांसदों के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि सरकार ने केंद्रीय करों के विभाज्य पूल में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है।

सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने बजट में पांच मेडिकल क्लस्टर, पांच मेगा औद्योगिक पार्क, बुजुर्गों के देखभाल के लिए पेशेवरों को तैयार करने जैसी कई घोषणाएं की हैं जिनसे लाखों रोजगारों का सृजन होगा। हम पर आरोप है कि हम राज्यों की 41% कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं करते। मैं आश्वासन देती हूं कि हमने केंद्रीय करों में राज्यों को मिलने वाली हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक राज्यों की कर हिस्सेदारी का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि केंद्र से राज्यों को मिलने वाला यह धन आयोग की सिफारिश से मेल खाता है और इसमें कोई कमी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में राज्यों को कुल कर हस्तांतरण 25.44 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 2.07 लाख करोड़ अधिक होगा। संविधान ने केंद्र को उपकर और अधिशेष लगाने का अधिकार दिया है और विभाज्य पूल में वह शामिल नहीं होता है, इसलिए राज्यों की कुल कर हिस्सेदारी की बात करते समय उपकर और अधिशेष संबंधी आरोप अनुचित हैं।

बंगाल में बम चलता है कानून नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में बम चलता है, कानून नहीं। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-गुल के बीच, उन्होंने राज्य में महिलाओं के साथ हुई हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के बजाय दोष महिलाओं पर मढ़ रही है। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, मुख्यमंत्री एक महिला होते हुए भी बोल रही हैं कि अगर महिला, विशेष रूप से लड़की हो तो रात्रि के समय बाहर नहीं जाओ। आप कानून-व्यवस्था को बेहतर नहीं कर रहे हैं, मगर महिला के उपर दोष डालते जा रहे हैं। उन्होंने दुर्गापुर में एमबीबीएस छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना का भी जिक्र किया।

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक

विचार को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का किया गया गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

- समिति में दोनों सदनों के सदस्य, प्रावधानों की समीक्षा के बाद रिपोर्ट करेगी प्रस्तुत

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक बनाने का प्रस्ताव करने वाले विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक (वीबीएसए) पर गौर करने के लिए संसद में 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व बीजेपी सांसद डी. पुरंदेश्वरी करेंगी।

लोकसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस समिति में दोनों सदनों के सदस्य शामिल हैं और यह प्रस्तावित कानून के प्रावधानों की समीक्षा करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। संसद में वीबीएसए विधेयक को शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया गया था। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में व्यापक बदलाव करने का उद्देश्य रखता है। प्रस्तावित कानून का लक्ष्य विभिन्न मौजूदा नियामकों को एक ही व्यापक संस्था से बदलना और मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण की जिम्मेदारियों को अलग करना है। सरकार ने कहा था कि विपक्षी दलों द्वारा संघवाद, संस्थागत स्वायत्तता और शक्तियों के केंद्रीकरण से जुड़ी चिंता जताने के मद्देनजर परामर्श के लिए वह संयुक्त समिति को भेजना चाहती है।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना जांच रिपोर्ट दाखिल करे केंद्र

- केंद्र ने कहा- एएआईबी जांच अंतिम चरण में, कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने 12 जून, 2025 को एअर इंडिया विमान दुर्घटना के मामले में बुधवार को केंद्र से अब तक अपनाए गए प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल पर संक्षिप्त रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। अदालत ने यह निर्देश तब दिया जब उसे सूचित किया गया कि हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) द्वारा अंतिम चरण में है।

लंदन जा रही एअर इंडिया की बोइंग 787-8 उड़ान एआई171 गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसमें 241 यात्री और चालक दल समेत 260 लोग मारे गए। दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मौत हो गई थी। बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि एएआईबी जांच अंतिम चरण में है और कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत है। मेहता केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से अदालत में पेश हुए। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मामले पर तीन संबंधित याचिकाओं को व्यापक सुनवाई के लिए तीन सप्ताह के बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। पीठ का शुरू में विचार था कि एएआईबी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में उसके समक्ष प्रस्तुत की जाए।

एसआईटी के समक्ष पेश हों पूर्व टीडीबी सचिव

शबरिमला सोना चोरी का मामला

उच्चतम न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव को शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया और उनकी अग्रिम जमानत अवधि भी बढ़ा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री को गिरफ्तारी से दी गई राहत को बढ़ाते हुए उनसे मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा। न्यायालय ने कहा, प्रतिवादी केरल राज्य के जवाबी हलफनामे के अनुच्छेद 16 में उल्लिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, हम याचिकाकर्ता को निर्देश देते हैं कि वह आगे की पूछताछ के लिए 18 फरवरी, 2026 को दोपहर 12 बजे एक बार फिर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो। पूर्व में दी गई अंतरिम सुरक्षा अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगी। इसने मामले को 20 फरवरी के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने 18 दिसंबर, 2025 को जयश्री की स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए, उन्हें 8-9 जनवरी को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्ति की परतों से सोने की चोरी से संबंधित मामले में चौथी आरोपी जयश्री, 2019 में टीडीबी की सचिव थीं।

यूएपीए पर रिपोर्ट दाखिल करे एनआईए

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को निर्देश दिया है कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा और अशांति से संबंधित मामले में आतंकवाद से जुड़े कठोर प्रावधानों वाले गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल का औचित्य स्पष्ट करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल करे। पश्चिम बंगाल सरकार की अपील का निस्तारण करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में एनआईए की जांच के खिलाफ अपनी शिकायतों के साथ उच्च न्यायालय में जाने के लिए भी कहा।

हिमंत से जुड़ी याचिका होगी सूचीबद्ध

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चार लोगों द्वारा दायर एक और याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ राज्य में मुसलमानों को निशाना बनाने वाले कथित नफरती भाषणों के मामले में निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और सीपीआई नेता एनी राजा की एक अलग याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी। इसमें एक वायरल वीडियो को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। वीडियो में हिमंत को मुस्लिमों पर राइफल से गोली चलाते हुए दिखाया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

फिलीपींस में जहाज डूबने से मरने वालों की संख्या 52 हुई

फिलीपींस। फिलीपींस के बेसिलन प्रांत के पास यात्री-मालवाहक जहाज 'त्रिशा कर्स्टिन 3' के डूबने से 52 लोगों की मौत हो गई है। फिलीपीन कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने तकनीकी गोताखोर टीमों के चल रहे प्रयासों का हवाला देते हुए बताया कि गोताखोरों ने मंगलवार तड़के बालुक-बालुक द्वीप के पास खोज और बचाव अभियान के दौरान एक और शव बरामद किया। कुल मिलाकर 316 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बचाव दल अभी भी शेष पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। यह जहाज 26 जनवरी की रात बेसिलन से लगभग एक समुद्री मील की दूरी पर डूब गया था, जिसमें 332 यात्री और चालक दल के 27 सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि डूबने का संभावित कारण तकनीकी खामी थी।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने में सिंगापुर में भारतीय को सजा

सिंगापुर। सिंगापुर की एक अदालत ने बुधवार को भारतीय मूल के एक व्यक्ति को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और एक सार्वजनिक अधिकारी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के आरोप में 14 सप्ताह की जेल की सजा सुनाई। चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय विकनेस्वरन वी मोगनावल ने धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के अधिनियम के तहत एक आरोप और एक लोक सेवक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के दूसरे आरोप में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली है। वह इसलिए नाराज था क्योंकि उसके पड़ोसी के बच्चे अक्सर उसके अपार्टमेंट के पास वाले साझा गलियारे में खेलते थे। उसकी पड़ोसी अपने पति, तीन बच्चों, सास, बहन और एक नौकरानी के साथ वहीं रहती थी।

तनाव कम करने के लिए यूनान और तुर्किए के नेता करेंगे वार्ता

अंकारा। यूनान के प्रधानमंत्री क्यारियाकोस मित्सोताकिस बुधवार को तुर्किए की यात्रा के लिए रवाना हुए, जहां दोनों देशों के बीच वार्ता होने की उम्मीद है। यह यात्रा ऐसे समय में संवाद बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है जब दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आने वाले मित्सोताकिस तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे। यह वार्ता उच्च स्तरीय सहयोग परिषद के तहत एक पहल है जिसे नाटो के दोनों सहयोगियों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया था। यूनान और तुर्किये के बीच समुद्री सीमाओं, साइप्रस और पूर्वी भूमध्य सागर में 'ड्रिलिंग' अधिकारों सहित कई मुद्दों पर मतभेद बना हुआ है।

श्रीलंकाई सांसद की हत्या के मामले में 12 को मौत की सजा

कोलंबो, एजेंसी

● बेगमपुर इलाके में हुआ हादसा पुलिस ने दर्ज किया मामला

श्रीलंका की गम्पाहा हाईकोर्ट ने बुधवार को वर्ष 2022 में तत्कालीन सांसद अमरकीर्ति अथुकोराला और उनके सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में 12 व्यक्तियों को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। यह फैसला एक लंबी सुनवाई के बाद आया है, जिसमें इन हत्याओं के संबंध में कुल 42 लोगों को आरोपित किया गया था।

मौत की सजा के अलावा, अदालत ने चार अन्य व्यक्तियों को छह महीने की जेल की सजा सुनाई है। अन्य 23 आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया। रिपोर्टों के अनुसार, मई 2022 में देशव्यापी अशांति के दौरान सांसद और उनके सुरक्षा अधिकारी ने प्रदर्शनकारियों की एक आक्रोशित भीड़ पर उस समय गोलियां चला दी थीं, जब वे उनके वाहन को रोक रहे थे। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसी दिन बाद में सांसद और उनके सुरक्षाकर्मी पास की एक इमारत के अंदर मृत पाए गए थे।

साइबर ठगों को सिस्टम का साथ

डिजिटल 'डकैती'

डिजिटल अरेस्ट के जरिए 54,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की ठगी को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डकैती करार दिया है। यह निराशाजनक ही है कि साइबर ठगी यह तरीका कई वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन देश का गृह विभाग इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। रिकॉर्ड के अनुसार देश में डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं का इतिहास करीब पांच साल पुराना हो चुका है। साल दर साल इन घटनाओं में बेहद तेज वृद्धि हुई है। इस बीच सबसे ज्यादा चिंताजनक यह है कि ठगी के कुछ मामलों में बैंक और टेलीकॉम अफसरों की साठगांठ भी सामने आई है। डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं में अपराधियों तक पहुंचने में पुलिस की कामयाबी की दर भी बेहद मामूली है। इसके साथ यह भी सवाल उठने लगे हैं कि देश में डिजिटल क्रांति पर जोर देने के साथ लोगों को ठगी से बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं।

डिजिटल अरेस्ट की शुरुआत

- लोगों को वीडियो कॉल कर डिजिटल अरेस्ट के जरिए ठगी के मामले 2021 में आने शुरू हुए और बाद में तेजी से इनकी संख्या बढ़ी।
- डिजिटल अरेस्ट में मनोवैज्ञानिक दबाव और वीडियो विजुअल्स की मदद ली गई जो जामतारा जैसे ठगी के केंद्रों से विकसित हुआ।
- भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2022 में 40,000 केस दर्ज किए गए थे जो 2024 तक बढ़कर 1.23 लाख से अधिक हो गए।
- नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसार 2024 में तीन गुना वृद्धि हुई, शुरू के 4 महीनों में ही 120.30 करोड़ की ठगी हुई।

अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और तकनीक

- जांच में पाया गया कि ठग गिरोहों के तार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों जैसे कंबोडिया, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से जुड़े हैं।
- हाल के वर्षों में अपराधियों ने एआई का उपयोग करके पुलिस अधिकारियों की आवाज और चेहरे की नकल करनी शुरू की है।

बैंक अधिकारियों की साठगांठ

- दिल्ली में येस बैंक के दो अफसर गिरफ्तार किए गए, जिन्होंने फर्जी खाते खोले ताकि पैसे को लाउंडर किया जा सके।
- कमीशन लेकर फर्जी खाते खोलने पर हैदराबाद और बेंगलुरु में एयू स्मॉल फाइनेंस, बंधन बैंक शाखा प्रबंधक पकड़े गए।
- तेलंगाना में ऑपरेशन इनसाइडर के तहत कई बैंक अफसर पकड़े गए जो खाते खोलकर अपराधियों की मदद कर रहे थे।
- वोडाफोन के एरिया सेल्स मैनेजर ने साइबर ठगों को 21,000 सिम मुहैया कराए, जिसे दिल्ली में सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

हैरतअंगेज मामले

- चेन्नई में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पूर्व केंद्रीय सचिव पद्म भूषण सम्मानित टी. रामासामी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने 57 लाख की ठगी की।
- अगस्त 2024 में ठगों ने पद्म भूषण से सम्मानित वर्धमान ग्रुप के एसपी ओसवाल को सीबीआई अफसर बनकर डिजिटल अरेस्ट किया और 7 करोड़ ठग लिए।
- चंडीगढ़ में रिटायर्ड कर्नल और उनकी पत्नी से 3.4 करोड़ रुपये की ठगी हुई।

डिजिटल क्रांति में सुरक्षा की कमी

- भारत का पहला व्यापक डिजिटल कानून डिजिटल क्रांति के कई वर्षों बाद आया। इसके नियम अभी भी पूरी तरह लागू होने की प्रक्रिया में हैं। इस देरी ने ठगों को बड़ा अवसर मुहैया कराया।
- टेलीकॉम और बैंकिंग कर्मचारी ही सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार कर रहे हैं, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी है। रिजर्व बैंक ने भी स्वीकार किया है कि म्यूल खाते खोलने के पीछे साठगांठ है।
- ठग अत्याधुनिक एआई और डीपफेक उपयोग कर रहे हैं जबकि देश के कई राज्यों में साइबर पुलिस के पास पुराना बुनियादी ढांचा है और वह विशेषज्ञों की भारी कमी से जूझ रही है।

आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत

दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता के बाद चीन ने दिया जोर

बीजिंग, एजेंसी

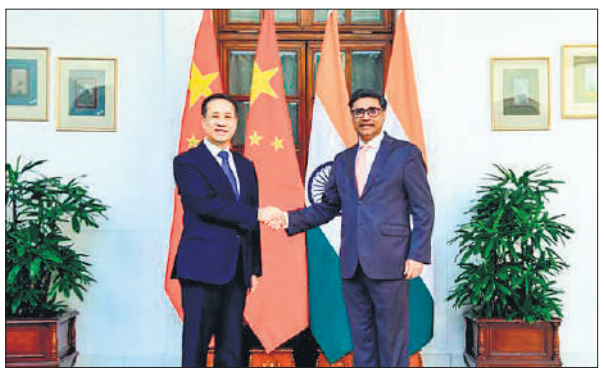

भारत ने संवेदनशील मुद्दों पर चिंता जताई

इस वार्ता पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा की और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ाकर तथा संवेदनशील मुद्दों पर चिंताओं को दूर करके संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जायसवाल ने संवेदनशील मुद्दों के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन समझा जाता है कि भारतीय पक्ष दुर्लभ पृथ्वी खनिजों से संबंधित चीन के निर्यात नियंत्रण उपायों को लेकर चिंतित है। मिसरी और झाओक्सू की वार्ता पर भारतीय पक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चर्चा मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने और पुनर्निर्माण में हालिया प्रगति तथा आगे संपर्क बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों की समग्र प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने नR दिल्ली में भारत के साथ मंगलवार को हुई रणनीतिक वार्ता पर मंगलवार को कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए, साथ ही मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके चीनी समकक्ष मा झाओक्सू ने भारत-चीन रणनीतिक वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।मा झाओक्सू भारत में 'ब्रिक्स' शेरपा बैठक में भाग लेने आए हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से मिसरी और झाओक्सू के बीच बातचीत पर कहा गया कि दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्थिति, दोनों देशों की आंतरिक एवं बाहरी नीतियों, साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चीन-भारत संबंधों पर मित्रतापूर्ण, स्पष्ट और गहन संवाद किया। दोनों पक्षों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जटिल और गहरे बदलावों को देखते हुए भारत और चीन को मिलकर काम करना चाहिए तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ को गंभीरता से लागू करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच बनी समझ के अनुसार, दोनों देशों को यह रणनीतिक धारणा बनाए रखनी चाहिए कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं, खतरा नहीं।

चीन ने कहा कि दोनों देशों को आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए, सहयोग बढ़ाना चाहिए, मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए और संबंधों को स्थिर एवं सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों ने 2026 और 2027 में ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान एक-दूसरे के कार्यों का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके अलावा दोनों पक्षों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, 'ग्लोबल साउथ' में एकता एवं सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय न्याय एवं निष्पक्षता की रक्षा करने, बहुध्रुवीय विश्व के लिए मिलकर काम करने तथा एशिया और विश्व में शांति एवं विकास में योगदान देने पर सहमति जताई।

बीजिंग में भारत और अमेरिका के राजदूतों की मुलाकात

बीजिंग। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप रावत और उनके अमेरिकी समकक्ष डेविड पर्ड्यू ने बीजिंग में मुलाकात की और अमेरिका-भारत संबंधों एवं साझा हितों पर चर्चा की। पर्ड्यू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों पर घनिष्ठ सहयोग और क्वाड की भागीदारी के माध्यम से अमेरिका-भारत संबंध वास्तविक परिणाम देते हैं। उन्होंने कहा, अपने मित्र राजदूत रावत से मिलकर हमारी साझा रुचियों पर चर्चा करना हमेशा ही बहुत अच्छा अनुभव रहता है। दिसंबर के बाद से यह उनकी दूसरी बैठक है। रावत, पर्ड्यू और चीन में जापानी राजदूत केंजी कानासुगी ने पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी दूतावास में मुलाकात की थी।

बांग्लादेश में आम चुनाव आज, 50% से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील

● सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, बॉडी कैमरे से लैस पुलिसकर्मी तैनात

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को होने जा रहे आम चुनाव के लिए आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 90 प्रतिशत मतदान केंद्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे। राजधानी ढाका में बॉडी कैमरों से लैस पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की सुरक्षा प्रणाली जोखिम मूल्यांकन पर आधारित है। निर्वाचन आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता के आकलन के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इन चुनाव में देश के चुनावी इतिहास में कानून प्रवर्तन कर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती और प्रौद्योगिकी का सबसे व्यापक उपयोग देखने को मिलेगा। सनाउल्लाह ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी मतदान के दौरान और चुनाव के बाद मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति से काफी हद तक संतुष्ट है और पहले की तुलना में हम अब बेहतर स्थिति में हैं। उनकी यह टिप्पणी पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम के उस बयान के कुछ देर बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश भर में लगभग 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 मतदान केंद्र उच्च या मध्यम जोखिम वाले मतदान केंद्र पाए गए हैं।

आम चुनाव की पूर्व संध्या पर ढाका में मतपेटियां तैयार करता एक कर्मचारी।

मुख्य मुकाबला बीएनपी और जमात के बीच

बांग्लादेश में एक जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ आम चुनाव हो रहे हैं। मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को संसदीय चुनाव होंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच मार गिराए गए थे 10 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को टैरिफ की धमकी देकर रोक दिया था जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। उन्होंने कहा, इस संघर्ष में उनके हस्तक्षेप करने तक 10 विमान मार गिराए गए थे।

ट्रंप ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैंने आठ युद्ध रुकवाए। इनमें से छह टैरिफ के कारण सुलझे। जैसे भारत और पाकिस्तान। मैंने कहा कि अगर आप यह युद्ध नहीं रोकते हैं तो मैं आप पर टैरिफ लगा दूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि लोग मारे जाएं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने पूछा कि युद्ध का टैरिफ से क्या लेना-देना। ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था, ट्रंप ने हमें लड़ाई रोकने के लिए राजी करके कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बचाई।

पेजेश्कियान ने प्रदर्शनों पर खूनी कार्रवाई के पीड़ितों से माफी मांगी

दुबई, एजेंसी

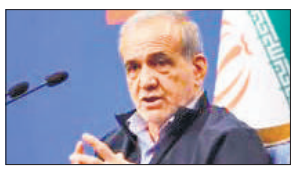

● देशव्यापी प्रदर्शनों पर पश्चिमी देशों के दुष्प्रचार की निंदा की

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देशव्यापी प्रदर्शनों और उसके बाद हुई खूनी कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को माफी मांगी। हालांकि, राष्ट्रपति ने प्रदर्शनों को लेकर फैलाए कथित पश्चिमी दुष्प्रचार की भी निंदा की।

पेजेश्कियान ने कहा कि वह प्रदर्शनों और उनके खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुए लोगों के गहरे दुख को समझते हैं लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि इस रक्तपात में ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका थी। उन्होंने कहा, हम जनता के सामने शर्मिंदा हैं और इन घटनाओं में जिन लोगों को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। हम जनता से टकराव नहीं चाहते। पेजेश्कियान ने यह भी जोर देकर कहा कि उनका देश परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहा और वह किसी भी तरह की जांच के लिए तैयार हैं।

उनकी यह टिप्पणी ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति की वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में आई। ईरान इस समय अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं। ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए एक और विमानवाहक पोत भेजने की धमकी दी है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी कई महीनों से ईरान के परमाणु भंडार का निरीक्षण और सत्यापन करने में असमर्थ रही है।

ट्रंप के अलावा किसी ने नहीं कहा रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत

● लावरोव ने कहा- रूस भारत के साथ संबंधों को लेकर हरसंभव प्रयास करने को तैयार

मास्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा किसी ने भी यह नहीं कहा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को देश की संसद में यह बात कही। रूस ने अमेरिका पर भारत और अन्य देशों को उससे तेल खरीदने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया था, जिसके दो दिन बाद लावरोव की यह टिप्पणी आई है।

रूस का कहना है कि वाशिंगटन टैरिफ, प्रतिबंध और सीधे रोक सहित कई तरह के दबावपूर्ण कदम उठा रहा है। लावरोव ने बुधवार को स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) में एक सांसद के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, आपने उल्लेख किया कि ट्रंप ने भारत की रूस से तेल न खरीदने की सहमति की घोषणा की है। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या किसी अन्य भारतीय नेता से ऐसा कोई बयान नहीं सुना है। लावरोव ने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में शेरपाओं की पहली बैठक में कहा था कि ऊर्जा सुरक्षा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में से एक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शामिल होने की उम्मीद है। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा।

लावरोव ने कहा कि दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा ने मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंधों को समृद्ध किया है।

गलत बाल काटने पर मुआवजा राशि दो करोड़ से घटाकर 25 लाख की

● सुप्रीम कोर्ट ने पलटा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून में गलत बाल काटने पर एक महिला को दी जाने वाली मुआवजा राशि को दो करोड़ रुपये से घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, बेशक सेवा में खामी सिद्ध हुई है, फिर भी उपभोक्ता विवादों में मुआवजा सिर्फ शिकायतकर्ता की मांग या हठ पर तय नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बिंदल ने फैसले में कहा, दावा जब करोड़ों रुपये का हो तो मुआवजा देने के लिए कुछ ठोस सबूत पेश करना जरूरी है। मुआवजे का दावा करोड़ों रुपये का था, जिसके लिए यह साबित करना आवश्यक था कि सेवा में कमी के कारण प्रतिवादी को कुछ आर्थिक नुकसान हुआ। इसे केवल दस्तावेजों की फोटोकॉपी पेश करके साबित नहीं किया जा सकता।

यह था मामला

अप्रैल 2018 में प्रबंधन पेशेवर अशना रॉय दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून गई थीं। रॉय ने आरोप लगाया कि हेयर स्टाइलिस्ट ने उनके कहने के विपरीत बाल छोटे काट दिए, जिससे उन्हें मानसिक आघात लगा और करियर के अवसरों से हाथ धोना पड़ा। एनसीडीआरसी ने शुरू में उन्हें दो करोड़ रुपये दिए जाने का फैसला सुनाया था।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 12 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 12.22 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

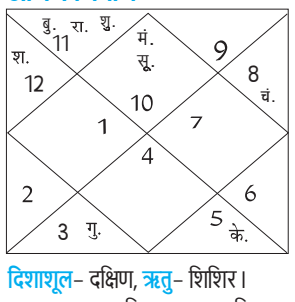

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 13.42 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज महिलाओं को अपना व्यवहार संयमित रखना चाहिए। मन में अनेक प्रकार के विचार एक साथ आएंगे। गूढ़ विषयों के अध्ययन के लिये प्रेरित हो सकते हैं। लोगों से अधिक सलाह न लें वरना अनावश्यक भ्रमित हो जाएंगे।

वृष — आज आपके रुके हुए कार्य गतिशील होने की संभावना है। नई तकनीक के प्रति जिज्ञासु रहेंगे। परिश्रम का बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा। आंखों में परेशानी और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें।

मिथुन — आज आपकी सलाह से लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। अचल संपत्ति की खरीदी का विचार मन में आएगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

कर्क — आज दोपहर के बाद का समय आपके लिए अत्यंत सुखद रहने वाला है। आप लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। अटके हुए धन का लाभ आपको मिलेगा। आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपको सुधार करना पड़ेगा।

सिंह — आज मन में साहसिक कार्य करने की इच्छाशक्ति जागृत होगी। अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुंठित हो सकते हैं। अहंकारी व्यवहार के कारण स्वजन आपसे नाराज हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग से अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। दूर के स्थानों की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। नए कारोबार में आप निवेश कर सकते हैं। मीडिया और प्रकाशन समूह से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

तुला — आज विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आपको कठोर निर्णय लेने पड़ेंगे। लोगों के लिए आप प्रेरणा का केन्द्र बनेंगे। घर का वातावरण बहुत ही सुखमय रहेगा। कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है।

वृश्चिक — आज रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। परिवार में सभी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आप जो भी काम हाथ में लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी।

धनु — आज पहले की गई गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा। आर्थिक मामलों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे। अपना मन सदैव शान्त रखें। घरेलू खर्च को लेकर आपका बजट गड़बड़ा सकता है। स्वार्थी लोग आपके संपर्क में रहेंगे।

मकर — आज दिन की शुरुआत किसी शुभ खबर से होगी। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। प्रेमीजन के साथ मतभेद दूर होंगे। गलत बातों में अपना समय बर्बाद न करें। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय देंगे।

कुंभ — आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मन काम में नहीं लगेगा। कारोबार में आपको बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने के कारण मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें। मन में संतुष्टि का भाव रहेगा।

मीन — आज अनर्गल कार्यों में अधिक ध्यान न लगाएं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। व्यवसाय में आकस्मिक धन हानि झेलनी पड़ सकती है। धार्मिक कार्यों में आपका मन नहीं लगेगा। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं।

सुडोकू-59

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4		7	
				3				5
2					9			
6	5			7			8	
			1		8			
	1			6			9	2
			7					8
9				4		3		
	8		3			1		

सुडोकू - 58 का हल

6	1	9	2	5	4	7	3	8
7	2	4	3	8	6	1	9	5
3	5	8	1	9	7	6	2	4
1	6	7	5	3	9	4	8	2
2	4	3	6	7	8	9	5	1
8	9	5	4	2	1	3	6	7
4	3	6	8	1	2	5	7	9
9	8	1	7	6	5	2	4	3
5	7	2	9	4	3	8	1	6

भारतीय टीम 15 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए उत्साहित हैं। हम खेलने के लिए तैयार हैं। हम सभी टीमों पर नजर रखे हैं। हम गेंदबाजों को और बल्लेबाजों को देख रहे हैं।
–तिलक वर्मा

स्टेडियम

अयोध्या, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभिषेक की तबीयत खराब होने से मेजबान टीम चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा क्योंकि इससे उसकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें फिरोज शाह कोटला की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह।

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जान बाल्ट, ज़ेन ग्रीन (विकेटकीपर), मालन क्रूगर, डायलन लीचर, लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्राइलिनक, जान निकोल लोफ्टी-ईटन, विलियम मायबर्ग, जे जे स्मिट, जैक ब्रासेल, मैक्स हेंगो, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, बेन शिकोंगो, रूबेन ट्रम्पेलमैन।

दो दिन बाद अस्पताल से मिली छुट्टी, नामीबिया से खेलने पर संदेह

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल रहने के बाद छुट्टी मिल गई है, लेकिन नामीबिया के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कहा कि अभिषेक के कल खेलने को लेकर अभी फैसला नहीं लिया गया है। तिलक ने पत्रकारों से कहा जब हम दिल्ली पहुंचे तो वह चेकअप के लिए अस्पताल गया था। उसे आज छुट्टी मिल गई है और वह ठीक है। मैच में अभी भी एक दिन का समय है। उम्मीद है कि कल इस पर फैसला लेंगे।

- संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका

गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है। नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह ईशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं। सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

आज के मैच

टीम	समय
श्रीलंका-ओमान	पूर्वाह्न 11 बजे
इटली-नेपाल	दोपहर 3 बजे
भारत-नामीबिया	शाम 7 बजे

हाईलाइट

बांगड़ ने कहा- बेखौफ होकर खेलना जारी रखे भारत

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा कि भारत को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी का ज्यादा विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है और उसे अपना बेखौफ रवैया जारी रखना चाहिए जिसके कारण उसने काफी सफलता हासिल की हैं। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए अपने पहले मैच में भारत 13वें ओवर में 77 रन पर छह विकेट खो बैठा था, लेकिन फिर भी उसने अमेरिका पर 29 रन से जीत हासिल की। बांगड़ ने जिओ हॉटस्टार के एक कार्यक्रम में कहा मुझे नहीं लगता कि भारतीय बल्लेबाजों को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ जो हुआ उसका बहुत अधिक विश्लेषण करना चाहिए, क्योंकि टी20 क्रिकेट में आजकल जिस तरह से भारतीय बल्लेबाज खेल रहे हैं उसमें निश्चित तौर पर जोखिम भरा हुआ है।

अनीश ने रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य जीता

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि आठवें दिन कजाखस्तान का दबदबा रहा। अनीश का एशियाई चैम्पियनशिप में यह तीसरा पदक है। एड्रियन कर्माकर ने 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरूष वर्ग में और जूनियर पुरूष 25 मीटर आरएफपी में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भारत के अब 41 स्वर्ण, 19 रजत और 15 कांस्य पदक हो गए हैं जबकि स्पर्धा के दो दिन बाकी हैं। अनीश और आदर्श सिंह क्वालीफाइंग दौर में सातवें और आठवें स्थान पर रहे थे। कजाखस्तान के पूर्व चैम्पियन निकिता चिरयुकिन क्वालीफायर में शीर्ष रहे। फाइनल में आदर्श चौथी सीरिज के बाद बाहर हो गए जबकि अनीश, निकिता व जापान के योशिओका संयुक्त बढ़त पर थे।

दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर दूसरे सुपर ओवर में रोमांचक जीत

टी-20 विश्व कप : पहले 187 और 17 रनों पर टाई हो गया था मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के साहसिक खेल के बावजूद अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे मैच में दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19.4 ओवर में 187 रन पर आउट हो गई। फिर पहला सुपर ओवर भी टाई रहा। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी ने सुपर ओवर किया जिसमें अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसमें अजमतुल्लाह उमरजई का एक छक्का और दो चौके शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने फजलहक फारुकी के ओवर में एक विकेट पर 17 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर स्कोर बराबर किया। उमरजई दूसरा सुपर ओवर करने के लिए आए जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने डेविड मिलर के दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने पहली दो गेंद पर कोई रन नहीं दिया और मोहम्मद नबी को आउट किया। गुरबाज ने इसके बाद लगातार तीन छक्के लगाए लेकिन आखिरी गेंद पर वह आउट हो गए।

इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के दो मैच में चार अंक हो गए हैं जबकि अफगानिस्तान की यह लगातार दूसरी हार है। उसे अगले चरण में जाने के लिए न सिर्फ अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे बल्कि अन्य मैच के परिणाम भी अनुकूल रहने के लिए दुआ करनी होगी। अफगानिस्तान इससे पहला लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में था लेकिन लगातार विकेट गंवाने के कारण उसे नुकसान हुआ। उसकी तरफ से गुरबाज ने 42 गेंद पर 84 रन बनाए जिसमें चार चौके और सात छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनगिडी ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले रयान रिकेल्टन ने 28 गेंद पर 61 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। क्विंटन डीकॉक ने 41 गेंद पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। कप्तान एडन मार्करम (05) के जल्दी आउट होने के बाद 114 रन की साझेदारी की।

सुपर ओवर में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर

दक्षिण अफ्रीका 187/6 (20 ओवर)
- मार्क रयान रिकलेटन 61
- क्विंटन डी कॉक 59

गेंदबाजी : अजमतुल्लाह उमरजई 3-41, राशिद खान 2-28

अफगानिस्तान 187/10 (19.4 ओवर)
- रहमानुल्लाह गुरबाज़ 84
- अज़मतुल्लाह उमरज़ई 22

गेंदबाजी : लुंगी एनगिडी 3-26, केशव महाराज 1-27

पहला सुपर ओवर : टाई

अफगानिस्तान - 6 बॉल में 17/0

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 17/1

दूसरा सुपर ओवर: द. अफ्रीका 4 रन से जीता

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 23/0

अफ़गानिस्तान - 6 बॉल में 19/2

खिलाड़ियों से कहा था कि आखिर तक लड़ना होगा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा था कि उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ 'चुनौती' के लिए तैयार रहना होगा और बुधवार को यहां खेला गया यह मैच टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हुआ। इसे शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। जीत और अंक मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं। मार्करम ने कहा आखिरकार सुपर ओवर में आप अपने बेहतर, सबसे आत्मविश्वास से भरे खिलाड़ी को चुनते हैं। पहले ओवर में लुंगी से ज्यादा गलती नहीं हुई, लेकिन फिर उन्होंने अच्छा स्कोर बना लिया। केशव के साथ भी यही कहानी रही। स्पिनर के लिए यह मुश्किल होता है, फिर भी हमने उन पर भरोसा किया। उन्होंने कहा मैंने लड़कों से कहा था कि लक्ष्य ठीक है, लेकिन हमें चुनौती का सामना करना होगा।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को दिया 197 रनों का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी

- शेरफेन रदरफोर्ड ने खेली आक्रामक पारी

शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 76 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने खराब शुरूआत से उबरते हुए इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मैच में बुधवार को छह विकेट पर 196 रन बनाए।

रदरफोर्ड ने सात छक्कों और दो चौकों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 76 रन बनाये। इससे पहले वेस्टइंडीज ने दस ओवर के बाद 79 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे। आखिरी दस ओवर में 117 रन बने। रदरफोर्ड ने पांचवें विकेट के लिये रोवमैन पॉवेल (14) के साथ 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (17 गेंद में चार छक्कों, एक चौके की मदद से 33 रन) के साथ छठे विकेट के लिये 32 रन जोड़े। टेस्ट कप्तान रोस्टन चेस ने चौथे नंबर पर उतरकर 34 रन बनाए। होल्डर ने आखिरी ओवरों में सैम कुरेन को एक ही ओवर में तीन छक्के लगाये। रदरफोर्ड को 18वें ओवर में आदिल रशीद ने जीवनदान दिया था।

होल्डर ने आतिशी पारी खेलकर रदरफोर्ड पर से दबाव कम किया। पिछले मैच में नेपाल के बल्लेबाजों से नसीहत पाने वाले रशीद ने मजबूती से वापिस की और 16 रन देकर दो विकेट चटकाये। वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और दो विकेट आठ रन पर ही गिर गए। कप्तान शाइ होप ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर प्वाइंट पर टॉम बेंटोन को कैच थमाया जबकि कुरेन ने ब्रेंडन किंग को स्वीपर कवर में लपकवाया। चेस ने पांचवें ओवर में विल जैक्स को लगातार तीन चौके लगाये जबकि शिमरोन हेटमायेर ने एक छक्का जड़ा। जैमी ओवर्टन ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने हेटमायेर (23) का विकेट भी चटकाया जिन्होंने शॉर्ट फाइनल लेग पर कुरेन को कैच दिया।

पारी के दौरान शॉट लगाते वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड। एजेंसी

इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है : अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट

अहमदाबाद। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका से दूसरे सुपर ओवर में मिली हार के बाद कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने क्षेत्ररक्षण में उनकी टीम को कमजोर साबित किया। टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में दक्षिण अफ्रीका ने दो सुपर ओवर के बाद अफगानिस्तान को हराया। ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा इससे साबित होता है कि हमारे पास कितनी शानदार टीम है। हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ कुछ दिन पहले मिली हार के बाद दक्षिण अफ्रीका से करीबी मुकाबला हारना दिल तोड़ने वाला है। हमें कठिन ग्रुप भी मिला है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट ने कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। उन्होंने कहा टीम को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिये लेकिन कई बार इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। अब अहम यह है कि हम इसके सकारात्मक पहलुओं को देखें और यह भी प्रयास करें कि जहां गलतियां हुई हैं, उनमें सुधार हो। ट्रॉट ने कहा दक्षिण अफ्रीका की फील्डिंग बहुत अच्छी थी। रन आउट, सीमा पर कैच और रन बचाने के प्रयास। जबर्दस्त फील्डिंग और शायद यही फर्क था। ट्रॉट के कोच रहते अफगानिस्तान पिछले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। इस विश्व कप के बाद वह टीम से विदा ले रहे हैं लेकिन अभी इस बारे में उन्होंने कुछ कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इस पर बात करेंगे। अभी दो अहम मैच खेलने हैं। अभी कुछ और बात करने का समय नहीं है। मैं अभी भी कोच हूं और मुझे यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में यूएई के खिलाफ हम अच्छा खेलें।

एलिस-जम्पा की मारक गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को हराया

कोलंबो, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस (12 रन देकर चार विकेट) और लेग स्पिनर एडम जम्पा (23 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से बुधवार को यहां ग्रुप बी मैच में आयरलैंड पर 67 रन की जीत के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू किया। एलिस ने अपने शुरूआती स्पैल में तीन विकेट झटककर जीत की लय तय की। उन्होंने शीर्ष क्रम को पवेलियन भेजा तो वहीं जम्पा ने मध्य और निचले क्रम पर कहर बरपाया जिससे आयरलैंड की पारी 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.5 ओवर में नौ विकेट 115 रन पर खत्म हुई।

आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग एक गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस।

आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने धीमी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस (45 रन) और मैथ्यू रेनशॉ (37 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की अहम साझेदारी की मदद से छह विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए थे। मिचेल मार्श ग्रोइन चोट के कारण टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी चोट के कारण बाहर हैं जबकि मिचेल स्टार्क संन्यास ले चुके हैं तो एलिस ने मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर जिम्मेदारी बखूबी निभाई। एलिस ने इस तरह तीन ओवर के शुरूआती स्पैल में नौ रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने रोस एडेयर (12), कर्टिस कैम्फर (04), बेन कालिट्ज (02) को आउट किया। फिर जम्पा ने गेरेथ डेलानी (11), लोरकान टकर (24), डॉकरेल और मार्क एडेयर (12) के विकेट झटके। आयरलैंड हालांकि 100 रन का स्कोर पार करने में कामयाब रहा। आखिर में एलिस अपना अंतिम ओवर करने के लिए आए और बैरी मैकार्थी (02) को आउट करके मैच खत्म किया।

ग्रीनपार्क या इकाना में होगा रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल

देहरादून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पिच क्यूरेटर ने उत्तराखंड में देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करने के बाद मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यहां के मैदान की हालत को बेहद निराशाजनक बताया है। इससे यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल की मेजबानी को लेकर झटका लगा है।

क्यूरेटर राकेश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा कि स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड का स्तर इतना खराब है कि यहां सेमीफाइनल जैसा महत्वपूर्ण मुकाबला आयोजित नहीं किया जा सकता। निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं है। सूत्रों की मानें तो बीसीसीआई अब इस सेमीफाइनल को कानपुर के ग्रीनपार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

तैयारी पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा- मुकाबले के प्रति टीम बेहद गंभीर

भारत के खिलाफ अलग मानसिकता के साथ खेलेंगे

कोलंबो, एजेंसी

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच को एक आम मैच करार दिया। लेकिन इसके साथ ही कहा कि इस बार उनकी टीम इस मुकाबले में अलग मानसिकता के साथ उतरेगी। पाकिस्तान की टीम नीदरलैंड और अमेरिका को हराने के बाद ग्रुप ए में शीर्ष पर काबिज हो गई है। नीदरलैंड को हराने में उसे संघर्ष करना पड़ा था लेकिन अमेरिका को उसने आसानी से 32 रन से हराया जिसमें फरहान ने एक 41 गेंद में 73 रन की शानदार पारी खेली।

मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में फरहान से भारत के खिलाफ होने वाले मैच के बारे में पूछा गया जो पाकिस्तान सरकार द्वारा बहिष्कार की अपील वापस लेने के बाद अपने

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी को खेला जाएगा।

फरहान ने कहा लगातार दो मैच जीतने और तालिका में शीर्ष पर काबिज होने से आत्मविश्वास मिलता है। अगला मैच भी एक आम मैच जैसा ही होगा। यह पहला अवसर नहीं है जबकि हम उनके खिलाफ खेलेंगे। उन्होंने कहा हम पहले भी उनके खिलाफ खेल चुके हैं लेकिन इस बार हमारी मानसिकता अलग होगी। आपने देखा ही होगा कि शादाब (खान) रन बना रहे हैं, (मोहम्मद) नवाज़ रन बना रहे हैं। उम्मीद है कि आपको उनके खिलाफ हमारा खेल पसंद आएगा। फरहान ने कहा यह एक सामान्य मैच होगा और हम इसे एक अन्य मैच की तरह ही लेंगे। हम यह नहीं सोचेंगे कि यह भारत और पाकिस्तान का मैच है। हम इसे एक सामान्य मैच की तरह ही खेलेंगे।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। उसने हाल में एशिया कप में पाकिस्तान को सभी मैच में हराया था। तब भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि हाल के वर्षों में उनकी टीम के दबदबे को देखते हुए वह अब पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिद्वंद्विता को बराबरी का नहीं मानते हैं। फरहान हालांकि इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता।

मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया

फरहान से जब पूछा गया कि क्या उनके पास भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए कोई विशेष योजना है, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आप आत्मविश्वास से भर जाते हैं। मैं भी बहुत आत्मविश्वास से भरा हूं और जिस तरह से मैंने पिछली दो पारियां खेली हैं, उससे मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता। एशिया कप में हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया उसे देखते हुए मुकाबले एकतरफा नहीं थे। हमने आखिर तक डटकर मुकाबला किया था। उम्मीद है कि इस बार भी हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पाकिस्तान के लगातार दो मैच जीतने से फरहान काफी उत्साहित हैं।